RNI NO.: MAHHIM/2010/41894

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 14 ■ अंक 71 ■ पुणे, रविवार 26 जनवरी 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सूचना

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'हमारा महानगर' कार्यालय रविवार 26 जनवरी 2025 को बंद रहेगा। अत: सोमवार 27 जनवरी 2025 का अंक प्रकाशित नहीं होगा। अब हमारी अगली मुलाकात मंगलवार 28 जनवरी 2025 को होगी।

– संपादक

हमास ने चार इजरायली महिला सैनिकों को किया रिहा

यरुशलम। गाजा युद्धविराम समझौता धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। शनिवार को फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास ने 7 अक्टूबर को बंदी बनाई गईं चार इजरायली महिला सैनिकों को रिहा कर दिया। इन सैनिकों की रिहाई के बदले में इजरायल अपनी जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों के एक समूह को रिहा करेगा। हालांकि कितने कैदी रिहा किए जाएंगे इसको लेकर अभी तक कोई संख्या सामने नहीं आई है।

कई हस्तियों को मिला सम्मान

सुशील मोदी को पद्म सम्मान, शारदा सिन्हा बनीं पद्मभूषण

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर गृह मंत्रालय ने 2025 के पद्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इस साल कुल 139 हस्तियों को ये सम्मान प्रदान किया जाएगा, जिनमें 23 महिलाएं,10 विदेशी, 13 मरणोपरांत पुरस्कार शामिल हैं। चुनावी साल में सुशील मोदी समेत बिहार की कई हस्तियों को पद्म सम्मान से सम्मानित किया गया है। असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाने वाला पद्म विभूषण इस बार 7 व्यक्तियों को प्रदान किया गया है। प्रमुख नामों में तेलंगाना से डॉक्टर दुर्वुर नागेश्वर रेड्डी (चिकित्सा), कर्नाटक से वायलिन वादक लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम (कला) और मरणोपरांत साहित्यकार एम. टी. वासुदेवन नायर (केरल) शामिल हैं। वहीं पद्म भूषण पुरस्कार 19 लोगों को दिया गया है, जिनमें प्रमुख नामों में महाराष्ट्र से फिल्म निर्देशक शेखर कपूर (कला), उत्तर प्रदेश से साध्वी ऋतंभरा (सामाजिक कार्य) और एनसीटी दिल्ली से मरणोपरांत अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय (साहित्य और शिक्षा) हैं।

दिग्गज गायिका रहीं शारदा सिन्हा को मरणोपरांत पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। तो वहीं बिहार की राजनीति के कद्दावर नेता रहे सुशिल मोदी को मरणोपरांत पद्म भूषण दिया गया है। समाज सेवा के लिए भीम सिंह भावेश, चिकित्सा के क्षेत्र में हेमंत कुमार, सिविल सेवा के लिए किशोर कुणाल को (मरणोपरांत), निर्मला देवी को कला के लिए और विजय नित्यानंद सूरीश्वर जी महाराज को अध्यात्मवाद के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया है।

942 गैलेंट्री अवॉर्ड की घोषणा

95 जवानों को वीरता, 101 को राष्ट्रपति और 746 को सराहनीय सेवा सम्मान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को वीरता (गैलेंट्री) और सेवा पदक (सर्विस मेडल) के लिए 942 नामों की घोषणा की। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (PSM) पाने वाले 101 लोग हैं। सराहनीय सेवा के लिए मेडल (MSM) पाने वाले 746 कर्मी हैं। 95 लोगों को वीरता पदक दिया गया। इनमें 5 नाम ऐसे हैं जिन्हें मरणोपरांत सम्मानित किया गया। इनमें J&K पुलिस के डिप्टी SP हुमायूं मुजमिल, हेड कॉन्स्टेबल गिरजेश कुमार उद्दे (BSF), कॉन्स्टेबल सुनील कुमार पांडे (CRPF), हेड कॉन्स्टेबल रवि शर्मा (SSB) और सिलेक्शन ग्रेड फायरमैन सतीश कुमार रैना शामिल हैं। जिन 95 गैलेंट्री अवॉर्ड्स की घोषणा की गई है, इनमें 28 नाम नक्सल-उग्रवाद प्रभावित इलाकों से हैं। 28 नाम जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से, 3 नाम नॉर्थ-ईस्ट और 36 नाम दूसरे क्षेत्रों से हैं।

'संविधान हमारी सामूहिक अस्मिता का आधार'

भारत की आत्मा फिर से जागी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। अपनी स्पीच की शुरुआत उन्होंने देश को बधाई देकर की। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो हमारी सामाजिक अस्मिता का मूल आधार है। किसी राष्ट्र के इतिहास में 75 साल का इतिहास पलक झपकने जैसा होता है। भारत के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। इस काल खंड में भारत की चेतना जागी। इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सबको संबोधित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। द्रौपदी मुर्मू देश की 15वीं राष्ट्रपति हैं। वे इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली देश की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। 64 साल की मुर्मू ने साल 2022 में देश की सबसे कम उम्र में राष्ट्रपति बनने का रिकॉर्ड भी बनाया।

राष्ट्रपति के संबोधन की प्रमुख बातें...

1. **कई स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान अब लोगों के सामने आया :** राष्ट्रपति ने कहा कि आज हमें उन वीरों को याद करना चाहिए जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। कुछ के नाम प्रसिद्ध हुए, तो कुछ को हाल ही में पहचान मिली। इस साल हम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहे हैं, जो ऐसे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतीक हैं जिनके योगदान को अब सही तरीके से माना जा रहा है। 20वीं सदी की शुरुआत में इन संघर्षों ने एक संगठित आजादी की लड़ाई का रूप लिया। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात थी कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर और बाबासाहेब आंबेडकर जैसे महान लोग हमारे साथ थे, जिन्होंने देश को लोकतांत्रिक मूल्यों को समझाने में मदद की। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हमारे देश की सभ्यता का हिस्सा रहे हैं।

2. **आर्थिक विकास की दर बढ़ने से किसानों-मजदूरों के हाथ में पैसा आया :** राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे किसान भाई-बहनों ने कड़ी मेहनत की और हमारे देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया है। हमारे मजदूर भाई-बहनों ने अथक परिश्रम करके हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कायापलट कर दी है। उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर आज भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित कर रही है। हाल के वर्षों में आर्थिक विकास की दर लगातार ऊंची रही है, जिससे हमारे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं, किसानों और मजदूरों के हाथों में अधिक पैसा आया है तथा बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। साहसिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधारों के बल पर आने वाले वर्षों में प्रगति की यह रफ्तार बनी रहेगी।

3. **सरकार ने जनकल्याण को नई परिभाषा दी :** यह भी एक बहुत महत्वपूर्ण बदलाव है कि सरकार ने जन-कल्याण को नई परिभाषा दी है, जिसके अनुसार आवास और पेयजल जैसी बुनियादी जरूरतों को अधिकार माना गया है। वंचित वर्गों के लिए, विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों की सहायता के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। अनुसूचित-जनजाति-समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई हैं, जिनमें धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान पीएम-जनमन शामिल हैं। विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतू समुदायों के लिए 'विकास एवं कल्याण बोर्ड' का गठन किया गया है।

बांग्लादेश सीमा पर मिले चार बड़े बंकर

नीचे उतरे BSF जवान तो उड़े होश

महानगर नेटवर्क

कोलकाता

बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जवानों ने गणतंत्र दिवस से पहले भारत-बांग्लादेश सीमा के पास कृष्णगंज थाना इलाके में तस्करी में प्रयुक्त होने वाले लोहे के तीन भूमिगत स्टोरेज टंकी (बंकरों) और एक ईंट के निर्माणाधीन बंकर का पता लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि एक खुफिया सूचना पर

शुक्रवार को कृष्णगंज के मझदिया कस्बे के सीमावर्ती नागहटा गांव में की गई। इस छापेमारी में लोहे के तीनों बंकरों से 1.40 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 62,200 बोतल प्रतिबंधित फेंसेडिल कफ सिरप की बड़ी खेप भी बरामद की गई।

तस्करों का पूरा नेटवर्क हिल गया : बीएसएफ

बीएसएफ ने शनिवार को एक बयान में बताया गया कि तस्कर इन भूमिगत टंकियों का इस्तेमाल तस्करी के लिए करते थे। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर, बीएसएफ के डीआईजी व प्रवक्ता नीलोत्पल कुमार पांडे ने तस्करी के विरुद्ध अभियान में इसे बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि गुप्त टंकियों के भंडाफोड़ और फेंसेडिल की इतनी बड़ी खेप बरामद होने से तस्करों का नेटवर्क पूरी तरह से हिल गया है।

नीट यूजी परीक्षा पैटर्न में बड़ा बदलाव

ऑप्शनल प्रश्न हटाए, टाइम भी घटाया गया

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी के एग्जाम पैटर्न में बड़ा बदलाव किया है। एनटीए ने घोषणा की है कि अब नीट यूजी परीक्षा के प्रश्न पत्र का पैटर्न और समयावधि कोविड महामारी से पहले वाले हो जाएंगे। अब कोई सेक्शन बी नहीं होगा। कोविड-19 महामारी के दौरान नीट यूजी पेपर में जो ऑप्शन प्रश्न जोड़े गए थे, उन्हें अब हटा दिया गया है। अब नीट परीक्षा में कुल 180 प्रश्न (फिजिक्स और केमिस्ट्री में 45-45 प्रश्न और बायोलॉजी में 90 प्रश्न) अनिवार्य होंगे।

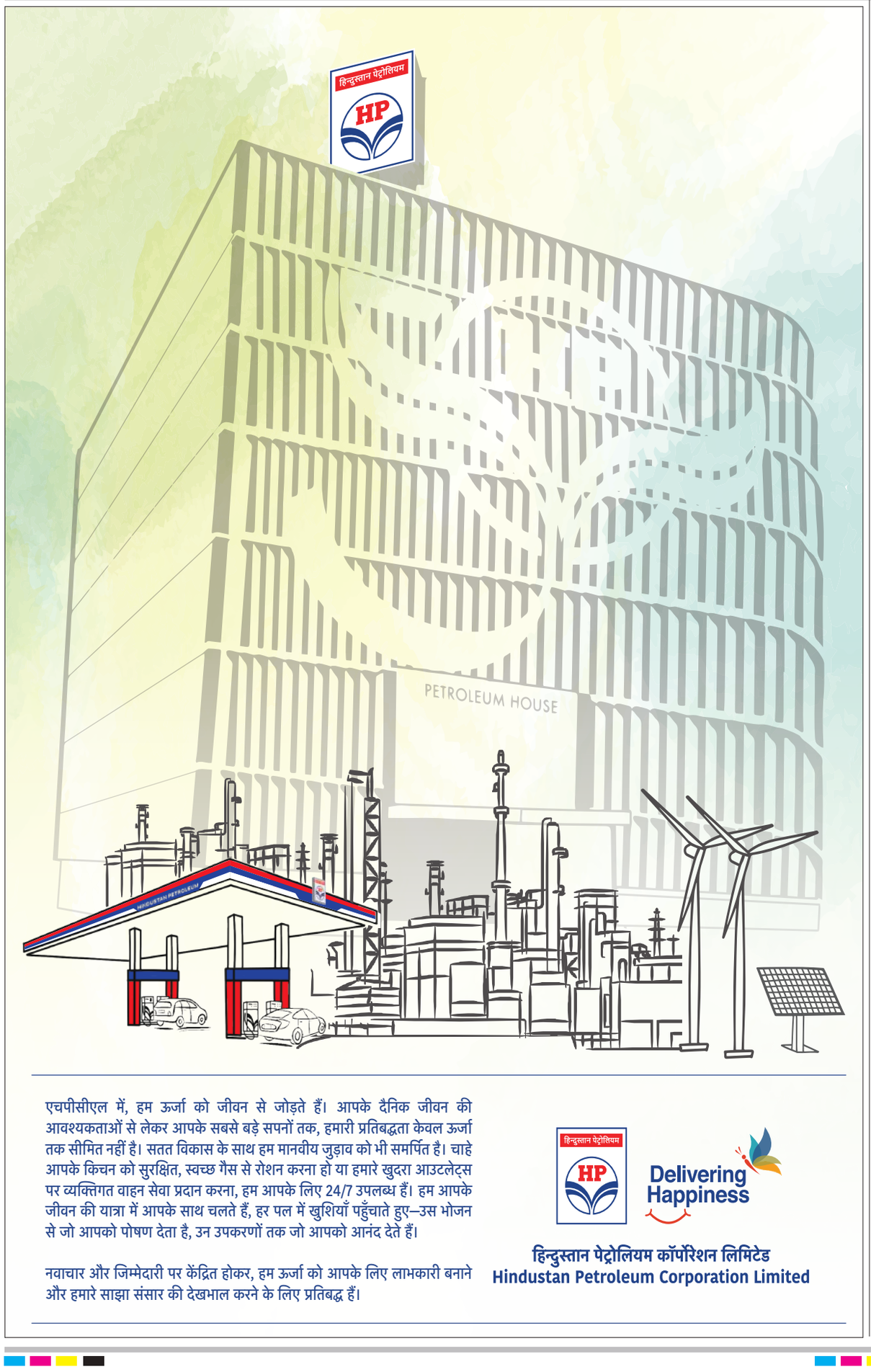

पात्र महिलाओं को मिलता रहेगा योजना का लाभ

◆योजना के लाभार्थियों की जांच पर बोले एकनाथ शिंदे

महानगर संवाददाता

मुंबई

राज्य में मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना में बड़े बदलाव की चल रही चर्चा के बीच उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया की पात्र महिलाओं को योजना का लाभ मिलता रहेगा। शिंदे ने कहा कि योजना के बदलाव को लेकर चल रही चर्चा से महिलाओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। जिन महिलाओं ने योजना के लाभ के लिए आवेदन किया है वो पात्र हैं तो उन्हें योजना से कोई भी वंचित नहीं कर सकता। शिंदे शनिवार को कोल्हापुर में एक कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। शिंदे ने यह बयान उस समय दिया, जब भाजपा सहित अन्य नेताओं की तरफ से बार-बार योजना में धांधली होने का आरोप लग रहा है। जो महिलाएं अपात्र हैं, उन्हें भी योजना का लाभ मिला है ऐसे में चर्चा है कि सरकार योजना में बड़ा बदलाव और कागजात में पड़ताल कर सकती है। इस चर्चा के बीच शिंदे ने यह बयान दिया है।

महायुति की बड़ी जीत का कारण लाडकी योजना है

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा चुनाव में महायुति की बड़ी जीत का कारण लाडकी योजना है। चुनाव प्रचार के दौरान हमने कोल्हापुर का दौरा किया था माता अंबाबाई दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया था, मैंने कहा था कि महायुति की जीत के बाद हम उनका आशीर्वाद लेने जरूर आऊंगा। अम्बाबाई के आशीर्वाद से महायुति को अद्भुत सफलता मिली। सरकार आने के बाद कई बंद पड़े प्रोजेक्ट दोबारा शुरू किये गये। वहीं दूसरी ओर कल्याणकारी योजनाएं दोबारा शुरू की गईं। एक तरफ विकास और दूसरी तरफ कल्याणकारी योजना का मिश्रण। शिंदे ने कहा यह महायुति के लिए बहुत बड़ी जीत है। शिंदे ने बताया कि हमारी बहनों को उनके लिए शुरू किए गए लडकी योजना का लाभ मिलता रहेगा। हर महीने उनके खातें में किस्त जाती रहेगी। ईवीएम को लेकर विपक्ष को निशाने पर लेते हुए शिंदे ने कहा कि जब विपक्ष को चुनाव में जीत मिलता है तो चुनाव आयोग और ईवीएम अच्छी होती है, चुनाव फिर हाईकोर्ट ,सुप्रीमकोर्ट भी अच्छे हैं। लेकिन जब हार होती है तो उनके पास ईवीएम और चुनाव आयोग को दोष देने लगते हैं।

विपक्ष को उनकी जगह दिखा दी

उन्हें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के लिए जरूरी विधायकों की संख्या भी नहीं मिल पाई। महाराष्ट्र के लोगों ने विपक्ष को उनकी जगह दिखा दी है।

बता दें कि प्रदेश में पिछले साल हुए विधानभा चुनाव से पहले तत्कालीन एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने महिला मतदाता को आकर्षित करने के लिए चुनाव से कुछ महीने पहले आनन -फानन में मुख्यमंत्री माझी लाडकी योजना शुरू किया है ।

किराया बढ़ोत्तरी के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

महानगर संवाददाता

मुंबई

देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में बनी महायुति सरकार को दो महीने भी पूरा नहीं हुआ कि सरकार ने एसटी,रिक्शा और टैक्सी का किराया बढ़ाकर सामान्य जनता को बड़ा झटका दिया है। जिस आम जनता ने चुनाव में मत देकर राज्य में महायुति की सरकार बनवाने का काम किया,उसी सरकार ने दो महीने के भीतर ही आम जनता पर महंगाई का बोझ डालने का काम किया है। शनिवार को विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने सरकार को निशाने पर लेते हुए यह बात कही। दानवे ने एसटी,रिक्शा और टैक्सी के बढ़ाए गए किराया का विरोध करते हुए कहा कि तीन पहले एसटी महामण्डल के उपाध्यक्ष ने कहा था की एसटी मुनाफे में है, एसटी की सेवा बहुत अच्छी चल रही है। उसके बाद शीतकालीन सत्र में हमने एसटी के 2 हजार 800 करोड़ के भ्रष्टाचार को सामने लाने का काम किया।

रिक्शा और टैक्सी किराये में बढ़ोतरी सितंबर 2022 में हुई थी

जिस प्रकार से प्राइवेट बसों का संचालन होता है। बस 44 रुपए प्रति किमी डीजल से चलती है। फिर सरकार ने एक नई डील की,जिसमें 1 हजार 310 बसें बिना डीजल के 35 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से ली गईं। हालांकि, हमने उसके बाद अपनी आवाज़ उठाई। अंबादास दानवे ने चेतावनी दी है कि यूबीटी बढ़ाए गए किराया के विरोध में पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करेगी। महायुति की सरकार को निशाने पर लेते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान महायुति सामान्य जनता को रियायत देने के लिए बड़ी-बड़ी बात कर रही थी लेकिन सरकार बनकर दो महीने भी नहीं हुए और रिक्शा -टैक्सी और एसटी का किराया बढ़ा दिया गया। नई सरकार बनते ही महंगाई का झटका नागरिकों को लगना शुरू हो गया. बतादें कि शुक्रवार को सरकार ने एसटी टिकट किराये में 14 .95 फीसदी बढ़ोतरी जबकि रिक्शा और टैक्सी का किराया बढ़ाने का निर्णय लिया है .एसटी का बढ़ाए गए किराए 24 जनवरी की रात से लागू कर दी गई जबकि टैक्सी और रिक्शा का किराया 1 फरवरी से बढ़ाया जाएगा। एसटी की इससे पहले अक्टूबर 2021 में हुई थी, जबकि रिक्शा और टैक्सी किराये में बढ़ोतरी सितंबर 2022 में हुई थी।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की मिसाल पेश कर गया उत्तरप्रदेश दिवस समारोह

महानगर संवाददाता

मुंबई

अभियान संस्था के उत्तरप्रदेश दिवस समारोह ने महाराष्ट्र गीत से समारोह की शुरुआत कर देश की अनेकता में एकता का दृश्य प्रस्तुत कर जबर्दस्त मिसाल पेश की। भोजपुरी और मराठी में संवाद साधते भोजपुरी फिल्मों के सुपर स्टार व गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने कर्मभूमि व जन्मभूमि के बीच रिश्ता क़ायम करने की कोशिश की तो महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार ने भगवान श्रीराम को सनातन का शिरोमणि बताया। अभियान का यह उत्तरप्रदेश दिवस समारोह यूपी व महाराष्ट्र की साझी संस्कृतियों के संगम का साक्षी बना। जहां उत्तर प्रदेश श्री राम और श्री कृष्ण की भूमि के रूप में जाना जाता है और अपनी अद्वितीय परंपराओं, साहित्य, संगीत और लोक कलाओं के लिए प्रसिद्ध है। वहीं, महाराष्ट्र ने अपने अद्वितीय इतिहास, मराठी संस्कृति और छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रेरणादायक नेतृत्व के माध्यम से देश को प्रेरित किया है। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को अभियान संस्था पूरा करता है। उन्होंने संस्थापक अमरजीत मिश्र की सराहना करते हुए कहा कि वे दोनों राज्यों के सांस्कृतिक विरासत के एम्बेसडर है।

अभियान संस्था के उत्तरप्रदेश दिवस समारोह में बीआयएस और 'हमारा महानगर' की निदेशिका गीता सिंह को सामाजिक कार्यों के साथ-साथ उघोग और कला क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के मद्दे नजर 'उत्तर समाजश्री' सम्मान राज्य के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार के हाथों प्रदान किया गया ।

● इस अवसर पर उनके हाथों से गोरखपुर के सांसद एवं प्रसिद्ध अभिनेता रवि किशन को डॉ. राममनोहर त्रिपाठी सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही प्रसिद्ध गायक रितेश पांडेय,उद्योगपति राजदीप गुप्ता,सीए पंकज जायसवाल, बीआयएस और 'हमारा महानगर' की निदेशिका गीता सिंह,डॉ. पुष्पा सिंह,गायिका प्रियंका सिंह,अभिनेत्री अंजना सिंह,गायक अर्जुन पांडेय और युवा उद्यमी स्वाति सिंह को भी उनके क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार का सम्मान भगवान शिव का त्रिशूल देकर किया गया। अमरजीत मिश्र ने कहा,'उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की संस्कृतियां न केवल हमें अपनी जड़ों से जोड़ती हैं,बल्कि हमें यह भी सिखाती हैं कि विविधता में एकता ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। सांसद रवि किशन ने कहा कि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की धरती ने मुझे जो कुछ दिया है, उसका ऋण मैं कभी नहीं चुका सकता। मैं गर्व महसूस करता हूं कि मेरी जड़ें इस महान भूमि से जुड़ी हैं। महाराष्ट्र ने मुझे नई ऊंचाइयां छूने का मौका दिया। दोनों राज्यों का प्यार मेरी ताकत है।' गायक रितेश पांडेय ने कहा कि लोकगीतों के माध्यम से अपनी मिट्टी और संस्कृति को जीवित रखना उनकी जिम्मेदारी है। इस सम्मान ने उन्हें और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया है। कार्यक्रम में आए उत्तर भारतीयों ने भोजपुरी और अवधी भाषा में माटी की महक को लेकर खूब चर्चा की।

शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सत्यनारायण चौधरी को सम्मान

मुंबई। 25 जनवरी पूरे देश में 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुंख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय द्वारा उन्हे सम्मानित किया गया। इसका आयोजन पुणे की यूनिवर्सिटी में किया गया था,जहां प्रदेश में लोकसभा एवं विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उक्त पुरस्कार हेतु मुंबई पुलिस में कार्यरत आईपीएस सत्यनारायण चौधरी को भी चयनित किया गया।

शरद पवार का अगले 4 दिनों का दौरा रद्द

मुंबई। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी शरद पवार ग्रुप के अध्यक्ष शरद पवार ने अपना अगले 4 दिनों का दौरा रद्द कर दिया है. बताया जा रहा है कि उनकी तबीयत खराब हो गई है. डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है. जिसके बाद पवार ने अपने 4 दिन के दौरे को रद्द कर दिया है. डॉक्टरों ने शरद पवार को कुछ दिनों तक लगातार व्यस्त रहने से बचने की सलाह भी दी है. फिलहाल शरद पवार घर पर ही आराम करेंगे क्योंकि वह सर्दी से पीड़ित हैं. शरद पवार फिलहाल पुणे में हैं।

रामराज्य की कल्पना रामचरितमानस के बिना संभव नहीं : राजन जी

भायंदर। पूज्यश्री प्रेमभूषण जी महाराज के कृपा पात्र अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्रीरामकथा वाचक पूज्य राजन जी महाराज के व्यासत्व में धर्मज्योति प्रचार सेवा संस्थान द्वारा भायंदर की धरा पर पहली बार नौ दिवसीय दिव्य श्रीरामकथा के प्रथम सत्र में पूज्य राजन महाराज ने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि 14 वर्षों की रामकथा गायन यात्रा में दूसरी बार मुंबई में व्यास पीठ से रामकथा गाना मेरे लिए एक सुखद अनुभूति है । श्रीरामकथा महिमा का गान करते हुए पूज्य राजन महाराज ने कहा कि,जब तक रामचरितमानस को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करके भारतीय शिक्षण संस्थानों में प्रारंभ से ही श्रीरामचरित मानस नहीं पढ़ाया जाता तब तक रामराज्य की कल्पना साकार नहीं हो सकती। राजन जी महाराज ने जीवन मे सत्कर्म के महात्म्य को समझाने के लिए अपने श्रीमुख से लोकप्रिय भजन.. अब न बनी तो अब ना बनेगी..सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को सचेत करके कथा को विस्तार देते हुए प्रेमभूषण जी महाराज का लोकप्रिय भजन.. जय जय रामकथा जय श्रीरामकथा.. जैसे ही प्रस्तुत किया सुनकर हर आयु वर्ग का श्रोता थिरकने झूमने लगा।

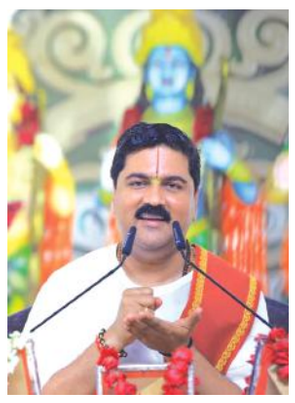

भायंदर (पूर्व) जैसल पार्क चौपाटी पर स्थित बालाजी ग्राउंड में चल रही कथा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। 25 जनवरी से 2 फरवरी तक आयोजित इस मानस महोत्सव के प्रथम सत्र में कथा के मुख्य यजमान अनूप दान बहादुर सिंह और धर्मज्योति प्रचार सेवा संस्थान के अध्यक्ष नवीन रामधारी सिंह के आमंत्रण पर जौनपुर के पूर्व सांसद धनन्जय सिंह,अशोक दूबे, वानर सेना संरक्षक अजीत प्रताप सिंह(पी.सी. एस.) शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह,सुधाकर सिंह बिसेन,कैलाश पाठक शिवसेना नेता (उद्धव गुट') शैलेश ठाकुर, दिनेशप्रताप सिंह, विनय चौबे, नरेंद्र सिंह आदि गणमान्य लोगों कथा श्रवण करके अपना पुण्यवर्धन किया।

चार पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पदक

उनतालीस को सराहनीय कार्य के लिए पुलिस पदक

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस में कार्यरत चार पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुरस्कार और उनतालीस पुलिस अधिकारियों को सराहनीय कार्य के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। इसमें नागपुर के पुलिस कमिश्नर रविन्द्र सिंघल और अपर पुलिस महानिदेशक, दत्तात्रेय राजाराम कराले, महानिरीक्षक, सुनील बलिरामजी फुलारी, महानिरीक्षक, रामचन्द्र बाबू केंडे, कमांडेंट, महाराष्ट्र को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जबकि जिन पुलिस अधिकारियों को पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है, उनमें संजय दराडे, वीरेंद्र मिश्रा महानिरीक्षक और श्रीकांत चंद्रकांत तावड़े, पुलिस उपनिरीक्षक जैसे उनतालीस लोगों के नाम शामिल हैं।

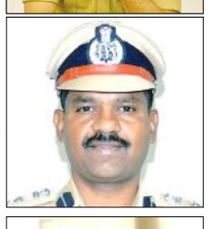

सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक जिन उनतालीस लोगों को दिया गया है,उनके नाम संजय भास्कर दराडे, महानिरीक्षक, वीरेंद्र मिश्रा, महानिरीक्षक, आरती प्रकाश सिंह, महानिरीक्षक, चंद्र किशोर रामजीलाल मीना, महानिरीक्षक, दीपक कृष्णाजी सकोरे, उप महानिरीक्षक, राजेश रामचन्द्र बंसोड, पुलिस अधीक्षक, सुनील जयसिंग तांबे, उप पुलिस अधीक्षक, ममता लॉरेंस डिसूजा, सहायक पुलिस आयुक्त, धर्मपाल मोहन बनसोडे, सहायक पुलिस आयुक्त, मधुकर माणिकराव सावंत, निरीक्षक, राजेंद्र करभारी कोटे, निरीक्षक, रोशन रघुनाथ यादव, पुलिस उपाधीक्षक, अनिल लक्ष्मण लाड, उप पुलिस अधीक्षक, अरुण केरभाऊ डुंबरे, सहायक पुलिस आयुक्त, नाजिर नासिर शेख, उप निरीक्षक, श्रीकांत चंद्रकांत तावड़े, उपनिरीक्षक, महादेव गोविंद काले, उप निरीक्षक, तुकाराम शिवाजी निम्बालकर, उप निरीक्षक, आनंदराव पुंजाराव मस्के, सहायक उप निरीक्षक, रवीन्द्र बाबूराव वानखेड़े, उप निरीक्षक, सुरेश चिंतामन मनोरे, निरीक्षक, राजेंद्र देवमन वाघ उप निरीक्षक, संजय अम्बादासराव जोशी, सहायक उप निरीक्षक, दत्तू एकनाथ गायकवाड, उप निरीक्षक, नंदकिशोर ओंकार बोरोले, सहायक उप निरीक्षक, आनंद रामचन्द्र जंगम, सहायक उप निरीक्षक, सुनीता विजय पवार, सहायक उपनिरीक्षक, जीतेन्द्र विठ्ठल म्हात्रे, सहायक उप निरीक्षक, प्रफुल्ल रामचन्द्र सुर्वे, सहायक उप निरीक्षक, राजेंद्र शंकर काले, सहायक उप निरीक्षक, सलीम गनी शेख, सहायक उप निरीक्षक, तुकाराम रावसाहेब अव्हाले का नाम शामिल है।

अच्छी सड़कों को खोदकर सीमेंट कंक्रीट करने का विरोध

बांद्रा के बाद मरीन लाइन की सड़क खोदे जाने पर लोगों में नाराजगी

दिनेश सिंह

मुंबई। मरीन ड्राइव रेजिडेंट्स असोसिएशन ने मरीन लाइन स्थित विनू मांकड रोड को सीमेंट कंक्रीट करने का विरोध किया है। उनका कहना है कि यह सड़क 'पूर्ण रूप से अच्छे हालत में' है सड़क को खोदकर स्थानीय लोगों को परेशानी में नहीं डाला जाना चाहिए और टैक्स का पैसा पानी में नहीं फेका जाना चाहिए। इसके पहले बांद्रा की माउंट मेरी चर्च के सामने की सड़क को खोदे जाने का विरोध हुआ था,जबकि छह माह पूर्व एंटॉपहिल परिसर में एक सड़क को खोदे जाने और सीमेंट कंक्रीट करने का विरोध पूर्व मनपा विरोधी पक्ष नेता ने किया था। बड़ी संख्या में लोगों का कहना है कि छोटी और अंदर की सड़कों को सीमेंट कंक्रीट करने की जरूरत नहीं है। मरीन लाइन स्थित विनू मांकड रोड का सीमेंट कंक्रीट किए जाने का विरोध करते हुए असोसिएशन ने स्थानीय भाजपा विधायक राहुल नार्वेकर को पत्र लिखकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है। असोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिंघानिया द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया,डी रोड एक पुराना आवासीय क्षेत्र है और यहां अधिकांश निवासी वरिष्ठ नागरिक हैं, इसलिए हम निवेदन करते हैं कि डी रोड के कंक्रीटीकरण की योजना को रद्द किया जाए। असोसिएशन का यह भी कहना है कि हाल ही में बनाई गई कंक्रीट सड़कों पर दरारें आई हैं। यह भी एक कारण है कि एसोसिएशन अपनी सड़क का कांक्रीटीकरण नहीं करना चाहता। एसोसिएशन के सचिव अनिल भाटिया ने कहा कि डी रोड,जो कि डामर से बनी है। काफी अच्छी है और वे चाहते हैं कि यह जैसी है, वैसी ही बनी रहे हमारी सड़क की स्थिति अच्छी है और अगर इस पर घटिया काम हुआ तो यह जल्दी खराब हो सकती है। पूर्व भाजपा कॉर्पोरेटर हर्षिता नार्वेकर ने कहा कि स्थानीय विधायक ने केंद्रीय एजेंसी को निर्देश दिया है कि सड़क का कांक्रीटीकरण न किया जाए और इस मामले में स्थानीय निवासियों की चिंता को वार्ड में भी किया गया है।

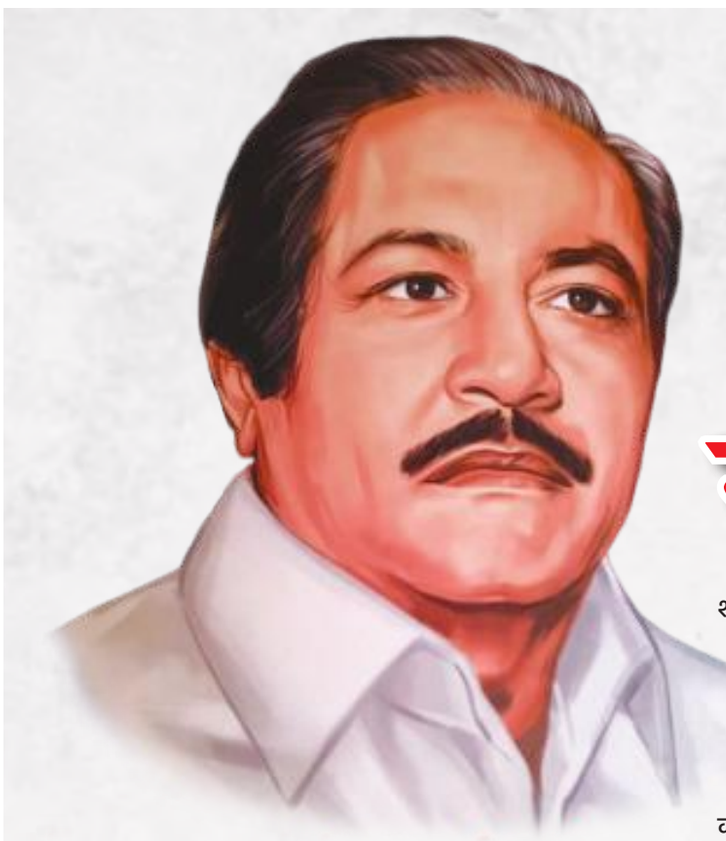

सपने वो नहीं होते जो हम नींद में देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें नींद नहीं आने देते। खुली आंखों से देखे गए सपने साकार होते हैं। और ए सपने जब सच होते हैं तो संघर्ष, जुनून और बलिदान की कहानी लिखी जाती है जिसे दुनिया सलाम करती है। राजस्थान के पाली जिले के एक छोटे से गांव जवाली से मात्र 12-13 वर्ष की आयु में जब मूलचंद शाह जी ने आंखों में कुछ बनने का सपना लेकर मायानगरी मुंबई (बंबई) में कदम रखा तो उनके सामने पहाड़ जैसी चुनौतियां खड़ी थीं। लेकिन उन्होंने अपने जुनून और दृढ़ संकल्प के बल पर वह मुकाम हासिल कर लिया जो आसान नहीं होता। आज उनके द्वारा स्थापित व्यापार का पौधा वट वृक्ष का रूप ले चुका है। जिसकी शाखाएं देश-विदेश तक फैल गई हैं इसकी छाँव में शाह परिवार ही नहीं, बल्कि हजारों हजार परिवार पल रहे हैं।

संघर्ष और सफलता को सलाम

राजस्थान के पाली जिले से निकल कर मुंबई की जमीन पर खुद को स्थापित कर एक बड़े उद्यम का सृजन करने वाले स्वर्गीय श्री मूलचंद शाह जी के जनशताब्दी वर्ष में उनकी स्मृति में डाक टिकट का विमोचन महाराष्ट्र के राज्यपाल माननीय श्री सी. पी. राधाकृष्णन के हाथों हुआ । दक्षिण मुंबई स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में महाराष्ट्र-गोवा के चीफ मास्टर जनरल अमिताभ सिंह, डब्ल्यूटीसी चेयरमैन विजय कलंतरी, श्री मूलचंद के सुपुत्र माणिक शाह जी के अलावा भारतीय डाक विभाग के सैकड़ों अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

मूलचंद शाह जी की जीवन यात्रा को बहुत ही संघर्षपूर्ण और उत्प्रेरक बताते हुए राज्यपाल महोदय ने उनके जीवन से लेकर बिजनेसमैन एवं सम्मानित व्यक्ति बनने की यात्रा को कठिन परिश्रम, ईमानदारी और दूरदर्शिता का प्रमाण बताया। मूलचंद शाह जी के 'फर्श से अर्श' और 'जमीं से आसमां तक' के सफर को देखा और आंका जाए तो यही कहा जाएगा कि मूलचंद शाह जी अपने मानवीय मूल्यों, संवेदनाओं, सामाजिक सरोकारों और सामाजिक योगदानों की वजह से आज भी हमारे बीच जीवंत हैं।

स्व. मूलचंद शाह जी की जीवन यात्रा जितनी दिलचस्प है उससे अधिक प्रेरक-प्रसून है। अपनी उत्कृष्ट समाजसेवी सोच की वजह से जो लोग धनार्जन करने के बाद समाज को उसके कुछ अंश लौटाने की दिशा में जब कुछ करते हैं उनसे समाज को दिशा मिलती है, प्रेरणा मिलती है, इसका उत्तम उदाहरण मूलचंद शाह जी ने पेश किया है।

राजस्थान के पाली जिले से छोटे से गांव जवाली में वर्ष

1924 में पैदा हुए मूलचंद शाह ने कुछ बड़ा करने का जज्बा लेकर मुंबई (बंबई) आए तो उनकी उम्र मात्र 12-13 साल थी। गांव छोड़ते ही उनका संघर्ष शुरु हो गया था। मायानगरी मुंबई ने उनकी जीवटता की परीक्षा लेनी शुरु की। राहत की बात यह थी कि वह इस परीक्षा में अकेले नहीं थे, उनके साथ थे उनके पिता गेनमल जी। पिता-पुत्र की यह जोड़ी मुंबई में कामगारों के इलाके के रूप में मशहूर परेल पहुंची तो वह साल 1935 था। मुंबई में मारवाड़ी और पारसी समाज ने अपनी जगह बना ली थी। मूलचंद शाह ने शुरु में अपने एक परिचित के यहां नौकरी कर ली। एक छोटी दुकान से वह बिजनेसमैन का गुर सीखने लगे। मूलचंद शाह को मालूम था की नौकरी करके अपने सपनों को पूरा नहीं किया जा सकता। वह 15 साल के ही हुए थे तभी उनके घर वालों ने उनकी शादी के बारे में सोचना शुरु किया। इसी बीच दो साल नौकरी करने के बाद मूलचंद शाह ने नौकरी छोड़ व्यापार करने का फैसला किया। वह बंद आंखों से सपना देखने में नहीं, बल्कि खुली आंखों से सपना देखने और उसे साकार करने में दृढ़ विश्वास रखते थे। उनकी इसी जीवटता ने उन्हें कई दिक्कतों और संघर्षों का सामना करने का साहस भी दिया । उन्हें मजबूत बनाया। उन्होंने अपनी कंपनी मूलचंद एंड कंपनी शुरु की। कुछ सालों बाद उन्हें देश की मशहूर कंपनी हिंदुस्तान युनिलीवर के साथ काम करने का ऑफर मिला। यह दौर था 1938 का। हिंदुस्तान युनिलीवर कंपनी के बड़े अधिकारियों ने मूलचंद की मेहनत-लगन और ईमानदारी को देखते हुए यह ऑफर दिया था। मूलचंद शाह के सुपुत्र माणिक शाह बताते हैं कि उनके पिता को जब यह मौका मिला तो उन्होंने दिन-रात एक कर दिया। पिताजी ने तय कर लिया था कि हिंदुस्तान युनिलीवर कंपनी का उन्हें नंबर वन डिस्ट्रीब्यूटर बनना है। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाती गई। उनका कारोबार

फलता-फूलता गया। आमदनी बढ़ी तो उन्होंने बहुत सारे लोगों को नौकरी पर रख लिया। काम का दायरा बढ़ता गया और मूलचंद शाह की पहचान भी। कंपनी में मूलचंद का नाम बहुत मेहनती और ईमानदार व्यक्ति के रूप में होने लगी।

इसी दौर में हिंदुस्तान युनिलीवर कंपनी ने एक नया प्रोडक्ट लॉन्च किया 'डालडा'। इस उत्पाद को आईकॉनिक बनाने और घर-घर पहुंचने में मूलचंद शाह का बहुत बड़ा योगदान है। सभी को एक समान नजर से देखने में विश्वास रखने वाले मूलचंद शाह जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहे थे। उनका मंत्र था-कोई भी इंसान और कोई भी काम छोटा नहीं होता। यही कारण था कि उन्होंने काम और इंसानों के बीच कभी फर्क नहीं किया। अगर यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि वह एक ट्रेनिंग स्कूल बन चले थे। हिंदुस्तान यूनिलीवर के एजेंट और सेल्स एजेंट्स जब उनके ऑफिस आते तो वह उन्हें घंटों काम समझाते। मूलचंद शाह वह गारंटी बन गए थे जो न सिर्फ व्यापार में चलती थी, बल्कि समाज में इसे मान्यता प्राप्त थी। सभी को पता था कि अगर मूलचंद सेठ हैं तो चिंता की कोई बात नहीं। मूलचंद शाह जी ने मुंबई में व्यापार के पंख लगाने के साथ ही अपने गांव जवाली को विकसित करने का संकल्प लिया। आज उन्हें जवाली का विकास पुरुष कहा जाता है तो उसके पीछे बड़ी तपस्या है। अपने खुद के पैसे से स्कूल-कॉलेज के साथ-साथ गरीब लोगों को घर बनाकर देने का काम मूलचंद शाह जी ने खुद अपने नेतृत्व में किया। गांव में बिजली, सड़क, बैंक पहुंचने का काम इन्हीं के हाथों हुआ है। मूलचंद शाह ने अपने गांव के विकास के लिए का सरपंच बनने का फैसला किया। उन्हें यह पता था कि मुंबई में बड़े पैमाने पर फैले कारोबार और गांव में विकास की यात्रा दोनों एक साथ आसान नहीं होगी। इसके बावजूद उन्होंने सरपंच बनने का फैसला लिया। वह 15 सालों तक गांव के सरपंच रहे। गांव में बांध बनाने का फैसला किया। इस काम के लिए वह भागदौड़ कर रहे थे कि जयपुर से कुछ ही पहले उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई और मूलचंद शाह समेत पांच लोगों की मौत हो गई। इसके पहले वह महालक्ष्मी मंदिर, मां सरस्वती और नारोडा भैरव का मंदिर बनवा चुके थे। गरिया में जिस बांध को बनाने का सपना मूलचंद ने देखा था उसे बाद में परिवार के लोगों ने पूरा किया। आज प्रशासन ने इस बांध का नाम मूल सागर बांध रखकर उनका सम्मान किया है। मूलचंद शाह आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं लेकिन गांव के विकास में शाह परिवार जुटा हुआ है।

जब तक मूलचंद थे तब तक पांच में से चार भाइयों ने कारोबार करना शुरु कर दिया था लेकिन माणिक शाह अभी पढ़ाई में ही व्यस्त थे। माणिक शाह का वैज्ञानिक बनने का सपना था लेकिन पिता की मौत के बाद हालात बदल गए। मां चंपाबाई ने माणिक शाह को कारोबार में ध्यान लगाने को कहा। माणिक शाह ने मां की बात को मानकर व्यापार में एंट्री ली। वैसे तो माणिक शाह ने 1976 से ही कारोबार में हाथ बंटाना शुरु कर दिया था लेकिन पिता के जाने के बाद वह गंभीर हो गए। 1984 में माणिक शाह और ऊषा जी शादी के बंधन में बंध गए।

पहले सभी भाइयों ने एक साथ व्यापार किया लेकिन थोड़े दिन बाद सभी ने अपना-अपना व्यापार शुरु किया। माणिक शाह ने माणिक शाह ग्रुप के जरिए अपने कारोबार को विस्तृत कर दिया है। मैस्कॉट इंटरनेशनल के जरिए वह डिस्ट्रीब्यूशन और FMCG का कारोबार कर रहे हैं।

> "मूलचंद शाह जी की जीवन यात्रा को बहुत ही संघर्ष पूर्ण और उत्प्रेरक बताते हुए राज्यपाल महोदय ने उनके जीवन से लेकर बिजनेसमैन एवं सम्मानित व्यक्ति बनने की यात्रा को कठिन परिश्रम, ईमानदारी और दूरदर्शिता का प्रमाण बताया। मूलचंद शाह जी के 'फर्श से अर्श' और 'जमीं से आसमां तक' के सफर को देखा और आंका जाए तो यही कहा जाएगा कि मूलचंद शाह जी अपने मानवीय मूल्यों, संवेदनाओं, सामाजिक सरोकारों और सामाजिक योगदानों की वजह से आज भी हमारे बीच जीवंत हैं।"

कारोबार में नई पहल

माणिक शाह ग्रुप लगातार खुद को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। भारत में लोगों की स्पेडिग पावर यानी खर्च करने की क्षमता लगातार बढ़ रही है। नई कंपनियां इस मार्केट को टेस्ट करना चाहती हैं। इस स्पेंडिंग पावर को ग्रुप भी भुनाना चाहता है। विदेशी कंपनियां भारत आना चाहती हैं या फिर वह भारत में अपना कारोबार शुरु करना चाहती हैं तो वहां पर माणिक शाह ग्रुप उनकी मदद करेगा। माणिकशाह ग्रुप माल एक्सपोर्ट करेगा। इसके साथ ही इन विदेशी कंपनियों को एक रोडमैप दिया जाएगा कि किस तरह भारतीय बाजार में जगह बनाई जा सकती है। विदेशी कंपनियों के लिए सेकेंडरी सपोर्ट देने का काम किया जाएगा। दूसरी तरफ, कंपनी का अपना ब्रांड डुवोन अभी शुरुआती स्टेज पर है। 3 साल पहले ही इसे लॉन्च किया गया था। माणिक शाह ग्रुप इस ब्रांड की रीच को बढ़ाने पर काम करना चाहेगा। डुवोन अभी 4 से 14 साल के बच्चों के लिए कपड़े बनाता है। अभी ये ब्रांड देश के 70 हजार स्टोर में पहुंचता है लेकिन इसकी रीच बढ़ाने पर फोकस किया जा रहा है। मैस्कॉट इंडिया का जो टर्नओवर 2023 में 100 करोड था उसे 2025 तक 300 करोड़ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

माणिक शाह ग्रुप

जब माणिक शाह ग्रुप की बात आती है तो समूह के पास मैस्कॉट इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड है जिसका मुख्यालय मुंबई में है। दूसरी कंपनी माणिक इंटरनेशनल PITE है जिसका हेडक्वार्टर सिंगापुर में है। तीसरी कंपनी, मार्सेल ग्लोबल जनरल ट्रेडिंग FZE है जिसका मेन ऑफिस दुबई में है। इस तरह माणिक शाह ग्रुप दुबई, सिंगापुर और यूनाइटेड किंगडम में ग्राहको को अपनी सेवा दे रहा है। 2022 में ग्रुप का टर्नओवर एक हजार करोड़ से ज्यादा का रहा। लगातार ग्रुप कारोबार जगत में नई उंचाइयों को छू रहा है। सीधे तौर पर ग्रुप 8 देशों में ज्यादा एक्टिव है। इन देशों के कारोबार की डोर सीधे माणिक शाह के हाथों में है। वह आए दिन इन देशों के लिए जाते रहते हैं। वैसे अप्रत्यक्ष तौर पर देखें तो कंपनी 80 देशों में अपनी सेवा दे रही है। वहीं, टीम की बात करें तो सिंगापुर मेन ऑफिस में ग्रुप के पास 12 कर्मचारी हैं। भारत स्थित

ऑफिस में 20 और दुबई में 8 लोग हैं जो इससे जुड़े हुए हैं। पूरे माणिक शाह ग्रुप की बात करें तो इसमें 400 से ज्यादा लोग शामिल हैं। ग्रुप फिलहाल एक्सपोर्ट-इंपोर्ट, डिस्ट्रिब्यूशन और ब्रांड बिल्डिंग के क्षेत्र में काम कर रहा है। ग्रुप यूनिलीवर एशिया प्राइवेट लिमिटेड का आधिकारिक डिस्ट्रिब्यूटर है। यूनिलीवर के अलावा ग्रुप भारत में भी कई ब्रांड्स के डिस्ट्रिब्यूशन का काम देखता है। ग्रुप पैन इंडिया डिस्ट्रिब्यूशन करता है। पैन इंडिया डिस्ट्रिब्यूशन का कारोबार मैस्कॉट इंटरनेशनल ब्रांड के तहत किया जाता है। डिस्ट्रिब्यूशन के अलावा पैन इंडिया मार्केटिंग भी की जाती है। ग्रुप ने खुद का एक ब्रांड भी बनाया है। डुवोन नाम से बच्चों के लिए कपड़े बनाए जाते हैं। ये ब्रांड ग्रुप डिज्नी के साथ मिलकर ला रहा है। ग्रुप पैन इंडिया डिस्ट्रिब्यूशन हिंदुस्तान यूनिलीवर के अलावा कई कंपनियों के लिए कर रहा है। जैसे कि मैनचेस्टर क्लब, कलोन, इक्वल और डाबर के हॉबी के लिए डिस्ट्रिब्यूशन काम किया जा रहा है। पोलो के परफ्यूम का डिविजन भी है।

भविष्य की योजनाएं

माणिक शाह ग्रुप की बात की जाए तो ये लगातार ग्रोथ के रास्ते पर बना हुआ है। माणिक शाह ग्रुप के अंतरराष्ट्रीय डिस्ट्रिब्यूशन के कारोबार को अगले दो साल में 200 मिलियन यूरो से 300 मिलियन यूरो लेकर जाना चाहते हैं। पैन इंडिया डिस्ट्रिब्यूशन की विसंगतियों को दूर करके इसका वैल्युएशन 200 करोड़ के पार करने का लक्ष्य रखा गया है। डिस्ट्रिब्यूशन और दूसरे कामों के साथ ही अब ग्रुप रिटेल आउटलेट भी खोलना चाहता है। अब ग्रुप बिजनेस टू कंज्यूमर सेगमेंट में उतरने की तैयारी कर रहा है। माणिक शाह ने शुरुआत में 20 स्टोर खोलने का लक्ष्य रखा हुआ है। बाद में इस संख्या को 200 स्टोर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। ग्रुप पैन इंडिया के साथ ही मॉडर्न ट्रेड, ई-कॉमर्स क्षेत्र में खुद को मजबूती से दाखिल करना चाहते हैं। माणिक शाह देश को विदेशी मुद्रा कमाकर देना चाहते हैं। वह अपने कारोबार के जरिए राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी को और भी मजबूत कर रहे हैं।

प्रस्तुति - उदयराज यादव

ADVT.

गणतंत्र के 76 साल

राष्ट्र आज 26 जनवरी, 2025 को अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है जो अपने देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए लड़ने वाले असंख्य लोगों के लक्ष्यों, सिद्धांतों और बलिदानों की एक मार्मिक याद दिलाता है। इस लंबे समय में हमने जो कुछ पाया और खोया है, उसके बारे में परस्पर विरोधी भावनाएं हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, एक गणतंत्र की स्थापना हुई। इस स्वतंत्रता और गणतंत्र को बचाए रखने की क्षमता सबसे बड़ी उपलब्धि है। पिछले 25 वर्षों से हम लगातार सीमापार छद्म संघर्षों तथा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के बावजूद अपने देश की विविधता और एकता को बनाए रखने में सफल रहे हैं। भारत को मुख्यतः तीन प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। भारतीय समाज की विविधता को ध्यान में रखते हुए भारत को एकजुट करने का रास्ता खोजना पहली और सबसे बड़ी चुनौती थी। आकार और विविधता की दृष्टि से भारत किसी भी महाद्वीप के बराबर था। विविध संस्कृतियों और धर्मों के अलावा, कुछ लोग अलग-अलग बोलियाँ भी बोलते हैं। उस समय लोगों का मानना था कि इतनी विविधता वाला देश लंबे समय तक एकजुट नहीं रह सकता। एक तरह से देश के विभाजन को लेकर लोगों की आशंकाएं सच हो गईं। क्या भारत अपनी एकता बनाये रख पायेगा? क्या यह अन्य लक्ष्यों की अपेक्षा राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देगा? क्या ऐसी क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय पहचान को अस्वीकार कर दिया जाएगा? उस समय का सबसे ज्वलंत और पीड़ादायक प्रश्न यह था कि भारत की क्षेत्रीय अखंडता को कैसे बनाए रखा जाए। इससे देश के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गईं। लोकतंत्र को अक्षुण्ण बनाए रखना दूसरी चुनौती थी। भारतीय संविधान के बारे में सभी जानते हैं। जैसा कि आप जानते हैं, संविधान के तहत प्रत्येक नागरिक को वोट देने का अधिकार और मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। भारत ने प्रतिनिधि लोकतंत्र के अंतर्गत संसदीय शासन को अपनाया। इन गुणों से यह सुनिश्चित हो गया कि राजनीतिक चुनाव लोकतांत्रिक वातावरण में होंगे। यद्यपि लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए लोकतांत्रिक संविधान आवश्यक है, परंतु यह अपर्याप्त है। संविधान के अनुसार लोकतांत्रिक व्यवहार लागू करना एक और चुनौती थी। तीसरी कठिनाई विकास की थी। गणतंत्र दिवस पर हम आत्मचिंतन करते हैं और सोचते हैं कि हमने क्या खोया और क्या पाया। गणतंत्र दिवस पर हम अपनी उपलब्धियों और असफलताओं का आकलन करते हैं। इसके अलावा, हम भविष्य में आने वाली चुनौतियों और लक्ष्यों पर भी विचार करते हैं। अब समय आ गया है कि हम रुककर सोचें कि वर्षों की इस यात्रा में हमने क्या खोया और क्या पाया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारत ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है। भारत ने साहित्य, खेल, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत ने अपनी विविध संस्कृति को संरक्षित करते हुए उसे गहरा अर्थ दिया है। भारत विकास में आगे बढ़ गया है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य, खेल और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में राष्ट्र ने अपनी पहचान स्थापित की है। इस विकास यात्रा में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। वर्तमान में भारत को एक मजबूत देश माना जाता है। आज विश्व की नजर भारत पर है। देश ने अपने आंतरिक मुद्दों और कठिनाइयों के बावजूद पिछले वर्षों में कुछ ऐसा हासिल किया है जो विश्व को आकर्षक लगता है। ऐसी कुछ बातें हैं जिन पर राष्ट्र को गर्व हो सकता है, और ऐसी कुछ बातें भी हैं जिन पर खेद व्यक्त किया जा सकता है। यदि किसी लोकतांत्रिक देश में सामाजिक-आर्थिक असमानता बनी रहती है, तो यह राजनीतिक समानता को भी निगल जाती है, भले ही औपचारिक और कानूनी राजनीतिक समानता बरकरार रहे। आज का भारत काफी हद तक इसकी पुष्टि करता है। आज हमारा संविधान विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त है। भ्रष्टाचार, बलात्कार, प्रदूषण, जनसंख्या नियंत्रण जैसी अनेक समस्याओं ने भारत माता को रक्तरंजित कर दिया है। आज भी हमारा गणतंत्र कुछ कंटीली झाड़ियों में फंसा हुआ नजर आता है। युवाओं में असंतोष और क्रोध बढ़ रहा है। उन्हें गलत दिशा में चलने के लिए मजबूर किया जाता है। चुनाव संबंधी भ्रष्टाचार और बल के दुरुपयोग ने इसे विकृत कर दिया है। येन-केन युग के सत्ता संघर्ष ने राजनीति को अवैध बना दिया है। सामाजिक बुराइयों से निपटने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। कुछ स्थानों पर यह चिंताजनक रूप से उभर कर सामने आया है। दलितों के विरुद्ध अत्याचार बढ़ गए हैं, साथ ही जातिगत भेदभाव भी बढ़ गया है। उनकी महिलाओं पर हमले और बलात्कार की घटनाएं बढ़ गयी हैं। प्रांतीयता और जातीयता का जहर अभी भी वातावरण में मौजूद है। लोग खुद को भारतीय कहने के बजाय बंगाली, बिहारी, गुजराती, पंजाबी, तमिल, कन्नड़ आदि के रूप में पहचानते हैं। इसके अलावा वे अलग-अलग जातियों में विभाजित भी दिखाई देते हैं। जातीय सेनाओं की हिंसा चिंताजनक है। कर्ज, भुखमरी, भारी बारिश, बाढ़ और अन्य कारण किसानों को आत्महत्या के लिए प्रेरित कर रहे हैं। विस्थापित लोगों के पास पर्याप्त आवास और रोजगार नहीं है। नक्सलवाद का इतिहास इसका प्रमाण है। आजकल महिलाएं और लड़कियां पहले से कहीं अधिक असुरक्षित हैं तथा बलात्कार की घटनाएं लगातार हो रही हैं। हमारे नेताओं द्वारा की गई खेदजनक टिप्पणियों से हमारा मनोबल और भी गिर गया है। हमारे संविधान के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल सिद्धांत का अभी भी उल्लंघन किया जा रहा है। यह एक चेतावनी संकेत है. हमें पीछे धकेलना चाहिए. इस महत्वपूर्ण अवसर को अब एक परियोजना का रूप देने की आवश्यकता है, क्योंकि हमने इसे अभी केवल संगठनात्मक रूप दिया है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

बुला रही हैं त्रिवेणी,संगम तट के घाट
ब्रह्मा विष्णु महेश की, जहां बढ़ी है ठाट
जहां बढ़ी है ठाट, सनातन फिर मुसकाया
यार एक सौ चौवालिस वर्षों पर आया
कह सुरेश पावनता झूले झुला रही है
चलो हिंदुओं, गंगा मइया बुला रही हैं

गणतंत्र दिवस : देश की एकता का जश्न

> इस दिन का महत्व सिर्फ हमारे देश के संविधान के लागू होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों की भी याद दिलाता है, जिन्होंने अपने संघर्षों और बलिदानों के जरिए हमें अंग्रेजी से आजादी दिलाई थी। भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्तित्वों ने हमें अपने देश सेवा में पूरी निष्ठा, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठ होने का पाठ सिखाया। सच तो यह है कि यह देश के संविधान और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और एकता जैसे इसके मूल्यों का जश्न मनाने का दिन है।

छब्बीस जनवरी हमारे देश का राष्ट्रीय पर्व है। 26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था। हम सभी के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि इसी दिन भारत ने खुद को एक स्वतंत्र गणराज्य के रूप में स्थापित किया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह दिन हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है, और हमें एक नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करता है। गौरतलब है कि इस दिन का महत्व सिर्फ हमारे देश के संविधान के लागू होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों की भी याद दिलाता है, जिन्होंने अपने संघर्षों और बलिदानों के जरिए हमें अंग्रेजी से आजादी दिलाई थी। भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्तित्वों ने हमें अपने देश सेवा में पूरी निष्ठा, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठ होने का पाठ सिखाया। छब्बीस जनवरी के दिन हम सब देशवासी उन दूरदर्शी जन-नायकों, विद्वानों का कृतज्ञता-पूर्वक स्मरण करते हैं, जिन्होंने हमारे भव्य और प्रेरक संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि गणतंत्र दिवस, हमारे आधारभूत मूल्यों और सिद्धांतों को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। वास्तव में, छब्बीस जनवरी वह महत्वपूर्ण दिन है जो भारत के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार और लिखित संविधान के साथ एक गणतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक है। सच तो यह है कि यह देश के संविधान और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और एकता जैसे इसके मूल्यों का जश्न मनाने का दिन है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे युवाओं के आत्मविश्वास के बल पर ही भावी भारत का निर्माण हो रहा है। आज भारत पचपन करोड़ से अधिक युवाओं के साथ विश्व का सबसे युवा देश है। अतः विशेषकर युवाओं को ध्वज के बारे में कुछ विशेष तथ्य जानने की जरूरत

है। हर साल 26 जनवरी(गणतंत्र दिवस) को झंडा फहराया(फ्लैग अनफलिंग) जाता है और 15 अगस्त को ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) किया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग यह बात जानते होंगे कि ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) और झंडा फहराने(फ्लैग अनफलिंग) में अंतर होता है। तो आइए , हम यहां यह जानते हैं दोनों में क्या अंतर है ? पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) का कार्यक्रम 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन होता है। जानकारी के अनुसार, 1947 में इस दिन ही भारत में ब्रिटिश राज का झंडा नीचे उतार कर हमारे राष्ट्रीय ध्वज को ऊपर चढ़ाया गया था। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ध्वज को जब स्तंभ पर नीचे से ऊपर की तरफ चढ़ाया जाता है तो यह ध्वजारोहण कहलाता है। ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्रगान भी बजाया जाता है। वास्तव में, ध्वजारोहण किसी नए राष्ट्र के उदय का प्रतीक माना जाता है। इसे भारत के उदय और ब्रिटिश शासन के अंत के तौर पर भी चिह्नित किया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि लाल किले पर होने वाले कार्यक्रम यानी स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ध्वजारोहण करते हैं। अब यहां प्रश्न यह उठता है कि 15 अगस्त के दिन आखिर प्रधानमंत्री ही लाल किले पर ध्वजारोहण क्यों करते हैं? तो इसका सीधा सा उत्तर यह है कि राष्ट्रपति, भारत सरकार का संवैधानिक प्रमुख होता है। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस पर भी उन्हें ही ध्वजारोहण करना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं होता। दरअसल, जब देश 1947 में आजाद हुआ था, तब भारत का कोई आधिकारिक राष्ट्रपति नहीं था। उस वक्त लॉर्ड माउंटबेटन भारत के गर्वनर थे और जवाहरलाल नेहरू को भारत का प्रधानमंत्री चुना गया था। चूंकि, माउंटबेटन ब्रिटिश सरकार के अफसर थे, इसलिए स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने का काम प्रधानमंत्री ने किया। तब से भारत के प्रधानमंत्री ही 15 अगस्त को लाल किले पर ध्वजारोहण कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर झंडा फहराना, मुड़े हुए या लपेटे हुए झंडे को खोलने या अनावरण करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। यह आमतौर पर झंडे को रस्सी से बांधकर और फिर रस्सी को खींचकर झंडा फहराने के द्वारा किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो गणतंत्र दिवस(26 जनवरी) के दिन झंडा पहले से ही खंभे पर ऊपर की ओर बंधा रहता है, और इसकी रस्सी खींच कर इसे फहराना होता है. इसी प्रक्रिया को झंडा फहराना कहा जाता हैं। इसके साथ फूलों की पंखुड़ियां भी लगी होती हैं, जिसके कारण तिरंगा फहराने पर पुष्प वर्षा होती है। यहां यह उल्लेखनीय है कि चूंकि हमारे देश का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था और राष्ट्रपति को देश का संवैधानिक प्रमुख कहा जाता है। ऐसे में हर साल देश के राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख के हाथों ही कर्तव्य पथ(पुराना नाम राजपथ) पर झंडा फहराया जाता है। उल्लेखनीय है कि 26 जनवरी को झंडा कार्यक्रम के दौरान परेड की शुरुआत से पहले राष्ट्रीय ध्वज को फहराया जाता है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि हम सभी को भारतीय ध्वज संहिता और इससे जुड़े नये नियमों के बारे में जानकारी होनी चाहिए, क्योंकि हमारा झंडा राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और यह गरिमापूर्ण राष्ट्रीय प्रतीकों में से एक है। पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय ध्वज संहिता 26 जनवरी, 2002 को लागू हुई और 30 दिसंबर, 2021 को इसमें कुछ संशोधन किए गए। गौरतलब है कि इससे पहले तक तिरंगा फहराने के नियम 'एम्बलेम्स एंड नेम्स (प्रिवेन्शन ऑफ इम्प्रॉपर यूज) एक्ट, 1950' और 'प्रिवेन्शन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट, 1971 ' के तहत आते थे। नए कोड में राष्ट्रीय ध्वज को घर के खुले क्षेत्रों में फहराना शामिल है, जहाँ दिन और रात दोनों समय फहराया जा सकता है। भारतीय झंडा संहिता, 2002 में निहित मुख्य दिशा-निर्देशों के अनुसार 'भारत का राष्ट्रीय ध्वज, भारत के लोगो की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और सबके मन में राष्ट्रीय ध्वज के लिए प्रेम, आदर और निष्ठा है। यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण/प्रयोग/संप्रदर्शन राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा नियंत्रित है।

-सुनील कुमार महला

विकसित भारत के लिए कृषि महत्वपूर्ण

1965 की एमएसपी व्यवस्था जिसने मूल्य स्थिरता की गारंटी दी थी, से लेकर आज बाज़ार एकीकरण, स्थिरता और कल्याण की जटिल समस्याओं से निपटने तक भारत के कृषि सुधारों में नाटकीय रूप से बदलाव आया है। एमएसपी में बदलाव और पीएम-किसान जैसे कार्यक्रमों के बारे में हाल की चर्चाएँ कल्याण और अर्थशास्त्र के बीच संतुलन बनाने के प्रयासों को दर्शाती हैं। फिर भी, विकसित भारत 2047 को प्राप्त करने के लिए टिकाऊ कृषि को आगे बढ़ाना आवश्यक है। चावल और गेहूँ के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन प्रदान करके, खाद्यान्न की कमी को कम करने के लिए एमएसपी प्रणाली लागू की गई थी। उदाहरण के लिए, 1966 में मैक्सिकन गेहूँ की किस्मों का आयात करके, भारत ने हरित क्रांति की शुरुआत की जो चावल और गेहूँ के लिए गारंटीकृत एमएसपी पर निर्भर थी। राजनीतिक दबावों के कारण अंततः अधिक फसलों को कवर करने के लिए एमएसपी का विस्तार किया गया जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्रीय असंतुलन हुआ। एमएसपी और मुफ्त बिजली ने पंजाब और हरियाणा को चावल पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया है जिससे पर्यावरण को नुक़सान पहुँचा है और भूजल कम हो गया है। विशेष रूप से चावल और गेहूँ के लिए प्रणाली खुली खरीद में बदल गई जिसके कारण अक्षमताएँ और अधिशेष सूची बन गई। भारतीय खाद्य निगम के पास चावल का बफर भंडार आवश्यकताओं से लगभग तीन गुना अधिक है जिससे बर्बादी और भंडारण की समस्याएँ पैदा होती हैं। बिजली, उर्वरक और सिंचाई सब्सिडी की शुरूआत ने किसानों की लागत कम की, लेकिन पर्यावरण को नुक़सान पहुँचाया और मिट्टी को खराब किया। पंजाब में ट्यूबवेल के लिए मुफ़्त बिजली देने से भूजल स्तर में ख़तरनाक गिरावट आई है। प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण और डिजिटल लाभार्थी रिकॉर्ड हाल के सुधारों के दो उदाहरण हैं जो दक्षता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण पर ज़ोर देते हैं। पीएम किसान सम्मान निधि बिचौलियों को ख़त्म करती है और किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता देकर लक्षित लाभ वितरण सुनिश्चित करती है। मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और भूजल की कमी को कम करने के लिए, किसानों को गेहूँ और

चावल जैसी पानी की अधिक खपत वाली फसलों से दलहन, तिलहन और बाजरा उगाने के लिए प्रोत्साहित करें। ओडिशा बाजरा मिशन बाजरा के उत्पादन को प्रोत्साहित करता है जो पानी की अधिक खपत वाली धान की खेती के उपयोग को कम करते हुए मिट्टी की गुणवत्ता और आय में सुधार करता है। किसानों को उचित मूल्य मिले और विशेष फसलों के अधिक उत्पादन को हतोत्साहित करने के लिए एमएसपी के स्थान पर मूल्य कमी भुगतान योजनाओं का उपयोग किया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश में, किसानों को भावांतर भुगतान योजना के माध्यम से बाज़ार मूल्य घाटे के लिए मुआवजा मिलता है, जो बाज़ार की गतिशीलता को बदले बिना आय स्थिरता बनाए रखता है। ड्रिप सिंचाई और जैविक खेती जैसी पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, उर्वरक और बिजली सब्सिडी को तर्कसंगत बनाना। पीएम-कुसुम कार्यक्रम सौर ऊर्जा से चलने वाले सिंचाई पंपों को प्रोत्साहित करता है, जो सरकारी सब्सिडी वाली बिजली और भूजल निष्कर्षण पर निर्भरता को कम करता है। किसानों को फ़सल चयन, मृदा स्वास्थ्य और जल उपयोग के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान करें ताकि संसाधनों को संधारणीय तरीके से अधिकतम किया जा सके। तमिलनाडु में कीटनाशकों को छिड़कने के लिए ड्रोन का उपयोग करने से प्रभावशीलता और पर्यावरण सुरक्षा की गारंटी के साथ-साथ बर्बादी कम होती है। कटाई के बाद होने वाले नुक़सान को कम करने और जल्दी खराब होने वाले सामानों के लिए समान मूल्य निर्धारण की गारंटी के लिए प्रभावी कोल्ड स्टोरेज सुविधाएँ और मूल्य श्रृंखलाएँ बनाएँ। मज़बूत आपूर्ति और भंडारण नेटवर्क स्थापित करके, ऑपरेशन ग्रीन्स आलू, टमाटर और प्याज की कीमतों को स्थिर करना चाहता है। समान वितरण सुनिश्चित करने और संसाधनों की बर्बादी को कम करने के लिए, किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण को इनपुट सब्सिडी की जगह लेनी चाहिए। उर्वरक वितरण में डीबीटी डायवर्जन को रोककर यह गारंटी देता है कि सब्सिडी योग्य किसानों को प्रभावी ढंग से वितरित की जाती है। उत्पादकता बढ़ाने वाले तरीकों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए छोटे किसानों और बटाईदारों को खुली, विनियमित भूमि पट्टे पर देने की अनुमति देना है। आंध्र प्रदेश की भूमि पट्टा नीति किरायेदार किसानों को सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे उन्हें लाभ और संस्थागत ऋण तक पहुँच आसान हो जाती है। बाज़ार की पहुँच बढ़ाने और बर्बादी को कम करने के लिए भंडारण सुविधाओं, सिंचाई प्रणालियों और ग्रामीण सड़कों पर सार्वजनिक ख़र्च को बढ़ावा दें। शुष्क क्षेत्रों में, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ने सिंचाई कवरेज और जल उपयोग दक्षता में सुधार किया है। जलवायु परिवर्तन से निपटने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए, कृषि वानिकी और सूखा प्रतिरोधी किस्मों के विकास का समर्थन करें। किसानों को पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करके, पंजाब की कृषि वानिकी नीति जैव विविधता को बढ़ाती है और कार्बन फुटप्रिंट को कम करती है। टिकाऊ खेती के तरीके बनाने और विस्तार सेवाओं के माध्यम से सूचना साझा करने की गारंटी देने के लिए कृषि-आरएंडडी ख़र्च को बढ़ावा दें। क्योंकि यह ख़र्च कम करता है और मिट्टी के स्वास्थ्य को बढ़ाता है, इसलिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा शून्य-जुताई खेती को प्रोत्साहित किया जाता है। विकसित भारत 2047 को प्राप्त करने के लिए, कृषि सुधारों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण आवश्यक है जो कल्याणकारी उपायों को बाजार-संचालित तंत्रों के साथ जोड़ता है। भारत एक ऐसे कृषि क्षेत्र की गारंटी दे सकता है जो समावेशी, लचीला और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ हो, किसानों को सशक्त बनाए और देश के भविष्य की रक्षा करे, इसके लिए प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान अपनाए जाएं।

-प्रियंका सौरभ

भारत एक समृद्ध राष्ट्र

देश और राष्ट्र शब्द को हम प्रायः एक ही शब्द के पर्यायवाची के रूप में उपयोग करते है और दोनों को एक ही मानते है लेकिन दोनों के मायने अलग अलग है। हम भारतीयों के साथ समस्या यह हो गयी है कि हमारे सारे शब्द, सारी चर्चाएं पश्चिमी चश्मे से गढ़ी और मानक बनायी गयी हैं। इसी वजह से शब्दों का घालमेल कई बार भ्रम पैदा करता है। राष्ट्र और देश में मिलावट का भी यही कारण है। हमें यह समझना होगा कि देश एक भौगोलिक इकाई है और राष्ट्र एक सांस्कृतिक इकाई है। देश शब्द के मूल में 'दिश' धातु है, उसी से देशांतर और देश बने हैं। यह भौगोलिक सीमाओं से आबद्ध है, यानी कहें तो देश शब्द संकुचित है, राष्ट्र शब्द व्यापक। राष्ट्र विभिन्न साधनों से संयुक्त और समृद्ध सांस्कृतिक पहचान वाला 'देश' है। यह एक जीवंत और सार्वभौमिक इकाई है, विविधताओं से युक्त अद्भुत शक्ति से सम्पन्न भूखंड या कहें जीवन-दर्शन का द्योतक है। देश सीधे तौर पर रेखाओं में बांधता है। इसीलिए, हम जब 'भारत' को एक राष्ट्र के तौर पर संबोधित करते हैं, तो उसकी व्यंजना बिल्कुल अलग होती है और जब हम भारत को 'देश' के तौर पर अंगीकार करते हैं तो उसकी व्यंजना बिल्कुल अलग होती है। राष्ट्र शब्द को अगर बहुत मोटे शब्दों में समझे तो कह सकते है एक निश्चित भौगोलिक सीमा के भीतर रहने वाले एक जन-समूह को ही तो हम राष्ट्र कहते हैं जिनकी एक पहचान होती है और वह समूह आम तौर पर धर्म, इतिहास, नैतिक आचारों या विचारों, मूल्यों आदि में एक समान दृढ़ता रखता है। इसे और भी साफ करना चाहें तो राष्ट्र लोगों का वैसा स्थायी समुच्चय या समूह है जिनके बीच सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक-धार्मिक संबंध न केवल होते हैं, बल्कि वे उनको एकजुट भी करते हैं। राष्ट्र के तौर पर हमारी भावना एक हो, हम एक राष्ट्रवादी विचारधारा से पनपें, इसके लिए महज दो-तीन शर्तें हैं। हमें एक ऐतिहासिक समुदाय के रूप में राष्ट्रीय चेतना को जगाना होता है, राजनीतिक और आर्थिक संप्रभुता प्राप्त करना होती है, अपनी साझा संस्कृति का विकास करना होता है और नकार की जगह सकार को अपनाना, सकारात्मक भावनाओं का विकास करना होता है। जिस तरह बिना अदहन के भात नहीं बन सकता, उसी तरह राष्ट्रवादी विचारधारा के सम्यक विकास के बिना अंतरराष्ट्रीयतावाद भी नहीं आ सकता है। ब्रिटिश साम्राज्यवाद से संघर्ष में भी भारतीय राष्ट्रीयता का यही विकास हम देखते हैं, जो भाषा, धर्म और क्षेत्र के बंधनों से निकलकर एक मंच पर आ खड़ी हुई। ब्रिटिश साम्राज्यवाद द्वारा दिया गया शब्द 'नेशन-स्टेट' दरअसल, कानून के डर में निहित शक्ति का नाम है जबकि राष्ट्र का मूल आधार लोगों की भावना है, यह लोगों की मानसिकता से बनता है, राष्ट्र भूखंड भी होता है, लेकिन यह भूखंड मात्र नहीं होता, राष्ट्र मतलब उसके नागरिक, उसके लोग होते हैं। शायद अंग्रेज इसीलिए कई बार 'नेशन यानी देश' के लिए 'पीपल यानी लोग' शब्द का भी इस्तेमाल कर जाते हैं। राष्ट्र के संबंध में यह सोचना लाजिमी है कि राष्ट्र किन लोगों का?

-संदीप सृजनचौधरी

आज का कार्टून

साभार

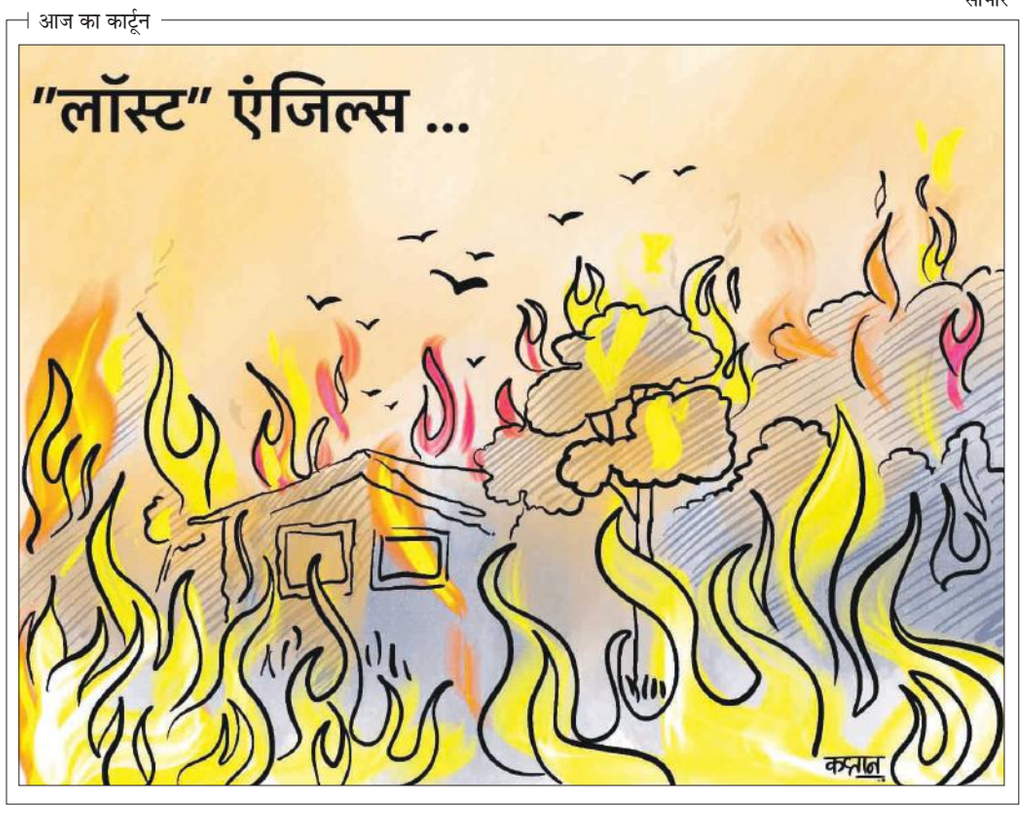

यूनुस के हाथों से फिसल रहा बंगलादेश

शेख हसीना को सत्ता से उखाड़ने के बाद बंगलादेश में जो हालात बन चुके हैं उससे वहां की जनता काफी त्रस्त है। युवा पीढ़ी हताश और मायूस है। पिछले साल लोकतंत्र की बहाली के लिए सड़कों पर उतरे छात्रों के सारे सपने अब धूमिल होते जा रहे हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता और मौजूदा अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस ने लोगों की उम्मीदों को खंड-खंड कर दिया है। चारों तरफ अराजकता का वातावरण है। हालात यह है कि मोहम्मद यूनुस की निष्पक्षता पर उन्हीं की पार्टी ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं जिसकी मदद से वे पिछले अगस्त में अंतरिम प्रधानमंत्री बने थे। बंगलादेश में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने कहा है कि अगर अंतरिम सरकार तटस्थ नहीं रह सकती तो चुनाव के समय दूसरी तटस्थ सरकार की जरूरत पड़ सकती है। अस्थिरता की शिकार बंगलादेश की अर्थव्यवस्था में गिरावट का दौर चल रहा है। राजस्व संग्रह हो नहीं रहा। महंगाई आसमान को छू रही है और देश की एक तिहाई श्रम शक्ति बेरोजगार हो चुकी है। बेरोजगारों में 87 प्रतिशत हिस्सा शिक्षित युवाओं का है। कुल मिलाकर बंगलादेश विफल राष्ट्र की तरफ बढ़ रहा है। बंगलादेश का समूचा घटनाक्रम इस बात का प्रमाण है कि अगस्त की कथित क्रांति के बाद स्थितियों को सम्भालना कोई आसान काम नहीं होता। दुनिया के कई देशों में निरंकुश शासन व्यवस्था के खिलाफ क्रांतियां होती रही हैं लेकिन क्रांतियों के बाद व्यवस्था को नए सिरे से उभारना आसान नहीं रहा। ऐसा लगता है कि पूरी की पूरी शासन व्यवस्था ही चौपट हो चुकी है। एक तरफ जिहादी तत्व अपना वर्चस्व कायम कर रहे हैं तो दूसरी तरफ समाज में उथल-पुथल मची हुई है। क्रांतियों के बाद राजनीतिक स्थिरता की जरूरत होती है। नीति निर्माताओं, नागरिक, समाज, व्यापारियों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों को एक साथ मिलकर आर्थिक और सामाजिक सुधारों के लिए काम करना होता है लेकिन मोहम्मद यूनुस सरकार शेख हसीना की पूर्ववर्ती सरकार को कोसने के अलावा कुछ नहीं कर रही। चुनौतियों का मुकाबला करने की बजाय बंगलादेश त्रिकोणीय दुष्चक्र में फंस गया है। विश्व बैंक ने भी बंगलादेश के आर्थिक वृद्धि के अपने पूर्वानुमान को घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया है। शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग के सांसदों और पदाधिकारियों के ऑफिस, कारखाने और घर लूटे और जलाए जा रहे हैं। आवामी लीग के नेतृत्व का एक तिहाई हिस्सा जेल में है। एक तिहाई देश के बाहर भूमिगत हैं और बाकी बंगलादेश में ही छिपे हुए हैं। आवामी लीग के नेताओं की जमानत याचिकाएं खारिज की जा रही हैं। पार्टी का नेतृत्व पूरी तरह से असहाय है। इसके बावजूद पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा है और पार्टी के पक्ष में अन्तर्राष्ट्रीय जनमत जुटाने के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। आवामी लीग के नेता शेख हसीना से सम्पर्क में हैं और देश में कानून का शासन लौटने की इंतजार में हैं। भूमिगत रहते हुए भी बंगलादेश के लगभग सभी जिलों के कार्यकर्ता आपसी सम्पर्क में हैं। भारत में निर्वासन के दौरान भी शेख हसीना व्हाट्सएप के जरिये पार्टी के नेताओं से नियमित तौर से जुड़ी हुई हैं। पार्टी के नेता देश में रहकर कानून का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इंपोर्ट टैरिफ फैसले ने वैश्विक व्यापार में हलचल मचा दी है। खासतौर पर बंगलादेश की गारमेंट इंडस्ट्री इस फैसले से गहरे संकट में है। बंगलादेश बड़ी मात्रा में अमेरिका को कपड़े की सप्लाई करता है। हालांकि, अब जब अमेरिका ने टैरिफ लगाने का फैसला लिया है वो बंगलादेश के लिए आर्थिक नजरिए से बड़ा झटका है। वहीं, इस संकट में भारत के लिए अवसर तलाशने की संभावना भी बनती है। ट्रम्प के ऐलान के अनुसार अमेरिका दूसरे देशों से आने वाले सामनों पर टैरिफ और टैक्स लगाएगा। बंगलादेश की गारमेंट इंडस्ट्री, जो अमेरिका को सबसे बड़ा बाजार मानती है, इस फैसले से सबसे अधिक प्रभावित होगी। 2022 में बंगलादेश ने अमेरिका को 11.7 बिलियन डॉलर का गारमेंट एक्सपोर्ट किया था। गारमेंट फैक्टरियों में इस फैसले के बाद से हलचल तेज हो गई है, क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था पर इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। बंगलादेश का व्यापारिक समूह इस बात को लेकर चिंतित है कि खरीदार पहले ही बंगलादेश से दूर जा चुके हैं।

महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए सहकारी क्षेत्र को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी: आठवले

WCEF और श्री बालाजी विश्वविद्यालय,पुणे द्वारा आयोजित ग्लोबल ईएसजी कॉन्क्लेव 2025

महानगर नेटवर्क

पुणे

वर्ल्ड कोऑपरेशन इकोनॉमिक फोरम और श्री बालाजी विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित ग्लोबल ईएसजी कॉन्क्लेव 2025 में मुख्य भाषण देते हुए श्री आठवले ने कहा, महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए सहकारी क्षेत्र को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। केंद्रीय मंत्री श्री रामदास आठवले ने आज भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सहकारी मॉडल को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। 500 सहकारी स्टार्टअप, 500 कैंपस सहकारी, सहकारी वस्त्रों का एक्सचेंज और सहकारी आर्थिक जोन स्थापित करने के लिए अपनी योजनाओं का प्रस्ताव किया।"हमारे स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक एक पूरी तरह से विकसित

राष्ट्र की परिकल्पना करते हुए, यह जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक समुदाय और प्रत्येक क्षेत्र अपनी पूरी क्षमता का एहसास करें। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सहकारी क्षेत्र को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी," श्री आठवले ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा। 500 सहकारी स्टार्टअपः ये स्टार्टअप्स विकासशील जिलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जहां स्थानीय संसाधनों, कौशलों और विचारों का इस्तेमाल करके क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान किया जाएगा और आर्थिक अवसर उत्पन्न किए जाएंगे। यह युवाओं को तकनीकी, डिजिटल सेवाओं, स्थिरता और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नवाचार करने के लिए प्लेटफार्म प्रदान करेगा, जिससे वे सहयोग, प्रयोग और उद्यम स्थापित कर सकेंगे। सहकारी वस्त्रों का एक्सचेंजः यह प्लेटफार्म किसानों और छोटे उत्पादकों को पारदर्शी व्यापार, उचित मूल्य निर्धारण और समान लाभ सुनिश्चित करेगा। यह एक ऐसा बाजार प्रदान करेगा जो उत्पादकों और खरीदारों के बीच अंतर को पाटेगा, जिससे ग्रामीण भारत की आर्थिक क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।ग्लोबल ईएसजी कॉन्क्लेव में सामाजिक और संपत्ति अर्थव्यवस्था को बनाने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई, जो सामाजिक और पर्यावरणीय कल्याण के साथ-साथ आर्थिक विकास को प्राथमिकता देता है। वर्ल्ड कोऑपरेशन इकोनॉमिक फोरम इस दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है और सहकारी नेतृत्व वाले दृष्टिकोणों को बढ़ावा दे रहा है, जो सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) में विशेष रूप से एसडीजी 10 के लिए योगदान करते हैं।

'विश्वनाथ स्पोर्ट मिट' जैसे मंचों से खिलाड़ी बनते हैं : दत्तात्रेय भरणे

महाराष्ट्र के खेल और युवा कल्याण मंत्री ने व्यक्त किए यह विचार

पुणे। भारत युवाओं का देश है, और इन्हीं युवाओं की ताकत से हम विकसित भारत का सपना देख रहे हैं। इस सपने को साकार करने में खेल और खिलाड़ियों की भूमिका अहम है। खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से फिट होने के साथ-साथ टीम भावना और खेलभावना से ओतप्रोत होते हैं। ऐसे गुणों का विकास मुख्य रूप से कॉलेज जीवन में होता है। इसी दौरान 'विश्वनाथ स्पोर्ट मिट' जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों को मंच मिलता है, जिससे वे निखरते हैं। यह विचार महाराष्ट्र के खेल और युवा कल्याण मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने व्यक्त किए। वे एमआईटी आर्ट, डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय,

विश्वराजबाग, पुणे द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय 'विश्वनाथ स्पोर्ट मिट (VSM-2025)' के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर माईर्स एमआईटी शिक्षा समूह के संस्थापक विश्वधर्मी प्रा. डॉ. विश्वनाथ दा. कराड, राजीव गांधी खेलरत्न और अर्जुन पुरस्कार विजेता निशानेबाज अंजली भागवत और अर्जुन पुरस्कार विजेता पैरा एथलीट सचिन खिलारे (रजत पदक विजेता, पेरिस पैरालंपिक 2024), एमआईटी एडीटी विश्वविद्यालय के कार्याध्यक्ष प्रा. डॉ. मंगेश तु. कराड, कुलगुरु प्रा. डॉ. राजेश एस., कार्यकारी संचालक डॉ. सुनीता कराड, उप-कुलगुरु डॉ. रामचंद्र पुजेरी, डॉ. मोहित दुबे, कुलसचिव डॉ. महेश चोपड़े, खेल विभाग के संचालक और शिवछत्रपती पुरस्कार विजेता प्रा. पद्माकर फड, और छात्र कल्याण विभाग के संचालक डॉ. सुराज भोयर उपस्थित थे।

तेज रफ्तार डंपर पलटा

दो छात्राओं की मौत

पुणे। हिंजवड़ी में एक तेज रफ्तार रेडीमिक्स डंपर के अचानक पलटने से दो इंजीनियरिंग छात्राओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब डंपर मोड़ ले रहा था और उसने पास से गुजर रही एक दोपहिया वाहन को चपेट में ले लिया। मृत छात्राओं की पहचान प्रांजली महेश यादव (22 वर्ष, निवासी- गोदरेज प्रॉपर्टीज, म्हाळुंगे, तालुका- मुळशी, मूल निवासी- टेंभूर्णी, जिला- सोलापुर) और आश्लेषा नरेंद्र गावंडे (22 वर्ष, निवासी- गोदरेज प्रॉपर्टीज, म्हाळुंगे, तालुका- मुळशी, मूल निवासी- शेगांव, रहाटगांव रोड, अमरावती) के रूप में हुई है। यह दुर्घटना शुक्रवार शाम करीब 5 बजे हिंजवड़ी-माण रोड पर वडजाईनगर कॉर्नर के पास हुई। हादसे के दौरान एक अन्य युवक भी अपनी दोपहिया वाहन पर वहां से गुजर रहा था।

महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों पर महिला आयोग तुरंत संज्ञान लेता है: रुपाली

महानगर नेटवर्क

पुणे

राज्य के उपमुख्यमंत्री और पुणे जिले के पालक मंत्री अजित पवार पुणे दौरे पर आए थे। इस दौरान महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रुपाली चाकणकर ने उनसे मुलाकात की और राज्य में घट रही विभिन्न घटनाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी। कहा, महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों पर महिला आयोग तुरंत संज्ञान लेता है। पिछले कुछ महीनों में राज्य में महिलाओं के खिलाफ अन्याय और अत्याचार की घटनाओं में वृद्धि हुई है। इसे रोकने में महिला आयोग की असफलता को लेकर विपक्ष महिला आयोग को भंग करने की मांग कर रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रुपाली चाकणकर ने कहा कि राज्य में महिलाओं पर

होने वाले अत्याचारों पर महिला आयोग तुरंत संज्ञान लेता है और उचित कार्रवाई करता है, यह राज्य की जनता को भली-भांति ज्ञात है। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में राज्य की जनता ने महायुति पर विश्वास जताया है और विपक्ष को घर बैठा दिया है। अब विपक्ष के पास केवल सरकार की आलोचना करने का एकमात्र मुद्दा बचा है। रुपाली चाकणकर ने शरद पवार गुट की महिला प्रदेश अध्यक्ष विद्या चव्हाण पर निशाना साधते हुए कहा कि वह महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों की बात करती हैं, जबकि खुद उनकी बहू के उत्पीड़न के बारे में पूरा राज्य जानता है।

ऐसे में विद्या चव्हाण को आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य की महायुति सरकार और महिला आयोग बेहतर काम कर रहे हैं, इसलिए विपक्ष को बार-बार महिला आयोग की याद आती रहती है, जो हमारी सफलता को दर्शाता है। कुरार इलाके में हुई हालिया यौन शोषण की घटना को लेकर विपक्ष सरकार पर आरोप लगा रहा है। इस पर रुपाली चाकणकर ने कहा कि इस घटना में आरोपी विपक्षी पार्टी के स्थानीय नेता हैं।

अभय योजना का लाभ लेने वालों में से आधे फिर बने बकायादार

- **दोबारा छूट न देने की मांग**

महानगर नेटवर्क

पुणे

चार साल पहले पुणे महापालिका द्वारा लागू की गई मिलकतकर अभय योजना का लाभ उठाने वाले संपत्ति धारकों में से आधे से अधिक फिर से बकायादार हो गए हैं।

इस स्थिति को देखते हुए अब यह मांग उठ रही है कि इन बकायादारों से तुरंत कर वसूला जाए और उन्हें दोबारा किसी भी प्रकार की छूट न दी जाए। गौरतलब है कि 2020-21 में पुणे महानगरपालिका ने करोड़ों रुपये की बकाया संपत्ति कर वसूली के लिए अभय योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत कुल 1,49,683 बकायादारों ने बकाया कर जमा किया था, जिससे महापालिका को

210 करोड़ रुपये का जुर्माना और ब्याज माफ करना पड़ा था। इसके अगले ही वर्ष, 2021-22 में पुनः अभय योजना लाई गई, जिसमें 66,454 बकायादारों ने भाग लिया और इस प्रक्रिया में महापालिका को 64 करोड़ रुपये की राजस्व हानि उठानी पड़ी। 2020-21 में कर माफी का लाभ लेने वाले 1,49,683 संपत्ति धारकों में से 63,518, और 2021-22 में लाभ उठाने वाले 66,454 संपत्ति धारकों में से 44,685, दिसंबर 2024 तक फिर से बकायादार बन चुके हैं।

'जीबीएस' के इलाज का लाखों का खर्च मुश्किल

राज्य सरकार के साथ नगर निगम करेगी मदद

महानगर नेटवर्क

पुणे

पुणे में गुइलेन बैरे सिंड्रोम (GBS) के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जिनमें से आधे से ज्यादा मरीज गंभीर हालत में हैं और उनका इलाज आईसीयू में चल रहा है। इस बीमारी के इलाज का औसत खर्च 5 लाख रुपये से अधिक आ रहा है। राज्य सरकार की महात्मा ज्योतिबा फुले जनआरोग्य योजना के तहत इस बीमारी का इलाज हो रहा है। अब पुणे नगर निगम भी गरीब मरीजों के इलाज के खर्च में योगदान करेगी। पुणे में अब तक 73 जीबीएस मरीज सामने आए हैं, जिनमें से 14 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। सामान्य तौर पर, छोटे अस्पतालों में इस बीमारी के

इलाज पर 5 से 6 लाख रुपये, मध्यम अस्पतालों में 10 लाख रुपये, और बड़े अस्पतालों में यह खर्च 10 लाख रुपये से अधिक हो जाता है, जो आम आदमी की पहुंच से बाहर है। महात्मा फुले जनआरोग्य योजना के तहत इस बीमारी के इलाज के लिए 2 लाख रुपये तक की मदद मिलती है,लेकिन इसके बाद के खर्च को लेकर मरीजों के परिवार परेशान हैं। ऐसे में पुणे नगर निगम ने गरीब मरीजों के इलाज में आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। जीबीएस के इलाज में प्लाज्मा थेरेपी और आईवीआईजी (इम्युनोग्लोबुलिन) दो तरह की विधियां इस्तेमाल होती हैं।

जीबीएस के इलाज का संभावित खर्च

- दवाइयां: 3.5 से 4 लाख रु.
- आईसीयू: 50 हजार रु.
- वेंटिलेटर: 50 हजार रु.
- कुल खर्च: 4.5 से 5 लाख रु.

गुइलेन बैरे सिंड्रोम से ग्रसित महिला की निमोनिया से मौत

पुणे। पिंपरी-चिंचवड़ शहर में गुइलेन बैरे सिंड्रोम (GBS) से पीड़ित 64 वर्षीय महिला की निमोनिया के कारण मृत्यु हो गई है। यह महिला यशवंतराव चव्हाण मेमोरियल (वाईसीएम) अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती थी। महापालिका के अनुसार, महिला की मृत्यु निमोनिया के कारण हुई है। पिंपरी-चिंचवड़ में अब तक गुइलेन बैरे सिंड्रोम के 13 मामले सामने आए हैं, जिनमें से छह मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। वहीं, एक महिला की मृत्यु हो गई है और पांच अन्य मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है।

मृतक 64 वर्षीय महिला को 17 नवंबर को गुइलेन बैरे सिंड्रोम की पुष्टि हुई थी। शुरुआत में उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्थिति बिगड़ने पर 24 नवंबर को उन्हें डॉ. डी वाय पाटिल अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

'एमपीडीए' कार्रवाई के बाद फरार गुंडा गिरफ्तार

कार्रवाई से बचने के लिए पहाड़ों में छिपा था

महानगर नेटवर्क

पुणे

झोपड़पट्टी दादा प्रतिबंधक कानून (एमपीडीए) के तहत की गई कार्रवाई के बाद फरार हुए एक कुख्यात अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई से बचने के लिए वह पुणे-सोलापुर मार्ग स्थित म्हातोबाची आलंदी क्षेत्र की पहाड़ियों में रह रहा था।

पुलिस ने उसे एक मंदिर से पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम शुभम संजय धुमाल (उम्र 23 वर्ष, निवासी धुमाल मळा, कुंजीरवाड़ी, पुणे-सोलापुर मार्ग) है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर एक

साल के लिए नासिक जेल में भेज दिया है। शुभम धुमाल के खिलाफ लोणी कालभोर सहित विभिन्न पुलिस थानों में फिरौती, लूटपाट और मारपीट जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। अपराधी प्रवृत्ति के कारण लोणी कालभोर पुलिस ने उसे शहर से तड़ीपार करने का प्रस्ताव भेजा था। परिमंडल पांच के तत्कालीन पुलिस उपायुक्त आर. राजा ने जुलाई 2024 में उसे पुणे शहर और जिले से तड़ीपार कर दिया था।

तड़ीपार के बावजूद वह आदेश का उल्लंघन कर लोणी कालभोर क्षेत्र में आता था। इस कारण उसके खिलाफ कड़ी रोकथाम की आवश्यकता थी, जिसके चलते पुलिस ने 'एमपीडीए' के तहत कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। एमपीडीए कार्रवाई की जानकारी मिलते ही शुभम फरार हो गया था और उसने मोबाइल फोन का उपयोग बंद कर दिया, जिससे पुलिस को उसकी लोकेशन का पता नहीं चल पा रहा था। पुलिस को संदेह था कि वह फरार रहते हुए कोई गंभीर अपराध कर सकता है। आरोपी का सुराग लगाने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई थी। सूचना मिली कि वह म्हातोबाची आलंदी क्षेत्र में स्थित गवलेश्वर मंदिर में छिपा हुआ है। शुक्रवार तड़के पुलिस ने छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया और बाद में उसे नाशिक जेल भेज दिया गया।

मुरुड-जंजिरा दुर्घटना

14 छात्रों की मौत मामले में कार्रवाई का आदेश

9 साल बाद मिला न्याय, अबेदा इनामदार कॉलेज पर 10 लाख का जुर्माना

महानगर नेटवर्क

पुणे

फरवरी 2016 में मुरुड-जंजिरा के काशिद समुद्र तट पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में अबेदा इनामदार कॉलेज के 14 छात्रों की डूबकर मौत हो गई थी। इस घटना के नौ साल बाद, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय ने संबंधित कॉलेज पर कार्रवाई करते हुए 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह निर्णय विश्वविद्यालय की प्रबंधन परिषद की बैठक में लिया गया। 2016 में पुणे स्थित महाराष्ट्र कॉस्मोपॉलिटन एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित अबेदा इनामदार कॉलेज के छात्र काशिद समुद्र तट पर पिकनिक के लिए गए थे। शाम के समय ज्वार-भाटे के सही अनुमान न लग पाने के कारण 14 छात्र डूब गए और उनकी मौत हो गई। इस हादसे ने मृतक छात्रों के परिवारों पर गहरा दुख पहुंचाया। घटना के बाद विश्वविद्यालय ने जांच समिति का गठन कर कॉलेज पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। हालांकि, कॉलेज प्रशासन ने 2019 में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के समक्ष अपील दायर की थी। अपील की प्रक्रिया में देरी होने के चलते विश्वविद्यालय प्रशासन ने तत्काल कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे मृतकों के परिजनों में आक्रोश था।इस दुर्घटना में मारे गए छात्रों के माता-पिता कॉलेज प्रशासन और संबंधित शिक्षकों पर कार्रवाई की मांग को लेकर लगातार पत्राचार कर रहे थे। नौ वर्षों के संघर्ष के बाद विश्वविद्यालय की प्रबंधन परिषद ने कॉलेज को दोषी ठहराते हुए 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का निर्णय लिया है।

विश्वविद्यालय की चेतावनी

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की प्रबंधन परिषद के सदस्य डॉ. देविदास वायदंडे ने कहा, "यदि विश्वविद्यालय के निर्णय को लागू नहीं किया गया, तो आगे और सख्त कदम उठाए जाएंगे।"इस मामले में महाराष्ट्र कॉस्मोपॉलिटन एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष पी. ए. इनामदार से प्रतिक्रिया लेने के प्रयास किए गए, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

खुले आकाश में रंग भरें...दुनिया भर में त्याग और शौर्य के रंग फैलाएँ...दुनिया भर में शांति के रंग फैलाएँ...दुनिया भर में समृद्धि के रंग फैलाएँ...आइए, अपने तिरंगे को नमन करें...गीत के साथ गणतंत्र दिवस पर छोटी बच्चियां उत्साह से अपने हाथ ऊँचे उठाकर आकाश में अपने देश का तिरंगा झंडा लहराते हुए आनंद ले रही थीं। अपने देश के झंडे का गौरव इन नन्हीं बच्चियों को भी अवश्य ही समझ में आ रहा होगा। (फोटोः सुशील राठौड़)

महाविद्यालयों की नैक प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप बाधा

व्याख्यान पद्धति पर चलने वाले कॉलेजों के अस्तित्व पर संकट

महानगर नेटवर्क

पुणे

राज्य सरकार के निर्देशों और तकनीकी शिक्षा संचालनालय द्वारा बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद, कई महाविद्यालयों ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) प्रक्रिया को पूरा नहीं किया है, जिससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। महाविद्यालयों में प्रोफेसरों और शिक्षकेतर कर्मचारियों की शैक्षणिक योग्यता के बिना की गई भर्तियों के कारण नैक के आवश्यक मानकों को पूरा करना संभव नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा, बुनियादी सुविधाओं की कमी, रिक्त प्रधानाचार्य पद और अधूरे स्टाफ के चलते भी नैक प्रक्रिया बाधित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश महाविद्यालय राजनीतिक नेताओं से जुड़े होने के कारण दबाव में हैं, जिससे नैक प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। कई स्थानों पर राजनीतिक संरक्षण के चलते महाविद्यालय खोले गए हैं, और प्रबंधन व फैकल्टी की भर्ती में रिश्तेदारों को प्राथमिकता देने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

गुणवत्ता सुधार के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

विशेषज्ञों का सुझाव है कि सरकार, विश्वविद्यालय, और महाविद्यालय प्रबंधन को मिलकर प्रत्येक कॉलेज के लिए एक अलग कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। इसके तहत, जागरूकता सत्र, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर महाविद्यालयों को मार्गदर्शन प्रदान करना आवश्यक है।

एसटी बस की टक्कर से वरिष्ठ नागरिक की मौत

पुणे। रास्ता पेठ में एसटी बस की टक्कर से एक वरिष्ठ नागरिक की मौत हो गई। इस मामले में समर्थ पुलिस ने एसटी बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मृतक वरिष्ठ नागरिक का नाम व्यंकट रामण (उम्र 74, निवासी वैष्णवी अपार्टमेंट, रास्ता पेठ) बताया जा रहा है।इस घटना को लेकर व्यंकट रामण के भाई अरुणकुमार (उम्र 69) ने समर्थ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गुरुवार (23 जनवरी) को दोपहर करीब 4 बजे व्यंकट रामण और उनके भाई अरुणकुमार रास्ता पेठ के नेहरू रोड पर जा रहे थे। जब वे सड़क पार कर रहे थे, तभी एक एसटी बस ने उन्हें टक्कर मार दी।

'विस्तार केवल बाहर से नहीं, अंतर से भी हो'

पिंपरी। विस्तार केवल बाहर से ही नहीं, अंतर से भी हो। हर कार्य करते हुए इस निरंकार प्रभु परमात्मा का एहसास किया जा सकता है किन्तु पहले इसकी पहचान होना जरुरी है, इसी को जानकर इंसान अपनी अंतर्मन को आध्यात्मिक आधार दे सकता है।" ये उद्गार सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने महाराष्ट्र के 58वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के पहले दिन उपस्थित विशाल मानव परिवार को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं आदरणीय निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में आयोजित इस तीन दिवसीय संत समागम में देश विस्तार केवल बाहर से ही नहीं, अंतर से भी हो। हर कार्य करते हुए इस निरंकार प्रभु परमात्मा का एहसास किया जा सकता है किन्तु पहले इसकी पहचान होना जरुरी है, इसी को जानकर इंसान अपनी अंतर्मन को आध्यात्मिक आधार दे सकता है।" ये उद्गार सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने महाराष्ट्र के 58वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के पहले दिन उपस्थित विशाल मानव परिवार को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं आदरणीय निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में आयोजित इस तीन दिवसीय संत समागम में देश विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु भक्त सम्मिलित हुए और सतगुरु के दिव्य दर्शन एवं प्रवचनों का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सतगुरु माता जी ने अपने आशीर्वचन में आगे कहा कि भक्ति का कोई निश्चित समय या स्थान नहीं होता, यह जीवन के हर क्षण में हो सकती है।

टैंकर चालक को बताना होगा कहां से ला रहे पानी

महानगर नेटवर्क

पुणे

नगर निगम सीमा में नए शामिल किए गए कुछ गांवों में टैंकरों द्वारा पानी की आपूर्ति की जाती है। हालांकि, यह बात सामने आई है कि नगर निगम को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि संबंधित टैंकर चालक पानी कहां से ला रहे हैं। इसलिए नगर निगम ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित टैंकर चालकों के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। इसके चलते टैंकर चालकों को यह जानकारी देनी होगी कि वे किस सोसायटी को पानी सप्लाई करते हैं।

सिंहगढ़ रोड पर खड़कवासला और किरकिटवाड़ी इलाकों के नागरिकों की शिकायत है कि उन्हें दूषित पानी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों में इस क्षेत्र में गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के संदिग्ध मामलों में वृद्धि हुई है।

तेज रफ्तार मोटर बस की चपेट में आने से युवक की मौत

महानगर नेटवर्क

पुणे

शनिवार सुबह मुंबई-बेंगलुरु बाईपास पर नवले पुल के पास खड़ी बस में तेज रफ्तार कार के टकराने से एक कॉलेज छात्र की मौत हो गई। हादसे में कार सवार पांच युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में बस चालक को हिरासत में लिया गया। दुर्घटना में मरने वाले युवक का नाम पता नहीं चल सका है। सोहम अलीश खले (उम्र 19, निवासी कैफे वर्ल्ड, डीपी रोड, ओइंध), आयुष अम्बिदास

काटे (उम्र 20, निवासी सिद्धि टॉवर, दापोडी), मकरंद उर्फ अथर्व हंबीरराव जेडगे (उम्र 19, मूल निवासी कामेरी, ताल. वालवा), जिला सांगली, वर्तमान में पिंपले गुरव निवासी), प्रतीक दीपक बंडगर (उम्र 19, निवासी गंगुर्देनगर, पिंपले गुरव), हर्ष नितिन वारे (उम्र 19, निवासी पिंपले गुरव) घायलों के नाम हैं। उनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस कांस्टेबल दत्तात्रय राख ने इस संबंध में सिंहगढ़ रोड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। बस चालक चंद्रशेखर बाबासाहेब सुरवसे (उम्र 43, वर्तमान निवासी दैवत बिल्डिंग, नरहे, मूल निवासी अंबाप, ताल. हातकणंगले, जिला. कोल्हापुर) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार सोहम, आयुष, अथर्व, प्रतीक हर्ष अपने दोस्त के जन्मदिन के लिए आधी रात को कार से सिंहगढ़ रोड इलाके में पहुंचे थे।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड ऑफिस नं. 12, अ और ब, सी.टी.एस. नं. 40/1, बी 2, संगम प्रोजेक्ट फेस 1, डॉ आंबेडकर रोड, आर.टी.ओ के पास पुणे-411001, से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित. ● फोन नंबरः 020-26059198 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

17 पुलिसकर्मी गैलेंट्री मेडल से होंगे सम्मानित

लखनऊ। गणतंत्र दिवस पर प्रदेश पुलिस के 17 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति का वीरता पदक देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा फायर सर्विस के भी 16 कर्मियों को सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति का वीरता पदक मिलेगा। साथ ही नागरिक सुरक्षा में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवा के लिए 73 कर्मियों को पदक दिया जाएगा। वहीं फायर सर्विस में पांच लोगों को सराहनीय सेवा के लिए पदक दिया जाएगा। होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा के पांच कर्मियों को पदक देकर सम्मानित किया जाएगा। लिस्ट में शामिल कर्मियों को उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवा के लिए पदक देकर सम्मानित किया जाएगा।

विश्व आर्थिक मंच पर चमका 'ब्रांड यूपी'

19 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का एमओयू

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में ब्रांड यूपी की जबरदस्त चमक देखने को मिली। जिसके ये असर है कि प्रदेश में 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश लिए दावोस एमओयू मिला है। यूपी ने विश्व आर्थिक मंच के सम्मेलन में निवेशकों को आकर्षित किया। जिसके बाद केंद्रीय मंत्री ने भी यूपी की कोशिशों की तारीफ की है। उत्तर प्रदेश में कई वर्ल्ड के बड़े ब्राण्ड और इनवेस्टर ने निवेश की मंशा जाहिर की है। इसके साथ ही कई समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी हुए हैं। यूपी ने कृषि, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और टेक्नॉलजी जैसे क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिये बहुत प्रयास किया। इनमें ख़ासतौर से

कोका कोला, एबी इनबेव, एएम ग्रीन्स, बिसलेरी इंटरनेशनल, सिफ़ी टेक्नॉलजी जैसी कम्पनियों ने रुचि जताई और हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किया।

दावोस में दिखी ब्रांड यूपी की चमक

दावोस में विश्व आर्थिक मंच का सम्मेलन 19 जनवरी से 23 जनवरी के बीच आयोजित हुआ था। जिसमें उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए कई बड़े ब्रांड्स ने अपना भरोसा जताया है। इन बड़ी कंपनियों की ओर से निवेश के प्रस्ताव मिलने से उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठा वैश्विक स्तर पर बहुत मजबूत हुई है। इस सम्मेलन में कोका-कोला द्वारा मून बेवरेज और एसएलएमजी बेवरेजेज के ज़रिए प्रदेश में दो बॉटलिंग प्लांट स्थापित करने के लिए 2,500 करोड़ से अधिक का निवेश प्रस्ताव मिला है। इस निवेश से यूपी में कोका-कोला के बॉटलिंग और वितरण नेटवर्क में विस्तार होगा।

महाकुंभ में मुख्यमंत्री योगी की साधु संतों से मुलाकात

महाकुंभ में इस समय मौनी अमावस्या की तैयारियां जोरों पर हैं। जिसके चलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को फिर महाकुंभ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अखिल भारत वर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा में भाग लिया। गौरतलब हो कि सीएम योगी इस महासभा के अध्यक्ष भी हैं। मुख्यमंत्री योगी मौनी अमावस्या की तैयारी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही कई अन्य कार्यक्रमों का हिस्सा बने। मौनी अमावस्या 29 जनवरी को है। मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में आठ से दस करोड़ लोगों के संगम स्नान करने की उम्मीद जताई जा रही है। करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसके मद्देनज़र प्रयागराज रेल मंडल ने भी 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है।

यूपी : प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों पर कसा शिंकजा

इन सात मानकों पर परखी जा रही हैं व्यवस्थाएं

लखनऊ। प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों पर शिकंजा कसा जा रहा है। सात कसौटियों पर इनकी व्यवस्थाएं परखी जा रही हैं। इसके लिए सरकारी मेडिकल कॉलेजों के तीन संकाय सदस्यों की कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी अचानक संबंधित कॉलेज में पहुंच रही है और आधारभूत सुविधाएं, संकाय सदस्यों का ब्योरा, जमा होने वाली फीस सहित सात बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार कर रही है। पिछले दो दिन में करीब 15 कॉलेजों की औचक जांच की गई है। प्रदेश में 36 निजी मेडिकल कॉलेज हैं। इनमें से तीन पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप और चार अल्पसंख्यक कोटे के हैं। इनमें एमबीबीएस की 6,600 सीटें हैं। वहीं, सरकारी कॉलेजों में 5250 सीटें हैं। निजी कॉलेजों की व्यवस्थाओं की नए सिरे से पड़ताल शुरू की गई है। इसके लिए सरकारी मेडिकल कॉलेजों के तीन-तीन प्रोफेसरों की कमेटी बनाई गई है। चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह ने कमेटियों को कॉलेज आवंटित करते हुए औचक स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं।

इन बिंदुओं पर हो रही जांच

- मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध आधारभूत संरचना।
- कार्यरत चिकित्सा संकायों की तीन माह की उपस्थिति।
- कार्यरत चिकित्सा संकायों की छह माह की सैलरी स्लिप।
- ओपीडी, आईपीडी सहित अन्य क्लीनिकल मैटेरियल की अलग-अलग रिपोर्ट।
- अध्ययनरत विद्यार्थियों से लिए जा रहे शिक्षण शुल्क का ब्योरा।
- अध्ययनरत विद्यार्थियों से वार्ता कर गुणवत्ता संबंधित फीडबैक।
- मौके पर जांच कमेटी को जो अन्य जरूरी बिंदु लगे।

औचक निरीक्षण को उत्पीड़न मान रहे निजी कॉलेज

निजी कॉलेज संचालक इस औचक निरीक्षण को उत्पीड़न मान रहे हैं। नाम नहीं छापने की शर्त पर कई कॉलेज संचालकों ने बताया कि आधारभूत सुविधाएं सहित अन्य बिंदुओं की जांच के बाद ही उन्हें मान्यता मिली है। सत्र चालू है। ऐसे में डीजीएमई की टीम को जांच का अधिकार नहीं है। कुछ कॉलेज संचालकों ने यह भी आरोप लगाया है कि उन्होंने फीस निर्धारण के मामले में हाईकोर्ट में मुकदमा दायर कर रखा है। इस वजह से भी उनकी जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा, पहले सरकारी कॉलेजों की व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं। फिर उन्हें निजी कॉलेजों के लिए नजीर के रूप में पेश किया जाए।

यूपी में राज्य कर विभाग के 15 अधिकारियों का तबादला

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

उत्तर प्रदेश में शुक्रवार देर रात राज्य कर विभाग में 15 अधिकारियों के ट्रांसफर कर दिए गए। सोनभद्र के अपर आयुक्त ग्रेड वन लक्ष्मीकांत त्रिपाठी को अपर आयुक्त ग्रेड वन प्रयागराज के पद पर भेजा गया है। मुजफ्फरनगर में तैनात उपायुक्त बृजेश कुमार को प्रोन्नत करते हुए संयुक्त आयुक्त एसआईबी वाराणसी प्रथम के पद पर तैनात किया गया है। आगरा में उपायुक्त टैक्स ऑडिट रमेश कुमार सिंह को प्रोन्नत कर संयुक्त आयुक्त कानपुर के पद पर भेजा गया है। मिर्जापुर में तैनात अपर आयुक्त ग्रेट 2 शरद कुमार शुक्ला को अपर आयुक्त ग्रेड टू अपील के पद पर सोनभद्र का अतिरिक्त प्रभार

दिया गया है। आगरा में तैनात उपायुक्त टैक्स ऑडिट रमेश कुमार सिंह को प्रोन्नत करते हुए संयुक्त आयुक्त कार्यपालक कानपुर द्वितीय के पद पर भेजा गया है। अयोध्या के अपर आयुक्त ग्रेट 2 अपील 1 जयशंकर सहाय को अपील टू का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अपर आयुक्त ग्रेट 2 धर्मवीर सिंह को अपर आयुक्त अपील 3 गाजियाबाद के पद पर जिम्मेदारी दी गई है। अंजनी कुमार अग्रवाल को लखनऊ से गाजियाबाद अपर आयुक्त एसआईबी का चार्ज दिया गया है। लखनऊ में तैनात अपर आयुक्त ग्रेट 2 कैलाश नाथ पाल को कानपुर भेजा गया है। मोनू त्रिपाठी को ग्रेट 2 प्रयागराज से गाजियाबाद स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह दीनानाथ का ट्रांसफर अपर आयुक्त ग्रेट 2 अयोध्या से प्रयागराज किया गया है। मुजफ्फरनगर में तैनात अपर आयुक्त ग्रेट 2 बृजेश कुमार को वाराणसी भेजा गया है। वाराणसी में संयुक्त आयुक्त सब अनिल कुमार सिंह को अपर आयुक्त ग्रेट 2 लखनऊ के पद पर ट्रांसफर किया गया है। इस धनंजय शुक्ला को अपर आयुक्त राज्य कर मुख्यालय की जिम्मेदारी के साथ अपर आयुक्त ग्रेड वन लखनऊ जोन प्रथम का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

ज्योतिष में समुद्र जैसी गहराई : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ज्योतिष महाकुंभ महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में पहुंचे हुए ज्योतिषाचार्यों को सम्मानित किया। सम्मान समारोह के बाद उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रयागराज की धरती पर ज्योतिषियों का महाकुंभ होना और इतने प्रतिष्ठित ज्योतिषियों का यहां आगमन होना हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2025 में महाकुंभ के अवसर पर जो संयोग बना है, वह 144 वर्ष बाद आया है। इसकी गणना ज्योतिषियों ने ही पंचांगों के माध्यम से की थी। यह संयोग अब 144 वर्ष बाद ही आएगा। इस महाकुंभ में कल्पवासी कठोर अनुष्ठान करते हैं। सभी अखाड़ों के शिविर यहां लगे हुए हैं। संत परंपरा से जुड़े सभी संत यहां पधारे हुए हैं। सभी का स्वागत

है। तीसरा स्नान पर्व मौनी अमावस्या के दिन 29 जनवरी को होगा। दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी यहां आए थे और उन्होंने कई योजनाओं का लोकार्पण किया। फिर प्रयागराज में ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई दौरे किए। पिछले दिनों उनके नेतृत्व में संपूर्ण कैबिनेट की बैठक प्रयागराज में ही हुई।

जमीनी विवाद में ताबड़तोड़ फायरिंग

महानगर नेटवर्क
गाजियाबाद

यूपी के गाजियाबाद में एक बार फिर गोलीबारी की सनसनीखेज घटना सामने आई है। गाजियाबाद के थाना लोनी क्षेत्र में ताबड़तोड़ फायरिंग का सीसीटीवी वायरल हो रहा है। सीसीटीवी में दिख रहा है चार बदमाश दो बाइक पर आते हैं। प्लॉट के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग करते हैं। इस दौरान दो लोग अंदर भी बैठे हुए थे। गनीमत रही थी किसी को गोली नहीं लगी। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। कई दावेदार इस प्लॉट को अपना बताते हैं। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक,

गाजियाबाद के थाना लोनी के ग्राम गढ़ी जस्सी के रहने वाले दिनेश कुमार ने थाना लोनी में मुकदमा दर्ज करवाया है। दिनेश के मुताबिक 23 जनवरी को शाम करीब 8:00 बजे उनके 500 वर्ग गज का प्लॉट जो अशोक विहार गुप्ता धर्म कांटे के सामने है। वहां अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है। जिस दौरान फायरिंग हुई उस दौरान यूनस और सौरव प्लॉट के अंदर मौजूद थे। दोनों वहा बैठकर खाना खा रहे थे। इस दौरान दो मोटरसाइकिल पर चार अज्ञात व्यक्ति आये। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग करने की पूरी वारदात सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई है। वहीं इस मामले में एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि, फायरिंग की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी. पुलिस सीसीटीवी के जरिये से बदमाशों को पहचानने की कोशिश कर रही है। पुलिस को दिनेश ने जो तहरीर दी है उसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस की कई टीम इस मामले में लगाई गई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अपमान से दुखी ऑटो ड्राइवर ने मांगी इच्छामृत्यु, डीएम ने बनाया विशिष्ट अतिथि

कानपुर। जीवन में सम्मान से बड़ा कुछ नहीं होता। सम्मान खत्म हो जाए तो जिंदगी बेकार है। इसी इरादे के साथ ऑटो चालक राकेश सोनी शुक्रवार को डीएम के पास पहुंचा और इच्छामृत्यु की मांग की। पुलिस के दुर्व्यवहार से अपमानित ऑटो चालक डीएम के सामने अपनी पीड़ा बताते-बताते कई बार फफक कर रोने लगा। वह 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के दिन इच्छामृत्यु की मांग कर रहा था। ऑटो चालक ने उम्मीद भी नहीं की थी कि डीएम उसकी पीड़ा सुनने के बाद सिर्फ कार्रवाई नहीं बल्कि उसका इतना मान भी बढ़ा देंगे। डीएम ने ऑटो चालक राकेश सोनी को न सिर्फ उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया बल्कि गणतंत्र दिवस पर कलेक्ट्रेट में विशिष्ट अतिथि बनाने का निर्देश भी दिया। नजारत के प्रभारी अधिकारी ने राकेश को 26 जनवरी को सुबह पौने आठ बजे अतिथि के रूप में निमंत्रण भेजकर आमंत्रित किया है। कलेक्ट्रेट में शुक्रवार को जनसुनवाई चल रही थी। डीएम के सामने फरियादी एक-एक कर अपनी शिकायतें बता रहे थे। हनुमंत विहार निवासी व विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व खंड अध्यक्ष ऑटो चालक राकेश सोनी ने अप्लीकेशन देकर इच्छामृत्यु की मांग की। उसने कहा कि गणतंत्र दिवस के दिन फूलबाग स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष इच्छा मृत्यु की अनुमति दी जाए।

सीएम योगी की पहल ने आसान की यूपीएससी की राह

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

सीएम योगी की पहल के बाद यूपी में शुरू की गई मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना गरीब और वंचित वर्ग के छात्रों के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रही है। यह योजना छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा ओर कोचिंग प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रही है। सीएम योगी की इस पहल से हजारों छात्रों के सपने साकार हो रहे हैं। योजना से जुड़े अभ्यर्थी यूपी ही नहीं अब अन्य राज्यों में आयोजित होने वाले प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अपना जलवा बिखेर रहे हैं। हाल ही में आए बिहार लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा परिणाम में सीएम योगी के अभ्युदय योजना से जुड़कर 50 से अधिक अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की है और अफसर बने।

अन्त्योदय के उदय की अपनी प्रतिबद्धता को साकार करते हुए सीएम योगी गरीब बच्चों के अफसर बनने के सपने को हकीकत में बदल रहे हैं। इस योजना के जरिए निःशुल्क कोचिंग की सुविधा का लाभ उठाकर अबतक 46 अभ्यर्थी लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा पास कर अफसर बन चुके हैं, जबकि 121 अभ्यर्थी यूपीपीसीएस की परीक्षा पास कर अधिकारी बने हैं। राज्य के 75 जिलों में संचालित 156 केंद्रों से अब तक 82 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जिनमें से लगभग 700 से अधिक अभ्यर्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो चुके हैं।

हाल ही में जारी हुए बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की प्रारंभिक परिक्षा में अभ्युदय योजना से जुड़कर निशुल्क कोचिंग की सुविधा ले रहे 14 छात्राओं और 40 से अधिक छात्रों ने सफलता हालिस की है।

संभल के अमरपति खेड़ा में बनेगा संग्रहालय

संभल। संभल तहसील क्षेत्र के गांव अल्लीपुर में स्थित अमरपति खेड़ा पर शुक्रवार को डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई पहुंचे। ग्रामीणों को अलग-अलग समय की खोदाई के दौरान मिले घड़ा और सिक्के को भी देखा। साथ ही उन हड्डियों को भी देखा जो काफी समय पहले एक खोदाई के दौरान मिली थीं। डीएम ने बताया कि 70-75 वर्षों से यह गायब था। यहां गुरु अमर की समाधि थी, जो पूरी तरह नष्ट हो गई थी। राजस्व की टीम एएसआई की टीम के साथ निरीक्षण पर पहुंची थी। तब इसकी जानकारी सामने आई है। डीएम ने बताया कि 1920 से यह स्मारक एएसआई के संरक्षण में है लेकिन समय के साथ देखभाल का अभाव रहा और स्मारक खत्म हो गया।

पार्किंग ठेके के नाम पर मुख्तार अंसारी गैंग ने की लाखों की धोखाधड़ी, एक गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क
वाराणसी

वाराणसी के सिटी रेलवे स्टेशन पर पार्किंग के ठेके को लेकर 23.65 लाख की धोखाधड़ी में मुख्तार अंसारी गिरोह के परवेज अहमद खान को आदमपुर पुलिस ने जलालपुरा से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। धोखाधड़ी में परवेज की पत्नी अख्तरी बानो और सूजाबाद का विनय गुप्ता भी आरोपी हैं। परवेज मोहम्मदाबाद (गाजीपुर) के महेंद गांव का मूल निवासी है। वह मुख्तार के खास अशोकविहार कॉलोनी के मेराज का भांजा है। परवेज पर पहले से कैंट थाने में धोखाधड़ी, रंगदारी, मारपीट, धमकी के पांच केस दर्ज हैं। राजघाट के नया महादेव निवासी मारुति शंकर शुक्ला ने उसके

खिलाफ बीते साल सितंबर में केस दर्ज कराया था। बताया था कि विनय गुप्ता उसका परिचित है। उसके माध्यम से परवेज से मुलाकात हुई। इसके बाद साझेदारी में बनारस सिटी स्टेशन पर पार्किंग का ठेका लेने की बात कही। बात तय होने पर मारुति ने कई बार में परवेज को 23.15 लाख रुपये दिये। परवेज ने बीते साल 18 अप्रैल को बताया कि ई-ऑक्शन से आवेदन कर दिया है। अगले दिन विनय और परवेज ने टेंडर पेपर की प्रति भी दी। उस पर लिखे नदेसर स्थित आफिया इंटरप्राइजेज के बारे में पूछने पर परवेज ने बताया कि वह सभी टेंडर पत्नी के फर्म के नाम से लेता है। साझेदारी अनुबंध पत्र बनाने की बात पर 22 अप्रैल को परवेज ने पत्नी अख्तरी बानो को लाकर विनय समेत दो गवाह के हस्ताक्षर कराए और एक प्रति उसे दी। इसमें 50 फीसदी हिस्सेदारी मारुति शंकर की लिखी थी। टेंडर राशि 57 लाख 786 में मारुति को 28 लाख 50 हजार 393 रुपए देने थे। 23 लाख 65 हजार रुपये देने के बाद जब मारुति शंकर ने टेंडर के कार्य के बारे में पूछताछ की तो परवेज हीला हवाली करने लगा।

झोपड़ी में रहने वाली महिला तीन करोड़ की जमीन मालकिन, करतूत उजागर

महानगर नेटवर्क
बरेली

बरेली में जमीन कब्जाने के मामले में जेल भेजे गए निलंबित चकबंदी लेखपाल सावन कुमार के भूमाफिया गिरोह की करतूतें लगातार सामने आ रही हैं। इस गिरोह ने शहर में कई जमीनें कब्जा रखी थीं। यह गिरोह विवादित जमीनों को अनुसूचित जाति की महिलाओं को आगे करके हड़प लेता था। इस गिरोह की सदस्य पीलीभीत के जहानाबाद थाने के गांव गोछ निवासी रेनू को बारादरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

महिला झोपड़ी में रहती थी लेकिन गिरोह ने उसे कागजों में करोड़ों की जमीन का मालकिन बनाकर बैनामे कराए लिए। उससे करीब तीन करोड़ की जमीन के आठ बैनामा कराए गए और बदले में 15 हजार रुपये ही दिए गए। उसके नाम से विवादित जमीनों की खरीद फरोख्त की जाती थी। उसने भी यह स्वीकार किया है कि उसके पास कोई भी जमीन नहीं है। अब पुलिस को आरोपी ट्रांसपोर्टर

और उसके मैनेजर की तलाश है। निलंबित चकबंदी लेखपाल सावन कुमार के गिरोह में रसूखदारों की फौज शामिल है। आरोपी लेखपाल और उसके साथी को जेल भेजा जा चुका है। उसके गिरोह में बड़े ट्रांसपोर्टरों से लेकर प्रॉपर्टी डीलर तक शामिल हैं। उसको फाइनेंसरों का साथ मिला तो उसने जमीन पर कब्जे के लिए पैंतरों का इस्तेमाल शुरू कर दिया। सावन का दिमाग और फाइनेंसरों का रुपया लगा तो शहर में बेशकीमती जमीन पर कब्जे शुरू हो गए। सावन के गिरोह में फाइनेंसर के तौर पर अंकिश त्रिपाठी, अक्षित सिंह और विजय अग्रवाल जैसे लोग शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस पर लखनऊ हाई अलर्ट!

लखनऊ। गणतंत्र दिवस के मौके पर लखनऊ हाई अलर्ट पर है। राजधानी के अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। टर्मिनल-3 के रास्ते में सीआईएसएफ रैंडम आधार पर वाहनों की सुरक्षा जांच कर रही है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने सोशल मीडिया हैंडल से इंस्टाग्राम, एफबी और एक्स पर पोस्ट कर यात्रियों से अतिरिक्त समय लेकर घर से निकलने की अपील की है। एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दायरे भी बढ़ा दिए गए हैं। गेट, चेकइन के अलावा विमान में चढ़ने से पहले भी यात्रियों की जांच की जा रही है। एयरपोर्ट पर विजिटर पास बनाने पर रोक लग गई है। इस विजिटर पास से यात्री के करीबी कुछ दूर तक टर्मिनल के भीतर जा सकते हैं। अपने करीबियों को विदा कर सकते हैं। यह रोक ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी की ओर से लगी है। साथ ही सीआईएसएफ की कई टुकड़ियां डॉग स्क्वायड के साथ एयरपोर्ट के चप्पे चप्पे पर पेट्रोलिंग कर रही हैं।

यूपीएसएससी ने टीजीटी-पीजीटी में किया बदलाव

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा 16 व 17 अप्रैल को

महानगर नेटवर्क
प्रयागराज

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा अब 16 व 17 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए आयोग ने प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) व प्रवक्ता (पीजीटी) भर्ती परीक्षा की तिथियों में भी बदलाव किया है। असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों के लिए 2022 में आवेदन मांगे गए थे। अलग-अलग विषयों के लिए कुल 1.14 लाख आवेदन आए। 2022 में ही टीजीटी व पीजीटी के भी 4163 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसके लिए 13 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवेदन किए। नवगठित आयोग की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए 16 और 17 फरवरी को परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम में टीजीटी की परीक्षा चार एवं पांच अप्रैल व पीजीटी की परीक्षा 11 व 12 अप्रैल होनी थी। परीक्षा तिथि में संशोधन का निर्णय लिया गया। ताकि, अभ्यर्थियों को परेशानी न उठानी पड़ी। संशोधित कार्यक्रम के तहत असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा 16 व 17 अप्रैल को होगी। वहीं, टीजीटी 14 और 15 मई व पीजीटी भर्ती परीक्षा 20 व 21 जून को होगी।

अखिलेश का यूपी सरकार पर निशाना

भाजपा सिर्फ एक ट्रिलियन झूठ का रिकॉर्ड बना सकती है

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के दावे पर जोरदार हमला किया है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि ये दावा एकदम गलत है कि राज्य की अर्थव्यवस्था अगले चार साल में एक ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को हासिल कर लेगी। उन्होंने इसे लेकर शनिवार को अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट की और बीजेपी के वादों पर निशाना साधा।

अखिलेश यादव ने भाजपा के आर्थिक वादों के लेकर उस पर निशाना साधते हुए कहा कि, 'भाजपा सिर्फ एक ट्रिलियन झूठ का रिकॉर्ड बना सकती है और कुछ नहीं। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की तरफ से फिर से ये जुमला उछाला जा रहा है कि अगले चार

वर्ष में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी।' आज की 'विकास दर' के हिसाब से ये असंभव है, इसीलिए ये एक 'महाझूठ' है। सपा अध्यक्ष ने कहा, 'आज की विकास दर के हिसाब से ये असंभव है, इसीलिए ये एक 'महाझूठ' है। सरकार के खजाने में भ्रष्टाचार की सेंध लगी है। निवेश जमीन पर नहीं उतरा है। किसान व्यापारी और उद्योगपति सब अपने काम को लेकर त्रस्त हैं। बेरोजगारी-बेकारी प्रदेश में गरीबी के नये अध्याय लिख रही है। लोगों के हाथ में पैसा नहीं है तो क्रय शक्ति कहां से आएगी। श्रमिक-मजदूर पलायन कर रहे हैं तो श्रम संसाधन कहां से आयेगा।'

उन्होंने कहा, 'जनता कह रही है कि हमें तो यह बताएं कि महंगाई कितनी कम होगी। हमारी आमदनी कितनी बढ़ेगी। युवाओं को नौकरी कैसे मिलेगी। दवाई-पढ़ाई के खर्चे कैसे कम होंगे। दुकानदारी-कारोबार कैसे बंद होने से बचेगा। जन-जन कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!' सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधते रहते हैं। मिल्कीपुर उपचुनाव के बीच सपा और बीजेपी में इन दिनों जुबानी जंग और भी ज्यादा तेज हैं।

ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाने पर विवाद

हिमांगी सखी बोलीं किन्नर अखाड़ा से एक स्त्री को महामंडलेश्वर क्यों बनाया?

महानगर नेटवर्क
प्रयागराज

बॉलीवुड एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी महामंडलेश्वर बन गई हैं। कुंभनगरी में किन्नर अखाड़ा ने उन्हें दीक्षा देकर महामंडलेश्वर बना दिया। जिसके बाद अब उनका नाम श्री यामाई ममतानंद गिरि हो गया है। लेकिन अब उनके महामंडलेश्वर बनने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने इस पर आपत्ति जताई है और पूछा कि किन्नर अखाड़े ने एक स्त्री को महामंडलेश्वर क्यों बनाया है। किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने ममता कुलकर्णी को दीक्षा दिए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि किन्नर अखाड़ा किन्नरों के लिए है, तो फिर एक स्त्री को महामंडलेश्वर क्यों बनाया? अगर इसी तरह हर वर्ग को महामंडलेश्वर बनाना है तो

फिर अखाड़े का नाम किन्नर क्यों रखा गया है। दरअसल बॉलीवुड एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने सालों से फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बनाई हुई है। इस बीच उनका अध्यात्म की ओर झुकाव हो गया। जिसके बाद शुक्रवार को ममता कुलकर्णी महाकुंभ पहुंचीं और उन्होंने सांसारिक मोह-माया को त्याग कर किन्नर अखाड़े से संन्यास की दीक्षा ली। इससे पहले उन्होंने पूरे विधि विधान के साथ खुद का पिंडदान किया।

वीएचपी के मंच से गरजे सीएम योगी

एकता से ही अखंड रहेगा देश

महानगर नेटवर्क
प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व हिन्दू परिषद के मंच से कहा कि भारत की सनातन परंपरा का रूप दुनिया देख रही है। यहां का संदेश पूरे दुनिया के लिए दिव्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि याद करिए 1980 के बाद जो भी कुंभ या महाकुंभ का आयोजन हुआ, तब से संतों का संकल्प मूर्त रूप लेता रहा है, जो संकल्प पारित होते थे वो एक-एक करके हमको देखने को मिल रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में पिछले साल 500 साल का इंतजार पूरा हुआ है। एक नई अयोध्या और काशी का दर्शन हो रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद सभी संतों का मंच बना है। अब याद करिए 500 सालों में हमारी पीढ़ी सबसे सौभाग्यशाली है। कई पीढ़ी नहीं देख पाई जो हमें देखने को मिला है। मैंने वो दृश्य भी देखा जब प्राण प्रतिष्ठा होने के अगले दिन अपेक्षा से ज्यादा भीड़ हुई थी।

'झाड़ी से नहीं हो सकती सनातन की तुलना'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "कोई राम मंदिर का पिलर पकड़ कर और कोई जमीन पर आंखों में आंसू लिए भगवान के दर्शन का इंतजार कर रहा था, लेकिन इसके लिए धैर्य जरूरी है।" उन्होंने कहा, "सनातन धर्म की तुलना किसी झाड़ी से नहीं हो सकती है। गुरु गोविंद जी महाराज ने इसी धर्म के लिए बलिदान दिया था। गुरु तेजबहादुर जी महाराज ने कश्मीर में सनातन धर्म के लिए अपना बलिदान दिया था।" मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम एकता का काम करते हैं। निषादराज को ऐसी धरती से गले लगाया था, जब वो आगे बढ़े तो सबरी को अपना सानिध्य प्रस्तुत किया था। ऐसा ही संदेश दुनिया में जाना चाहिए। सनातन धर्म का एक ही संदेश, एकता से अखंड रहेगा ये देश। उन्होंने कहा कि यह भारत की सदी है, यह समग्रता की सदी होनी चाहिए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी बन रही है। गरीब के लिए भोजन की व्यवस्था हो रही है। 4 करोड़ को घर मिल गया है। यही तो राम राज्य है। ना धर्म का भेद है, ना जाति का भेद है। लेकिन संत जो दिशा तय करेंगे यही संदेश दुनिया में जाएगा। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से आज के दिन तक 10 दिन में कुल 10 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप एकता पर ध्यान दीजिए, आप बांटने वाली ताकतों से सतर्क रहिए। कुंभ का संदेश एकता का संदेश होना चाहिए. सनातन का संदेश एक भारत और श्रेष्ठ भारत का होना चाहिए. उन्होंने कहा कि अगर भारत सुरक्षित नहीं तो सनातन धर्म या कोई सुरक्षित नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उसकी तुलना कोई छोटे बोर्ड से नहीं होना चाहिए. जब मैं यहां आया तो अशोक सिंघल की याद आई. ये संतों को एकजुट करने के लिए प्राण मन से लगे रहते थे. उन्होंने कहा कि अगर दुनिया में कहीं संतों पर उंगली उठती तो अशोक सिंघल बहुत चिन्तित होते थे. उनकी आत्म आज प्रसन्न हो रही होगी।

विजयसाई रेड्डी ने राज्यसभा से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। वाईएसआरसीपी के नेता वी. विजयसाई रेड्डी ने शनिवार को व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और उन्हें अपना इस्तीफा सौंपा। 2024 के विधानसभा चुनाव में वाईएसआरसीपी के हार के बाद उच्च सदन में अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले इस्तीफा देने वाले विजयसाई रेड्डी वाईएसआरसीपी के चौथे नेता हैं। रेड्डी से पहले वाईएसआरसीपी के राज्यसभा सदस्य एम. वेंकट रमना, बी. मस्तान राव यादव और आर. कृष्णैया ने हाल ही में इस्तीफा दे दिया था। उच्च सदन सदन में आंध्र प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा कि उनके दूसरे छह साल के कार्यकाल में अभी भी साढ़े तीन साल बाकी हैं, लेकिन वह व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे रहे हैं।

आप ने बेईमानों की लिस्ट में डाला राहुल गांधी का नाम, भड़कीं लांबा

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

दिल्ली में चुनावी तारीख नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक माहौल गर्म होता जा रहा है। सत्ताधारी और विपक्षी दलों के बीच तीखे बयान और सोशल मीडिया पर पोस्टर वार ने सियासी सरगर्मी को और बढ़ा दिया है। शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर जारी किया, जिसमें प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, अन्य भाजपा नेताओं और राहुल गांधी को भ्रष्ट नेताओं के लिस्ट में दिखाया गया।

आम आदमी पार्टी की ओर से जारी किए गए पोस्टर पर लिखा था, "केजरीवाल की ईमानदारी, सभी बेईमान नेताओं पर भारी।" जिस पर कांग्रेस ने आप और अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस नेता अलका लांबा ने अरविंद केजरीवाल को इंडिया गठबंधन छोड़ने की चुनौती दी। अलका लांबा ने यह भी कहा कि अरविंद केजरीवाल वही व्यक्ति हैं, जिन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी के सामने गठबंधन के लिए गिड़गिड़ाया था।

कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचाया

कांग्रेस नेता अलका लांबा ने कहा, "अगर अरविंद केजरीवाल में हिम्मत है तो उन्हें घोषणा करनी चाहिए कि वह भारत गठबंधन छोड़ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी 100 सांसदों के साथ मजबूती से खड़ी है और अरविंद केजरीवाल ही हैं जिन्होंने सभी 7 सीटें भाजपा को दे दीं। अरविंद केजरीवाल लोकसभा

चुनाव के दौरान हमारे सामने गठबंधन के लिए भीख मांग रहे थे। कांग्रेस ने दिल्ली की 7 सीटों के लिए आपकी पार्टी के साथ गठबंधन करके सबसे बड़ी गलती की। इसकी वजह से कांग्रेस पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ा।" अलका लांबा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस नेताओं का अपमान किया, लेकिन जब भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे, तो मनमोहन सिंह को सबसे ईमानदार प्रधानमंत्री बताया. दरअसल, कांग्रेस का कहना है कि शराब घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे केजरीवाल अपनी छवि सुधारने के लिए ऐसे पोस्टर जारी कर रहे हैं।

दिल्ली के पूर्वांचली वोटर्स को साधने में जुटी आप

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी जीत सुनिश्चत करने को लेकर सभी पार्टियां लगातार जोर लगा रही है। दिल्ली में पूर्वांचल समाज एक बहुत बड़ा वोट बैंक है, जिसे हर पार्टी लगातार साधने की कोशिश कर रही है। आप भी लगातार पूर्वांचलियों को लुभाने की जुगत में लगी है। आप सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने एक टास्क फोर्स बनाई है। जिसको आप के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह लीड कर रहे हैं।

इसके लिये 7 टीम बनाई गई हैं, जो दिल्ली के लोकसभा क्षेत्र के आधार पर काम कर रहीं हैं. इन टीम का काम

पूर्वांचल वोट को टारगेट करना है। ये टीम घर घर जाकर बीजेपी को घेरते हुए बात कर रही है। खबर ये भी है कि संजय सिंह खुद इस संबंध में ऐसी कई मीटिंग अब तक कर चुके हैं।

सूत्रों से ये भी जानकारी मिली है कि आप इस दौरान बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला के उस वीडियो को हर पूर्वांचल के लोगों तक पहुंचा रही है, जिसमें कुछ दिन पहले शहजाद पूनावाला ने पूर्वांचल समाज को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस दौरान आप एक एजेंडा ये भी सेट करने की कोशिश कर रही है कि इस समाज से जुड़े लोगों से बीजेपी नफरत करती है।'आप' का आरोप है कि पूनावाला ने पूर्वांचल समाज को अपमानित किया है और उस पर बीजेपी ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। लोगों को AAP नेता ये भी बता रहे हैं कि ये सब बीजेपी के टॉप लीडर्स की मर्जी से हुआ है. अब तक करीब 600 ऐसी छोटी-छोटी मीटिंग AAP नेता कर चुके हैं।

कुंभ मेले में स्नान से फैल जाएंगी बीमारियां : हुसैन दलवई

नई दिल्ली। महाकुंभ की दुनियाभर में चर्चा है। यहां पर रोजाना श्रद्धालुओं का नया रिकॉर्ड बन रहा है। दुनियाभर से श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। इसी बीच, कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने महाकुंभ को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में सभी लोग धर्म पर विश्वास करते हैं। गंगा में बड़ी संख्या में लोग स्नान करने जाते हैं, वहां गंदगी रहती होगी। ऐसे तो वहां बड़े पैमाने पर बीमारियां फैल जाएंगी, ऐसा नहीं होना चाहिए। पूर्व राज्यसभा सांसद ने आगे कहा कि लोग सोचते हैं कि कुंभ में स्नान करने से मेरा पाप धुल जाएगा, ऐसा उनकी धारणा है। ये कोई गलत बात नहीं, लेकिन उसका इंतजाम जिस ढंग से करना चाहिए वैसा नहीं हुआ।

CAPF के चुनिंदा VIP सुरक्षाकर्मियों को मिलेगा विशेष भत्ता, सरकार ने दी मंजूरी

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के उन वीआईपी सुरक्षा कमांडो को विशेष वेतन भत्ता देने की मंजूरी दे दी है जो जेड प्लस (एएसएल) और जेड प्लस की शीर्ष दो श्रेणियों के तहत सुरक्षा प्राप्त कुछ महत्वपूर्ण व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। अधिकारियों के मुताबिक केंद्र सरकार के सुरक्षा प्रोटोकॉल जेड, वाई प्लस, वाई और एक्स के तहत वीआईपी सुरक्षा प्रदान करने वाले कर्मियों को भत्ता नहीं मिलेगा।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत व्यय विभाग द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि उसने ''वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी में लगे

सीएपीएफ कर्मियों को मूल वेतन के 20 प्रतिशत की दर से विशेष सुरक्षा भत्ता (एसएसए) देने के गृह मंत्रालय के प्रस्ताव की जांच की है।'' पीटीआई-भाषा के पास आदेश की प्रति है। इसमें कहा गया है कि एसएसए केवल उन सीएपीएफ कर्मियों को दिया जाएगा जो 'जेड प्लस' और जेड प्लस (एएसएल) श्रेणी के सुरक्षा प्राप्त लोगों के लिए वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी में लगे हैं, जिसमें एसपीजी और एनएसजी के स्थान पर सीएपीएफ की तैनाती होती है। दो केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों - केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और केंद्रीय औद्योगिकी सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने कुछ वर्ष पहले इन इकाइयों के कमांडो के लिए विशेष भत्ता मांगा था, जैसा कि विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) को उनके मूल वेतन का 55 प्रतिशत अतिरिक्त वेतन मिलता है, तथा राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) को इस उच्च कौशल वाली ड्यूटी के लिए नियमित वेतन के अतिरिक्त 40 प्रतिशत अतिरिक्त वेतन मिलता है। दोनों बलों के वीआईपी सुरक्षा प्रकोष्ठों द्वारा करीब 350 वीआईपी को सुरक्षा मिली है जिनमें से केवल 35 ही इन दो शीर्ष श्रेणियों के अंतर्गत आते हैं। शीर्ष दो श्रेणियों में सुरक्षा प्राप्त वीआईपी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके दोनों बच्चे - लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जैसे उद्योगपति शामिल हैं।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने याद दिलाया भारत का एहसान

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने पीएम मोदी के साथ नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने भारत के पहले गणतंत्र दिवस को याद किया और कहा कि इंडोनेशिया गणराज्य का दूतावास भारत सरकार द्वारा दान की गई भूमि पर है। प्रबोवो गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि होंगे। देश की आजादी के बाद पहले गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो थे। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया की आजादी के संघर्ष के लिए भारत ने मजबूती के साथ उनके देश का साथ दिया था। इस दौरान भारत ने मेडिकल, आर्थिक सपोर्ट भी किया। दोनों देशों में एक मजबूत दोस्ती है। इसके लिए उन्होंने भारत का एहसान भी जताया और कहा कि मैं भारत की खुशहाली और सफलता के लिए प्रार्थना करता हूं। इससे पहले उन्होंने कहा कि मैं भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा में मुझे दिए गए सम्मान के लिए अपनी सर्वोच्च कृतज्ञता दोहराना चाहता हूं। आज राष्ट्रपति ने मेरा बहुत सम्मान के साथ स्वागत किया।

फर्जी सॉफ्टवेयर से 200 टोल पर झोल, 100 करोड़ से ज्यादा का स्कैम

महानगर नेटवर्क
मिर्जापुर

क्या देश के कई राज्यों में लंबे वक्त से टोल प्लाजा पर सॉफ्टवेयर से छेड़छाड़ करके सैकड़ों करोड़ का नुकसान सरकारी खजाने को पहुंचाया गया? यानी करोड़ों रुपया जो टोल प्लाजा पर लिए जाने के बाद सरकार के पास पहुंचना था, उसे कुछ टोल प्लाजा वाले ही फर्जीवाड़ा करके खा गए हैं।

दरअसल, उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने मिर्जापुर के अतरैला टोल प्लाजा पर कार्रवाई करके तीन लोगों की गिरफ्तारी की है। ये तीन लोग वो हैं, जिन पर शक है कि देश में कई राज्यों में 200 से ज्यादा टोल प्लाजा पर

एक सॉफ्टवेयर को इंस्टॉल कराके वो पैसा सरकारी खजाने तक नहीं पहुंचने दिया। एक अनुमान है कि ये 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का घोटाला हो सकता है. जिसमें जनता को कोई सीधा नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन जनता का घाटा जरूर हुआ है, कैसे ये बताएं उससे पहले समझिए कैसे देश के टोल प्लाजा पर फर्जी वसूली का ये घपला पक़ड़ा गया है।

टोल प्लाजा पर अगर कोई गाड़ी बिना फास्टटैग आती है, तो उससे दोगुना टोल लेने का नियम है। नियम है कि बिना फास्टटैग वाली गाड़ी से जो दोगुना टोल लिया जाता है, उसमें 50 फीसदी पैसा NHAI यानी नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया को भेजा जाता है, लेकिन दावा है कि आरोपियों ने देश के 200 टोल प्लाजा पर NHAI के कंप्यूटर में अपना सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर रखा था। जिसमें बिना फास्ट टैग वाली गाड़ी से दोगुना टोल का पैसा कैश तो टोल प्लाजा पर ले लिया जाता था और फिर उसे NHAI को देने की जगह पूरा पैसा टोल प्लाजा वाले आरोपियों के साथ मिलीभगत करके अपने खाते में रख लेते. बाकी अपने बनाए सॉफ्वेयर की मदद से जिस गाड़ी से टोल लिया है, उसे एक्जेम्प्टेड श्रेणी यानी टोल फीस से मुक्त कैटेगिरी में जाने दिया जाता।

बीजेपी का चुनाव खत्म हो गया : आप

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

दिल्ली में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हैं। इस बीच बीजेपी ने शनिवार को अपने संकल्प पत्र का तीसरा हिस्सा जारी किया। अमित शाह ने इस संकल्प पत्र को लॉन्च किया। वहीं अब इस पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी के पास दिल्ली को लेकर कोई योजना नहीं है।

अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, "आज अमित शाह जी दिल्ली आए और मुझे गालियां देकर चले गए। क्या गालियों से

दिल्ली का विकास होगा? इनके पास दिल्ली के लिए ना कोई प्लान है ना कोई विजन. अरे, और कुछ नहीं तो जो सुविधाएं हम दे रहे हैं, उन्हें ही रिपीट कर देते? बीजेपी सरेंडर कर चुकी है. बीजेपी का चुनाव खत्म हो गया।" आज अमित शाह जी दिल्ली आए और मुझे गालियाँ देकर चले गए। क्या गालियों से दिल्ली का विकास होगा? इनके पास दिल्ली के लिए ना कोई प्लान है ना कोई विज़न। अरे, और कुछ नहीं तो जो सुविधाएं हम दे रहे हैं, उन्हें ही रिपीट कर देते? बीजेपी सरेंडर कर चुकी है। बीजेपी का चुनाव ख़त्म हो गया। शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, आपने मोहल्ला क्लिनिक का झांसा देकर दिल्ली की जनता को आधुनिक हॉस्पिटल भी नहीं दी।

स्ट्रैस को कम करने के लिए हमें खुद से ही प्रेरणा लेनी चाहिए : एस जयशंकर

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण बढ़ रहे तनाव के मामलों को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सलाह दी है। उन्होंने कहा कि हमें रात को बेहतर नींद लेनी चाहिए और इसके साथ ही अपने रिलेशनशिप्स को भी समय देना चाहिए। हम जितना ज्यादा लोगों से जुड़ेंगे हमारी रीच उतनी ही ज्यादा बढ़ेगी और हम ज्यादा लोगों से कनेक्ट कर पाएंगे। इससे हमें तनाव को कम करने में मदद मिलेगी। एक बुक लॉन्च कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री ने जीवन से जुड़े कई किस्सों को साझा किया। उन्होंने कहा कि स्ट्रैस को

कम करने के लिए हमें खुद से ही प्रेरणा लेनी चाहिए। अपने जीवन की गलतियों को स्वीकार करने और उन्हें सुधारने के लिए आत्मविश्वास विकसित करने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसा करने से हम स्ट्रैस को न केवल कम कर पाएंगे बल्कि जीवन में सफलता भी प्राप्त करेंगे।

विदेश मंत्री ने कहा कि ज्यादातर लोग जानते होंगे कि यहां तक पहुंचने के लिए मैंने यूपीएससी क्लियर किया होगा। लेकिन मैं आपको बताऊं तो मैंने आईआईटी के एग्जाम में भी बैठा था लेकिन वह मुझसे क्लियर नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी असफलता के बाद निराश नहीं होना चाहिए। लगातार आत्म सुधार की दिशा में काम करते रहना चाहिए।

जयशंकर ने कहा कि आज मैं अपने राजनयिक करियर को पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे तीन सी याद आते हैं। पहला कॉन्टेक्ट, जितना आग लोगों से मिलेंगे उतना ही लोग आपको जानेंगे। दूसरा क्रेडिबिलिटी, अगर आप लोगों से बात चीत करेंगे और उनको अपनी बात समझाएंगे तो वह आपके लिए काम कर सकते हैं।

पहली ही बातचीत में अमेरिकी विदेश मंत्री को चीन ने दी धमकी

महानगर नेटवर्क
वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप एक के बाद एक फैसले ले रहे हैं। उन्होंने चीन पर भी ज्यादा टैरिफ लगाने के संकेत दिए हैं। इस बीच, चीन के विदेश मंत्री वांग यी और अमेरिका के नए विदेश मंत्री मार्को रुबियो की फोन पर बात हुई, जिस दौरान उन्होंने एक फ्रेज बोला जिसका मोटे तौर पर मतलब 'ढंग से रहो' था। इन शब्दों को चीन की ओर से अमेरिका को धमकी की तरह भी देखा जा रहा है। वांग यी और रुबियो की डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बातचीत है। पहली ही बातचीत में तनाव जैसी स्थिति होने की वजह से भविष्य में दोनों देशों के बीच टेंशन और बढ़ने की भी आशंका

जताई जा रही है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, वांग ने रुबियो से कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप उसी के अनुसार काम करेंगे।" उन्होंने चीनी मुहावरा इस्तेमाल किया जो आमतौर पर एक शिक्षक या बॉस द्वारा किसी छात्र या कर्मचारी को अपने व्यवहार को सही तरीके से करने और अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार होने की चेतावनी देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। रुबियो और चीन के बीच संबंध बहुत अच्छे नहीं रहे हैं, क्योंकि रुबियो ने अमेरिकी सीनेटर के तौर पर चीन की मुखर आलोचना की है। उन्होंने चीन के मानवाधिकार रिकॉर्ड पर सवाल उठाए हैं। चीनी सरकार ने 2020 में दो बार उन पर प्रतिबंध लगाए।

चीनी विदेश मंत्रालय ने सही विकल्प चुनें और वह जो कहते या करते हैं, उसके बारे में बहुत विवेकपूर्ण रहें का इस्तेमाल 'तदनुसार कार्य करें' के बजाय किया है। इस बयान से पता चलता है कि चीन एक तरह से अमेरिका को चेतावनी भी दे रहा है। सेंटर फॉर चाइना एंड ग्लोबलाइजेशन के रिसर्च फेलो जिचेन वांग ने कहा, ''यह वाक्य एक तरह से छिपी हुई चेतावनी जैसा है और साथ ही आगे की कूटनीतिक भागीदारी के लिए आवश्यक शिष्टाचार को भी बनाए रखती है।'' रुबियो ने चीन के नेता शी जिनपिंग के शब्दों को समझने के लिए मूल चीनी का उल्लेख करने के महत्व का हवाला दिया। उन्होंने कहा, "उन्होंने जो अंग्रेजी अनुवाद प्रस्तुत किया है, उसे न पढ़ें क्योंकि अंग्रेजी अनुवाद कभी सही नहीं होता।" वहीं, अमेरिकी बयान में इस वाक्यांश का उल्लेख करने से परहेज किया गया और कहा गया कि रुबियो ने वांग से कहा कि ट्रंप प्रशासन चीन के साथ अपने संबंधों में अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाएगा। बयान में ताइवान और दक्षिण चीन सागर में चीन की बलपूर्वक कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई।

विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा भारत के सबसे प्रदूषित शहर

महानगर नेटवर्क
अमरावती

एक प्रसिद्ध कहावत है कि हम जो सांस लेते हैं, वह हमारा जीवन है। लेकिन क्या होगा अगर जिस हवा में हम सांस लेते हैं, वह जहरीली हो जाए? दुर्भाग्य से, यही वास्तविकता है जिसका सामना आंध्र प्रदेश कर रहा है। हाल के अध्ययनों और सरकारी रिपोर्टों से पता चलता है कि राज्य में वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है, जिससे यहां के निवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण को खतरा है।

बढ़ता प्रदूषण, बढ़ता खतरा

एक प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल लैंसेट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भारत में वायु प्रदूषण समय से पहले होने वाली मौतों के प्रमुख कारणों में से एक है। देश के 10 प्रमुख

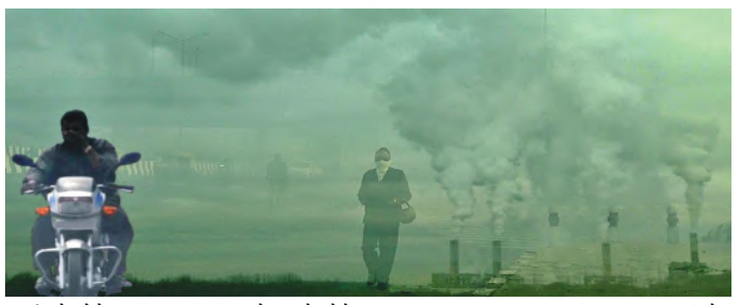

शहरों में होने वाली कुल समय से पहले होने वाली मौतों में से 7% के लिए वायु प्रदूषण ही जिम्मेदार था। चिंताजनक बात यह है कि यह समस्या अब केवल बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। छोटे शहरों में भी वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (CREA) की एक हालिया रिपोर्ट में पाया गया कि पिछले साल सितंबर में विशाखापत्तनम छह दिनों तक और विजयवाड़ा तीन दिनों तक देश के शीर्ष 10 सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल रहे। वास्तव में, आंध्र प्रदेश के 26 शहर और कस्बे उसी महीने में कम से कम पांच बार शीर्ष 67 सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल थे। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने आंध्र प्रदेश के 13 शहरों में विशाखापत्तनम, विजयवाड़ा, गुंटूर, कुरनूल, नेल्लोर, अनंतपुर, चित्तूर, एलुरु, कडप्पा, ओंगोल, राजमुंदरी, विजयनगरम और श्रीकाकुलम को राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रहने के लिए चिह्नित किया है. यह इन शहरों में रहने वाले लोगों के लिए कितना बड़ा खतरा है, यह दिखाता है। हालांकि 2026 तक 131 शहरों में महीन कण पदार्थ (PM2.5) के स्तर को 40% तक कम करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा एक राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता कार्यक्रम शुरू किया गया है, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निष्कर्ष कुछ और ही बताते हैं।

उत्तरकाशी में 48 घंटे में सात बार भूकंप

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में शनिवार सुबह और शाम को फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। बीती शुक्रवार को भी तीन बार किए भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। 48 घंटे में सातवीं बार भूकंप के झटकों से लोग दहशत में आ गए। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 5 बजकर 48 मिनट पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। भूकंप की तीव्रता 2.04 मापी गई। वहीं इसका केंद्र तहसील डुण्डा के ग्राम खुरकोट और भरणगांव के मध्य के वन क्षेत्र में था। फिलहाल जिले में कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। जिला प्रशासन का कहना है कि आईएमडी ने बताया कि

अभी के भूकंप के झटकों का स्केल मापा नहीं गया है। इसके साथ ही पांच बजे के आसपास भूकंप के तीन झटके आए हैं, इसमें दो महसूस किए गए और एक नहीं। उत्तरकाशी में शुक्रवार को तीन बार भूंकप के झटके महसूस किए गए थे। इस महीने राज्य की बात करें तो बागेश्वर जिले में भी भूंकप आ चुका है। पिछले महीने भी राज्य में भूंकप के झटके महसूस किए गए थे।

पिछले महीने भी पांच बार आ चुका भूंकप

राज्य में पिछले महीने भी कई भूंकप आ चुके हैं। नेशनल सेंटर फार सिस्मोलॉजी ने पिछले महीने आए भूंकप को लेकर रिपोर्ट तैयार की है। उसमें बताया गया कि दिसंबर के महीने में देश में 44 भूंकप आया। इसमें सर्वाधिक मणिपुर में छह और उसके बाद उत्तराखंड और असम में पांच-पांच आए। विनोद कुमार सुमन कहते हैं कि आपदा की दृष्टि से भी कदम उठाए जा रहे हैं। आपदा की पूर्व सूचना देने के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम को लेकर कार्य हो रहा है। वरुणावत पर्वत के ट्रीटमेंट के लिए जिला प्रशासन ने पांच करोड़ की राशि मांगी है।

बांग्लादेशियों पर महाराष्ट्र पुलिस की नकेल, 10 को किया अरेस्ट

महानगर संवाददाता
कल्याण/डोंबिवली

ठाणे जिले में छापेमारी कर देश में अवैध रूप से रहने के आरोप में पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि कल्याण और डोंबिवली शहरों में ये छापे मारे गये थे। पुलिस उपायुक्त (जोन 3-कल्याण) अतुल जेंडे ने बताया कि चार महिलाओं और एक पुरूष को गिरफ्तार किया गया है जो इन इलाकों में छोटे-मोटे काम करते थे। उन्होंने बताया कि आरोपी गांधीनगर की एक झुग्गी कॉलोनी और कल्याण रेलवे स्टेशन के पास रह रहे थे। जें डे ने बताया कि ये लोग भारत में प्रवेश करने और यहां रहने के पक्ष में कोई सबूत नहीं दिखा पाये। इसके बाद उनपर विदेशी नागरिक अधिनियम, भारतीय पासपोर्ट अधिनियम

और पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। मुंबई के कल्याण उल्हासनगर समेत महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में रह रहे अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की धर पकड़ तेज हो गई है। मुंबई व उपनगर तथा ठाणे जिले के तमाम क्षेत्रों में बड़ी तादाद में बांग्लादेशी नागरिकों ने अपना अड्डा बना रखा है। वहीं कुछ लोगों ज्यादा पैसों की लालच में इन्हें संरक्षण देने का काम भी करते हैं। परिमंडल 3 के अंतर्गत आने वाले मानपाड़ा पुलिस स्टेशन व महात्मा फुले पुलिस की हद से कुल पांच बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया जिनमें, तीन महिलाएं भी शामिल हैं। चोरी छुपे बांग्लादेश की सीमा से घूसखोरी के जरिए यह भारत में प्रवेश करते हैं और यहां पर जुगाड़ के माध्यम से वैध कागजात बनाने में भी सफल हो जाते हैं। मुंबई, कल्याण उल्हासनगर में ज्यादातर चिकन सेंटर, फेरीवाले व जूस की दुकानों में इनकी बहुतायत संख्या है, ऐसा लोगों का कहना है। ठाणे के पुलिस आयुक्त के आदेश पर परिमंडल 3 में इनकी धर पकड़ तेज कर दी गई है। इसके तहत एक अलग टीम के माध्यम से इनको खोजने का काम किया जा रहा है।

नालासोपारा से नौ बांग्लादेशी गिरफ्तार

नालासोपारा। नालासोपारा पेल्हार पुलिस स्टेशन ने गांगडीपाडा और धानिवबाग क्षेत्र से 9 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जो अवैध रूप से नालासोपारा में रह रहे थे। इन आरोपियों में 7 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नूरजलाल अल्ताफ हुसेन मोल्ला, राखी नुरजलाल मोल्ला (तंजीला खातुन), मालुती बाबुल मिस्त्री, अकलिमा जोटु विश्वास, रत्ना अमानत मोल्ला (आशा सचिन शिंदे), जावेदुल अजीजुर रेहमान शेख, रुबी जोनाद्दीन खातुन, दिलरुबा पंकज चौहान और फातिमा मंडल जावेदुल रेहमान शेख शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1950 की धारा 3(ए), 6(ए) और विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा 14 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पेल्हार पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक जितेंद्र वनकोटी के नेतृत्व में अपराध दस्ते की टीम ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में की है। पुलिस ने आगे बताया कि यह कार्रवाई अवैध प्रवास के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है और इससे पहले भी कई विदेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है।

रिक्शा पर जर्जर पेड़ गिरने से ड्राइवर की मौत, अधिकारियों को लेकर लोगों में गुस्सा

डोंबिवली। डोंबिवली में शनिवार को दर्दनाक हादसा हुआ है। एमआईडीसी परिसर में जर्जर पेड़ अचानक रिक्शा पर गिर गया। हादसे में रिक्शा चालक की मौत हो गई। दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। मृतक की पहचान नाम रामदिन लोद के रूप में हुई है। रिक्शा चालक सवारी का इंतजार कर था। अचानक रिक्शा जर्जर और पुराने पेड़ की चपेट में आ गया। रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग मौके पर आनन फानन पहुंचे। तब तक रामदिन दम तोड़ चुका था।

घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। फुटेज में जर्जर पेड़ को रिक्शा पर गिरते देखा जा सकता है। प्रत्यक्षदर्शी विनोद दुबे ने बताया, " पेड़ काफी समय से खतरनाक स्थिति में था। इलाके के लोगों ने कई बार अधिकारियों से गुहार लगाई। पेड़ को काटने की कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि अनहोनी को टाला जा सकता था।

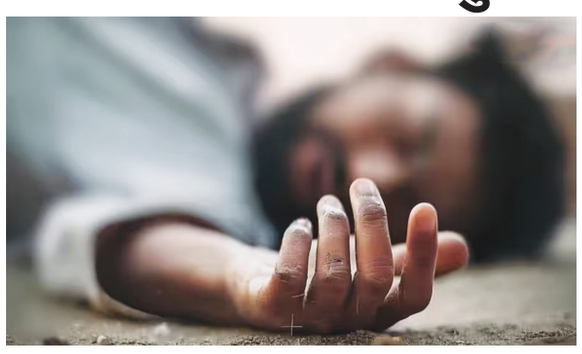

निगम के खिलाफ प्रदर्शन की चेतावनी

अधिकारियों की लापरवाही से लोग आक्रोशित हैं। उन्होंने घटना पर गहरी नाराजगी जताई। लोगों ने बताया कि इलाके में कई पेड़ कभी भी भरभराकर गिर सकते हैं। हादसे को रोकने के लिए जिला प्रशासन गंभीर नहीं है।

लोगों ने नगर निगम और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि रिक्शा चालक की दर्दनाक मौत ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। पेड़ों की समय रहते छंटाई या कटाई क्यों नहीं की गई? क्या प्रशासन को किसी

बड़े हादसे का इंतजार था? पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन के स्तर पर आश्वासन मिला है कि अन्य खतरनाक पेड़ों की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जाएगी। सवाल उठता है कि रामदिन लोद जैसे निर्दोष नागरिक की जान लौट पाएगी?।

डॉ. राममनोहर त्रिपाठी की जयंती मनाई गई

मुंबई। डॉ. राममनोहर त्रिपाठी फाउंडेशन द्वारा डॉ. राममनोहर त्रिपाठी की जयंती के अवसर पर घाटकोपर पश्चिम हिमालय सोसायटी स्थित डॉ. राममनोहर त्रिपाठी सभागार में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र कांग्रेस के कार्याध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मो. आरिफ (नसीम) खान,वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी,बृजमोहन पांडे और आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, दिनेश ठक्कर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में डॉ. राममनोहर त्रिपाठी के समाज में किए गए योगदान और उनकी विचारधारा पर चर्चा की गई। उपस्थित वक्ताओं ने उनके जीवन से प्रेरणा लेने और समाज कल्याण के लिए कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर, प्रभाकर जावकर, वजीर मुल्ला, गणेश चव्हाण, बल्ले सिंह, दिनेश मधुकुंटा, शिवकुमार तिवारी, राधिका पवार सहित भारी संख्या मे महिला और पुरुष उपस्थित थे ।

गोरेगांव पूर्व के खड़कपाडा फर्नीचर मार्केट में आग

धुएं के गुब्बारे में तब्दील हुआ पूरा इलाका

मुंबई। गोरेगांव पूर्व के खड़कपाडा रहेजा बिल्डिंग स्थित फर्नीचर मार्केट में लगी आग विकराल हो गई थी। पूरे इलाके में धुंआ -धुंआ हो गया था। धुंए का गुब्बारा दूर - दूर से दिखाई दे रहा था। आग की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग को बुझाने की कार्रवाई शुरू की। आग फर्नीचर गोडाउन में लगी होने के कारण तेजी से फैली, जिससे आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग को तीन नंबर की आग घोषित करनी पड़ी। मिली जानकारी के अनुसार गोरेगाव पूर्व में खड़कपाड़ा

के रहेजा बिल्डिंग स्थित फर्नीचर गोडाउन में शनिवार दोपहर लगभग 11 बजाकर 15 मिनट पर अचानक आग लग गई। आग बुझाने के लिए पहले चार गाड़ियों का उपयोग किया गया। लेकिन इस बीच लकड़ी का फर्नीचर में आग तेजी से फैली और पूरे परिसर में धुंआ - धुआ हो गया था। आग के गुब्बारे दूर दूर तक दिखाई दे रहे थे। आग को फैलता देख आस पास के परिसर में आग के फैलने की संभावना को देखते हुए आग को तीन नंबर की घोषित कर आग बुझाने के लिए 12 फायर इंजन, 11 पानी के टैंकर , 3 एड-ब्ल्यूटीटी, रोबो, बीए वैन, सीपी, एमडब्ल्यूटीवी साइट पर लगाए गए। पांच दमकल केंद्रों से आग बुझाने वाली गाड़िया बुलानी पड़ी। आग पर लगभग पांच घंटे के बाद काबू पाया गया। आग पर शाम 4 बजकर 36 मिनट पर काबू पाया गया और कूलिंग का काम किया गया। आग फर्नीचर बाजार के ग्राउंड फ्लोर में बने फर्नीचर दुकानों लगी थी,जो कि फैल कर लगभग 2000X2000 वर्ग मीटर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया था। आग में लकड़ी के फर्नीचर, प्लास्टिक सामग्री, स्कैप सामग्री, थर्मोकोल, प्लाईवुड आदि के 5-6 गोडाउन जलकर ख़ाक हो गए।

रोते रहे लोग, टूटता रहा घर

➤हमे आश्वासन नहीं चाहिए हमे हमारा घर चाहिए लोगो में रोष
➤तीन इमारत टूटने के बाद पहुंचे विधायक,सांसद

महानगर संवाददाता
नालासोपारा

नालासोपारा पूर्व के अग्रवाल नगरी स्थित लक्ष्मी नगर में डंपिंग ग्राउंड व एसटीपी प्लांट के लिए आरक्षित जमीन पर 41 अवैध इमारतों का निर्माण किया गया है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश के बाद वसई - विरार शहर महानगरपालिका ने 23 जनवरी को अवैध इमारतों पर तोड़क कार्रवाई शुरु कर दी है। वही,इस तोड़क कार्रवाई से राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। वसई-विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिति (डी) के सहायक आयुक्त मोहन संखे की माने तो 34 बिल्डिंग में 2121 फ्लैट,जिसमे लगभग 6 हजार 700 लोग रहते है। फ्लैट के लोगों को महानगर पालिका ने 3 बार खाली करने की नोटिस दे चुकी है। महानगरपालिका ने 23 जनवरी को 400 पुलिस और सैकड़ों महानगर पालिका अधिकारी -कर्मचारी और मजदूर की मौजूदगी में तोड़क कार्रवाई शुरू कर दी है।

कड़े बंदोबस्त के बीच तोड़क कार्रवाई

गुरुवार को मनपा ने एक बिल्डिंग को धराशाई कर दिया है। वहीं 24 जनवरी को महानगरपालिका ने सुबह कड़ी बंदोबस्त के बीच तोड़क कार्रवाई शुरू करने पहुंची। लेकिन बिल्डिंग खाली नहीं थी, जिसके बाद मनपा और पुलिस प्रशासन कड़ी मेहनत करनी पड़ी और बिल्डिंग को खाली करवाया। लेकिन कुछ फ्लैट रहवासी बिल्डिंग खाली करने को तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि हम कहां जाए,हमारा घर टूट रहा हमें घर चाहिए तब हम खाली करेंगे,लेकिन प्रशासन किसी तरह उन्हें समझाया। फिर वह लोग फ्लैट खाली किए। एक तरफ जहां उनका आशियाना टूट रहा था। वहीं दूसरे ओर रहने के लिए तंबू लगा रहे हैं। क्योंकि इस मुसीबत में कोई सुनने वाला उनका कोई नहीं है। इस दुख की घड़ी में नेता से लेकर समाजसेवी सब लापता है। उनका हालचाल तक लेने नहीं पहुंच रहे हैं। एक 9 वीं की छात्रा के आंखों में आंसू टपक रहे थे,वह रोती हुई कहती है कि पिछले चार दिन स्कूल और ट्यूशन तक नहीं गई,अब हमारा घर टूट गया है हम कैसे पढ़ेंगे? हमारे पापा के पास 30 लाख और 50 लाख नहीं है जो खुद का फ्लैट ले सकते हैं। मनपा ने बताया कि,24 जनवरी को साईं कृपा और अंकिता नामक बिल्डिंग तोडी गई है।

मनपा आयुक्त ने एमएमआरडीए की सात सड़कों को लेकर की समीक्षा बैठक

उल्हासनगर। शहर में एमएमआरडीए द्वारा चल रहे 7 सड़कों के निर्माण कार्य को लेकर प्रशासक एवं आयुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, बैठक में निर्माण कार्य की धीमी प्रगति और खुदाई के कारण हो रही परेशानियों पर चर्चा की गई नागरिकों को हो रही धूल की समस्या के समाधान और कार्य में तेजी लाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्देश जारी किये गये,जिसमें एमएमआरडीए द्वारा किए जा रहे सड़कों के निर्माण कार्यों की दैनिक निरीक्षण रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों द्वारा साझा की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खींची गई तस्वीरें व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा की जायेगी, यदि मनपा के किसी कार्य (जैसे अतिक्रमण हटाना, पेड़ों की कटाई, ड्रेनेज पाइप का स्थानांतरण) के कारण एमएमआरडीए का कार्य बाधित हो रहा है, तो इसे जल्द पूरा किया जायेगा, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एमएमआरडीए प्राधिकरण को निर्माण स्थलों पर बैरिकेडिंग करने और धूल नियंत्रण के लिए नियमित पानी छिड़काव के निर्देश दिये गये,. निर्माण स्थलों पर काम का विवरण दर्शाने वाले बोर्ड लगाए जाएंगे, जिसमें कार्य का नाम, संबंधित विभाग, ठेकेदार का नाम और संपर्क नंबर शामिल होगा,अगली संयुक्त बैठक गुरुवार को एमएमआरडीए अधिकारियों, संबंधित ठेकेदारों, मनपा अभियंताओं और एमएसईबी अधिकारियों के साथ मुख्यालय में आयोजित की जायेगी।

ट्रेड यूनियनों के साथ संवाद शिविर का आयोजन

महानगर संवाददाता
ठाणे

ठाणे कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), उप-क्षेत्रीय कार्यालय में विभिन्न ट्रेड यूनियनों के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद शिविर का आयोजन ईएसआईसी के संयुक्त निदेशक सुधाकर सिंह के मार्गदर्शन में किया गया था। इस बैठक में कई प्रमुख ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि की उपस्थिति में श्रमिकों के हितलाभ से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया गया। बैठक में ट्रेड यूनियन प्रतिनिधि के रूप में राष्ट्रीय सर्व श्रमिक संघ के राज्य महासचिव सुरेश कोतले,महाराष्ट्र राज्य कामगार संघ के सचिव संतोष पठाने, महाराष्ट्र परिश्रम संघ अध्यक्ष दिलीपकुमार मुंढे और राष्ट्रीय मूलनिवासी बहुजन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गणेश पाटील उपस्थित थे। इस बैठक में

सुरेश कोलते ने रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों में ईएसआईसी अस्पतालों की संख्या बहुत कम है या चिकित्सा सुविधाओं का पूर्ण अभाव है,जिससे श्रमिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने में मुश्किल होती है। संतोष पठाने ने सुझाव दिया कि ईएसआईसी द्वारा साहित्य में राज्य भाषा का उपयोग किया जाए,जिससे यह स्थानीय लोगों के लिए अधिक सुलभ हो सके। वागले विभाग संघटक, शिवसेना महिला अघाड़ी साक्षी पठाने और महाराष्ट्र परिश्रम संघ सचिव हीना शैख ने ईएसआईसी ठाणे कार्यालय की सुविधाओं और महिला सुरक्षा तथा निगरानी के लिए सीसीटीव के संस्थापन की सराहना की। गणेश पाटिल ने वेतन सीमा को 21,000/- रुपए से बढ़ाकर 30,000/- रुपए करने का सुझाव दिया, ताकि अधिक संख्या में श्रमिकों को ईएसआईसी योजना के तहत कवर किया जा सके। इन सभी मुद्दों का प्रभावी रूप से समाधान संयुक्त निदेशक सुधाकर सिंह द्वारा किया गया, एवं यूनियन प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि इन सुझावों पर यथा शीघ्र एवं यथासंभव अमल किया जाएगा। बैठक का समापन उप क्षेत्रीय कार्यालय के उपनिदेशल सुशीलकुमार श्यामकुवर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

वाहन डिक्की से एक लाख रुपये की नकदी चोरी

महानगर संवाददाता
भिवंडी

भिवंडी शहर में एक वाहन की डिक्की से चोरी की घटना सामने आई है। शिकायतकर्ता किशोर नामदेव खंडलवाल (28), जो पेशे से मेडिकल व्यवसायी हैं और मानसरोवर, भिवंडी में रहते हैं, ने भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता ने अपनी गाड़ी महाराजा हॉल, मानसरोवर, भिवंडी के सामने खड़ी की थी। गाड़ी की डिक्की में एक लाख रुपये की नकदी रखी हुई थी। अज्ञात आरोपी ने डिक्की खोलकर नकदी चोरी कर ली। शिकायत मिलने के बाद, भिवंडी शहर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303 (चोरी) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी को पकड़ने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय रेल को मतदाता जागरूकता अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पुरस्कृत किया। भारतीय रेल की ओर से यह पुरस्कार रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने ग्रहण किया।

सिग्नल स्कूल के छात्र देंगे तिरंगे को रोबोटिक सलामी

ठाणे। आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में नया अध्याय जोड़ते हुए, सिग्नल स्कूल के छात्रों ने इस बार गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगे को रोबोटिक सलामी देने की अनोखी पहल की है। लगातार तीन वर्षों से अंतरराष्ट्रीय रोबोटिक प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके इन छात्रों ने इस समारोह के लिए एक नया रोबोट तैयार किया है और पूरी कोडिंग भी खुद विकसित की है। बता दें कि समर्थ भारत व्यासपीठ और ठाणे महानगरपालिका की पहल पर नौ साल पहले ठाणे के तीन हाथ नाका पुल के नीचे बेघर बच्चों के लिए शुरू किए गए सिग्नल स्कूल ने शिक्षा और तकनीक के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।

मध्य रेल

मरम्मत कार्य

खुलीई- निवीदासूचनासं–मरे/मंरेप्र(कार्य) बीबी/2025/01 दिनांक- 20.01.2025.

क्रमसंख्या- 1. कार्य का नाम: एडीईएन (एम) मानखुर्द के तहत मस्जिद-माहिम कॉर्ड, वडाला-जुईनगर से कुर्ला-ट्रॉम्बे खंड तक ऊंचाई गेज की मरम्मत और रखरखाव। **लगभग मूल्य रू में**: 159.04 लाख। **बयाना राशि रू में**: 229500.समापन अवधि 12 महीने।

क्रमसंख्या- 2. कार्य का नाम: क) (i) सीएसएमटी - सीएसएमटी मुंबई में नए एनेक्स भवन की पहली मंजिल पर स्टाफ कैंटीन का नवीनीकरण। (ii) सीएसएमटी - सीएसएमटी में जीएम भवन के भूतल पर स्टाफ कैंटीन का नवीकरण। ख) (i) सीएसएमटी- सीएसएमटी, मुंबई में फ्रंट साइड कॉलम, बीम, छत, सीढ़ी और पुराने एनेक्स भवन के अंदर के मार्ग की मरम्मत। (ii) सीएसएमटी - सीएसएमटी मुम्बई में स्टाफ के बैठने की जगह, मार्ग, सीढ़ी और पुराने एनेक्स और नए एनेक्स भवन के कार्यालयों की पेंटिंग। ग) सीएसएमटी - सीएसएमटी मुंबई में नए एनेक्स भवन के वरिष्ठ डीएफएम कार्यालय और स्टाफ बैठने की जगह का नवीनीकरण। **लगभग मूल्य रू में** :209.29 लाख। **बयाना राशि रू में**:254700. **समापन अवधि**: 10 महीने।

क्रमसंख्या- 3. कार्य का नाम: एडीईएन (वर्क्स) भायखला के अंतर्गत दादर-परेल कॉलोनी में मौजूदा आरबी-IV क्वार्टरों की आंतरिक मरम्मत। **लगभग मूल्य रू में**: 288.11 लाख। **बयाना राशि रू में**:294100. **समापन अवधि**: 12 महीने।

क्रमसंख्या- 4. कार्य का नाम: वर्ष 2024-25 के लिए एसएसई (वर्क्स) ठाणे के तहत जोन के बदले स्टेशन क्षेत्र, प्लेटफॉर्म और सेवा भवन में विविध वार्षिक रखरखाव कार्य। **लगभग मूल्य रू में**: 151.50 लाख। **बयाना राशि रू में**:225800. **समापन अवधि** :12 महीने।

क्रमसंख्या- 5. कार्य का नाम: कर्जत-लोनावाला - एसई घाट में एमएचसी-टीकेडब्ल्यू के बीच पानी को ऊपर की ओर मोड़ने के लिए पहाड़ी की चोटी पर कैच वाटर ड्रेन और दीवार की व्यवस्था। (यह कार्य पहाड़ी की चोटी पर किया जाना है जो रेल स्तर से लगभग 200-250 मीटर की ऊंचाई पर है)। **लगभग मूल्य रू में** :759.95 लाख। **बयाना राशि रू में**:530000. **समापन अवधि**: 12 महीने।

क्रमसंख्या- 6. कार्य का नाम: दिव्यांगजन यात्रियों, गैर-उपनगरीय (एनएसजी 1 से 4) के लिए गैर-उपनगरीय (एनएसजी 1 से 4) और उपनगरीय (एसजी 1 से 2) स्टेशन पर प्रत्येक प्लेटफॉर्म पर कूलर के साथ कूलर के साथ अलग कम ऊंचाई वाले पेयजल बूथों का प्रावधान, गैर-उपनगरीय (एनएसजी 1 से 4): मुंबई सीएसएमटी, दादर, कल्याण, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, पनवेल, ठाणे, माथेरान, अमन लॉज (कुल 8 स्टेशन) उप-शहरी (एसजी 1 से 2): अंबरनाथ, बदलापुर, डोंबिवली, मुलुंड, भांडुप, मानखुर्द, सायन, ओरोली, चेंबूर, गोवंडी, खारगर, कर्जत, कलवा, नेरुल, तिलक नगर, उल्हासनगर, विठ्ठलवाड़ी, वाशी, अंबिवली, बेलापुर, कॉटन ग्रीन, घनसोली, जुई नगर, किंग्स सर्कल, कोपर खैरने, खानदेववार, मानसरोवर, नाहुर, सानपाड़ा, सेवरी, सीवुड, ठाकुरली (32 स्टेशन)। **लगभग मूल्य रू में**: 311.00 लाख। **बयाना राशि रू में**:305500. **समापन अवधि**:12 महीने।

क्रमसंख्या- 7. कार्य का नाम: क) एडीईएन (एम) इगतपुरी के तहत कसारा में अधिकारी और उपसमन्वय विश्राम गृह के लिए पुराने टीआरडी सब-स्टेशन का पुनर्वास। B) टिटवाला और वासिंद स्टेशन और एडीईएन (एनई) कल्याण के तहत कॉलोनी में जल निकासी प्रणाली में सुधार। (ग) वरिष्ठ सड़क अभियंता (पूर्वोत्तर) क्षेत्राधिकार में कल्याण-इगतपुरी खंड में आरओबी पहुंच मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर दुर्घटनारोधी बैरियर की व्यवस्था। **लगभग मूल्य रू में**: 548.06 लाख। **बयाना राशि रू में**:424000. **समापन अवधि**: 8 महीने।

क्रमसंख्या- 8. कार्य का नाम: एन ट्रस की मरम्मत, डेक स्लैब की मरम्मत, कॉलम और सीढ़ियों की मरम्मत, फर्श बीम की मरम्मत सहित सार्वजनिक एफओबी की प्रमुख मरम्मत। एडीईएन /एनई/कल्याण के अंतर्गत एसएसई/वर्क्स/टिटवाला खंड के खडवली, वसैंद और आसनगांव स्टेशनों पर। **लगभग मूल्य रू में**: 211.74 लाख। **बयाना राशि रू में**: 255900. **समापन अवधि**: 6 महीने।

क्रमसंख्या- 9. कार्य का नाम: क) दक्षिण पूर्व खंड के तहत कल्याण-लोनावाला के बीच लोनावाला, बीवीटी, कर्जत, अंबरनाथ, बुडलापुर, वांगनी और मेन लाइन पैच में यार्ड में फ्लैश बट वेल्डिंग के लिए अनुसूची। (ख) एडीईएन (एन) लोनावाला के अंतर्गत अतिदेय एटी वेल्ड के प्रतिस्थापन सहित मुख्य लाइन पर एटी वेल्ड को कम करने के लिए एफबी वेल्डिंग द्वारा टीडब्ल्यूआर । **लगभग मूल्य रू में**: 470.99 लाख। **बयाना राशि रू में**:385500. **समापन अवधि**:12 महीने।

क्रमसंख्या- 10. कार्य का नाम: (क) डीईएन (एलएम) सीएसएमटी के अंतर्गत अपशिष्ट सफाई, कीटनाशक छिड़काव, दैनिक आधार पर निषेचन, बगीचे से जंगली विकास को उखाड़कर और मृत पौधों को बदलकर और मुंबई सीएसएमटी से कल्याण मुख्य लाइन, सीएसएमटी से मानखुर्द (एचबी लाइन) तक उद्यान में सुधार करके स्टेशन उद्यान का रखरखाव और विकास। (ख) स्टेशन गार्डन के लिए बाड़ लगाना और संविरचन। (ग) बोरवेल सिंचाई/सिंचाई के लिए बोरी। (घ) बी/पार्क उद्यान, जीएम कार्यालय उद्यान, जीएम कैंप कार्यालय, उद्यान लॉन, झाड़ियों, फूलों की क्यारियों, फूलदानों आदि का रख-रखाव और रखरखाव, पौधों, लॉन वृक्षों आदि की छंटाई और छंटाई जिसमें कूड़ा-कचरा और कच्चा तेल आदि शामिल है। **लगभग मूल्य रू में**: 377.69 लाख। **बयाना राशि रू में**: 338900. **समापन अवधि**: 24 महीने।

उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय क्र.1 दिनांक 05.02.2025, क्र. 2 दिनांक 03.02.2025, क्र.3 और 4 दिनांक 10.02.2025, क्र. 5 दिनांक 14.02.2025, क्र.6,7,8 और 9 दिनांक 17.02.2025, क्र.10 दिनांक 18.02.2025 को 11.00 बजे तक और 11.00 बजे के बाद खोला जाएगा निविदा और शुध्दिपत्र के विवरण हेतुं अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर भेट देने का अनुरोध है। इलेक्ट्रॉनिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप सेटेंडर से ऊपर ई-टेंडर में भाग लिया जा सकता है और ई-टेंडर के खिलाफ मैनुअल स्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से, यदि प्रस्तुत किया गया है तो न तो खोला जाएगा और न ही माना जाएगा। **www.ireps.gov.in** वेबसाइट में प्राकृति क नियम के अनुसार उपलब्ध किए गएई पेमेन्ट के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क : मंडल रेल प्रबंध क (कार्य) कार्यालय, मध्य रेल। फोन– 022-67455323 यह विदाएं सार्वजनिक खरीदनीति आदेश 2017 दिनांक 16.9.2017 के अनुरूप है । निवीदाओं संबधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा संबधी संपूर्ण विवरण उपरोक्त कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), तीसरी मंजील, कंम्पूटरीकृत आरक्षण केंद्र केऊपर, छशिमटमुंबई–400001 के "नोटिसबोर्ड" पर भी उपलब्ध है।

DE-720

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

मध्य रेल

शुद्धिपत्र क्रमांक 1

निविदा क्रमांक 81241026A, विभाग / रेलवे स्टोर / मध्य रेलवे समापन: 03.02.2025. **निविदा शीर्षक**: अनारक्षित टिकट के लिए 500 प्रत्येक का थर्मल टिकट रोल. **संशोधन: 1) एनआईटी हेडर: फ़ील्ड का नाम: निविदा बंद होने की तिथि / समय**. मौजूदा मान: **22.01.2025 /11.30 पूर्वाहन.** संशोधित मान: **03.02.2025 / 11.30 पूर्वाहन**.

DE-723

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

सार्वजनिक सूचना

यह सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाता है कि मैं, श्री अशोक कुमार त्रिपाठी, ने 15.08.1998 को श्रीमती मोनिका त्रिपाठी से (पताः मकान नंबर 117/44, एम ब्लॉक, काकादेव, कानपुर, उत्तर प्रदेश – 208019, विवाह किया था. यह एक अरेंज्ड मैरिज थी. हमारे एक 24 वर्षीय पुत्र, श्री अपूर्व राज त्रिपाठी हैं. मेरी पत्नी श्रीमती मोनिका त्रिपाठी ने 23 जनवरी 2021 को मुझे और हमारे बेटे को छोड़ दिया और तब से हम **फ्लैट क्र. 904, बिल्डिंग नं. 5, सफायर हाइट्स, लोखंडवाला टाउनशिप आकुर्ली रोड, कांदिवली पूर्व, मुंबई 400 101**, इस पते पर रह रहे हैं (जो मेरी बहन का है). मैंने कई बार अपनी पत्नी से अनुरोध किया कि वह हमारे पास लौट आए, लेकिन उन्होंने मेरे अनुरोध का कोई उत्तर नहीं दिया, जिसका कारण उन्हें ही ज्ञात है। इन परिस्थितियों में, मैं निम्नलिखित विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध करता हूं: ए) मैं 23/01/2021 से अपनी पत्नी से अलग अपने बेटे के साथ रह रहा हूं, बी) मेरी पत्नी के साथ कोई अनहोनी होने पर मैं जिम्मेदार नहीं हूं, सी) भविष्य में उनके साथ किसी भी घटना के लिए मुझे दोषी न ठहराया जाए, क्योंकि मेरा उनके साथ कोई संपर्क नहीं है. डी) मैं उनकी किसी भी कानूनी और वित्तीय देनदारियों के लिए जिम्मेदार नहीं हूं. नोटः इस संबंध में पहले ही 20.01.2025 को समता नगर पुलिस स्टेशन, कांदिवली (पूर्व) को सूचित किया जा चुका है.

स्थानः मुंबई
दिनांकः 26.01.2025
हस्ता./-
अशोक कुमार त्रिपाठी

मध्य रेल

विभिन्न कार्य

निविदा सूचनाक्र.:डीआर.एन.सी.एसएंडटी. टेंडर.2024.11,दिनांक: 21.01.2025. कार्य का नाम उस के स्थान के साथ: पणवेल में बाहरी सिग्नलिंग उपकरण की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशन का कार्य, केंद्रीय रेलवे के मुंबई डिवीजन में पणवेल-कलंबोली कोचिंग टर्मिनस। के कार्य से संबंधित है। **कार्य की औसत लागत**: रु. 5,66,19,353.49. **जमा की जाने वाली बयाना रकम**: रु. 4,33,100/-. **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय**: 14.02.2025 को 15:00 बजे। **निविदा खुलने की तिथि एवं समय**: 14.02.2025 को 15:30 बजे। **वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड जहाँ से पूर्ण विवरण आदि देखे जासकते हैं**: वेबसाइट **www.ireps.gov.in** और "उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), तिलक पुल के पास, मध्य रेल, दादर, मुंबई - 400028" का कार्यालय. संशोधन (यदि हुआ) केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जायेगा।

DE-721

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

ICC पुरुष टी-20 टीम के कप्तान बने रोहित शर्मा

3 भारतीयों को भी मिली जगह

दुबई। पिछले साल जून में भारतीय टीम को दूसरा आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा को 'आईसीसी पुरुष टी20 टीम ऑफ द ईयर 2024' का कप्तान चुना गया। भारतीयों के दबदबे वाली इस टीम में स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी शामिल हैं। कप्तान और बल्लेबाज दोनों के तौर पर 2024 रोहित के लिए अविस्मरणीय रहा। इस अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने 11 मैचों में 42.00 के शानदार औसत और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 378 रन बनाए। रोहित ने तीन अर्धशतक जड़कर भारत के टी20 विश्व कप अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें सुपर आठ चरण में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रन की शानदार पारी भी शामिल है। रोहित के कुशल नेतृत्व ने दबाव भरी स्थितियों में युवा भारतीय टीम का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे उन्होंने भारत के सबसे महान टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तानों में से एक के तौर पर अपनी विरासत को मजबूत किया। पंड्या ने विश्व के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में से एक के रूप में अपना कद मजबूत किया और भारत के सफल अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 17 मैच में 352 रन बनाने के साथ 16 विकेट झटके जिससे आईसीसी पुरुष टी20 आलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे। पंड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए आखिरी ओवर में 16 रन बचाए जिससे भारत की खिताबी जीत सुनिश्चित हुई। फाइनल में उन्होंने 20 रन देकर तीन विकेट झटके जिससे दबाव में उनकी काबिलियत दिखी।

बुमराह ने 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी करते हुए अपनी सटीक और निरंतर गेंदबाजी से भारतीय आक्रमण की अगुआई की। उन्होंने आठ मैच में 8.26 के शानदार औसत से 15 विकेट लिए। उनकी खतरनाक यॉर्कर और अंतिम ओवरों में गेंदबाजी ने भारत की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे उन्हें आईसीसी के 'पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी के लिए नामांकित किया। बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 2024 में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, उन्होंने 18 मैचों में 13.50 की औसत से 36 विकेट झटके। अर्शदीप की गेंद को जल्दी स्विंग करने और अंतिम ओवरों में सटीक यॉर्कर डालने की काबिलियत ने उन्हें भारतीय टीम के लिए अहम बना दिया। उन्होंने टी20 विश्व कप के संयुक्त मेजबान अमेरिका के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नौ रन देकर 4 विकेट झटके। भारतीय खिलाड़ियों के अलावा आईसीसी 'पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम ऑफ द ईयर' में अन्य देशों के बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, इंग्लैंड के फिल सॉल्ट, पाकिस्तान के बाबर आजम, वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, अफगानिस्तान के राशिद खान और श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा शामिल हैं।

2024 की पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह (सभी भारतीय); ट्रेविस हेड (ऑस्ट्रेलिया); फिल सॉल्ट (इंग्लैंड); बाबर आजम (पाकिस्तान); निकोलस पूरन (विकेटकीपर; वेस्टइंडीज); सिकंदर रजा (जिम्बाब्वे); राशिद खान (अफगानिस्तान) और वानिंदु हसारंगा (श्रीलंका)।

महिला T20I टीम ऑफ द ईयर

मंधाना समेत टीम में तीन भारतीयों को मिली जगह

दिग्गज सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, विकेटकीपर ऋचा घोष और हरफनमौला दीप्ति शर्मा को शनिवार को भारतीय खिलाड़ियों की दबदबे वाली आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय साल 2024 की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया। इस टीम में तीन भारतीयों के अलावा दक्षिण अफ्रीकी और श्रीलंका के दो-दो जबकि इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और पाकिस्तान से एक-एक खिलाड़ी हैं। मंधाना और दीप्ति को शुक्रवार को आईसीसी महिला वनडे साल की सर्वश्रेष्ठ टीम 2024 में भी शामिल किया गया था। मंधाना के लिए साल 2024 शानदार रहा। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 54 रनों की शानदार पारी के साथ और इसका अंत घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार तीन अर्धशतकों के साथ किया। इस सलामी बल्लेबाज ने इस दौरान 23 मैचों में 763 रन बनाए और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी। मंधाना ने इस दौरान आठ अर्धशतक, 42.38 के प्रभावशाली औसत और 126.53 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 77 रन था। ऋचा की विस्फोटक बल्लेबाजी ने उन्हें पिछले साल भारत के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में से एक बनाया। उन्होंने पिछले साल की शुरुआत में यूएई के खिलाफ 29 गेंदों में नाबाद 64 रनों की तूफानी पारी खेली थी। उन्होंने 21 मैचों में दो अर्धशतक के साथ 33.18 के औसत और 156.65 के स्ट्राइक रेट से 365 रन बनाए। भारतीय टीम को 2024 में मिली सफलता में दीप्ति का योगदान काफी अहम रहा। उन्होंने अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से 17.80 की औसत से 30 विकेट लेकर प्रभावित किया। उन्होंने इस दौरान महज 6.01 की इकॉनमी रेट से रन दिए। दीप्ति ने एशिया कप में नेपाल और पाकिस्तान के खिलाफ तीन-तीन विकेट भी झटके थे।

आईसीसी महिला साल की सर्वश्रेष्ठ टी-20 टीम

लॉरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), मारिजन काप, स्मृति मंधाना, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, चामरी अट्टापट्टू, हेली मैथ्यूज, नेट सिवर-ब्रंट, अमेलिया केर, ओर्ला प्रेंडरगास्ट और सादिया इकबाल।

भारत समेत इन छह टीमों ने

वर्ल्ड कप 2025 के लिए किया डायरेक्ट क्वालीफाई

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ बांग्लादेश की हार के साथ आईसीसी वुमेंस वर्ल्ड कप 2025 के लिए डायरेक्ट क्वालीफाई करने वाली 6 टीमों के नाम साफ हो गए हैं। बची दो टीमों का फैसला वर्ल्ड कप क्वालिफायर के जरिए होगा। न्यूजीलैंड इस मेगा टूर्नामेंट के लिए डायरेक्ट क्वालीफाई करने वाली आखिरी टीम बनी। मेजबान होने के चलते भारत को डायरेक्ट एंट्री मिली थी, जबकि अन्य 5 टीमों ने वुमेंस चैंपियनशिप के जरिए अपना-अपना टिकट हासिल किया। इन 5 टीमों में न्यूजीलैंड के अलावा गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका शामिल है। वुमेंस चैंपियनशिप में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बराबर अंक थे, मगर ज्यादा मैच जीतने के चलते कीवी टीम को डायरेक्ट क्वालिफिकेशन का टिकट दिया गया। ऑस्ट्रेलिया ने 39 पॉइंट्स के साथ वुमेंस चैंपियनशिप जीती है जबकि भारत 37 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इंग्लैंड (32), दक्षिण अफ्रीका (25), श्रीलंका (22) और न्यूजीलैंड (21) अन्य टीमें हैं जिन्होंने वर्ल्ड के लिए डायरेक्ट क्वालीफाई किया है। बांग्लादेश (21), वेस्टइंडीज (18), पाकिस्तान (17) और आयरलैंड (8) को अब वर्ल्ड कप का हिस्सा बनने के लिए स्कॉटलैंड और थाईलैंड के साथ वर्ल्ड कप क्वालीफायर खेलना होगा। वर्ल्ड कप क्वालीफायर में हिस्सा लेने वाली इन 6 में से सिर्फ दो टीमें ही आईसीसी टूर्नामेंट का हिस्सा बन पाएगी। वुमेंस चैंपियनशिप में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के बराबर 24 में से 18 मैच जीते, मगर उनका एक मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ टाई रहा और 5 मैच हारे जिस वजह से टीम इंडिया के खाते में कांगारुओं के मुकाबले 2 कम अंक रहे।

टी-20 क्रिकेट में स्पिन का सामना करना खेल में मुश्किल काम : ब्रूक

चेन्नई। इंग्लैंड के उप कप्तान हैरी ब्रूक का मानना है कि कोलकाता में शाम के समय धुंध के कारण रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाजी का सामना करना दोगुना मुश्किल हो गया है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि चेन्नई की हवा सफेद कूकाबुरा गेंद को देखने के लिए अपेक्षाकृत साफ होगी। चक्रवर्ती ने पांच मैच की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड पर भारत की 7 विकेट की शानदार जीत में 33 रन देकर तीन विकेट चटकाए। उन्होंने जोस बटलर, लियाम लिविंगस्टोन और ब्रूक को आउट किया। ब्रूक ने कहा कि चक्रवर्ती काफी अच्छा गेंदबाज है। लेकिन उस रात धुंध के कारण उसे खेलना काफी मुश्किल था। उम्मीद है कि यहां हवा थोड़ी साफ होगी और हम गेंद को थोड़ा आसानी से देख पाएंगे। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में स्पिन का सामना करना शायद खेल में सबसे मुश्किल काम है, विशेषकर इसलिए क्योंकि मैं हमेशा बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हो जाता हूं। ब्रूक ने कहा कि वह स्पिन का मुकाबला करने के लिए अपना खुद का तरीका तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शायद मुझे थोड़ा संयम बरतना होगा लेकिन हम देखेंगे। मुझे लगता है कि मेरे पास एक तरीका है। बस इसे लगातार और अधिक बार करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं मध्य क्रम में आता हूं इसलिए मैं जिन शुरुआती कुछ गेंदों का सामना करता हूं वे आम तौर पर ऑफ स्पिन होती हैं। ब्रूक ने कुछ सत्र पहले आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से चक्रवर्ती की कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलते हुए शतक बनाया था। टी20 विश्व कप 2022 विजेता हैरी ब्रूक का टेस्ट रिकॉर्ड शानदार है।

शुभमन गिल ने रणजी में जड़ा धमाकेदार शतक

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से होने जा रहा है, इससे पहले भारतीय खिलाड़ियों की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई थी। हालांकि थोड़ी चिंता शुभमन गिल ने शतक जड़ दूर कर दी है। गिल का यह शतक कर्नाटक के खिलाफ दूसरी पारी में आया। हालांकि उनका यह शतक भी टीम की लाज नहीं बचा पाएगा। पहली पारी में पंजाब की टीम मात्र 55 रनों पर ढेर हो गई थी, जिसके जवाब में कर्नाटक ने 475 रन बोर्ड पर लगा दिए थे। शुभमन गिल के शतक के बावजूद पंजाब दूसरी पारी में 213 ही रन बना पाया। उन्हें इस मैच में पारी और 207 रनों के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। शुभमन गिल 171 गेंदों पर 14 चौकों और 3 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 102 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें श्रेयस गोपाल ने LBW आउट कर पवेलियन का रास्ता दिखाया। हालांकि गिल के इस शतक के बाद कोच गौतम गंभीर ने भी राहत की सांस ली होगी। हाल ही में हुई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में गिल समेत भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। बीसीसीआई ने ऐसे में खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना का निर्देश दिया था। गिल के अलावा कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा ने इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। गिल के अलावा जडेजा अपनी गेंदबाजी से हर किसी को प्रभावित करने में कामयाब रहे।

मुंबई उपनगर स्कूल गर्ल्स टीम ने राज्य स्तरीय थ्रोबॉल चैंपियनशिप जीता

मुंबई। उपनगर थ्रोबॉल एसोसिएशन ने नासिक जिला थ्रोबॉल एसोसिएशन के सहयोग से एम ए एच ए थ्रोबॉल एसोसिएशन महाराष्ट्र द्वारा आयोजित दूसरी सब-जूनियर राज्य स्तरीय थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2024-25 में भाग लिया। यह टूर्नामेंट नासिक के पंचवटी में स्वर्गीय मीनाताई ठाकरे डिवीजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुआ। मुख्य कोच सुरेंद्र गमरे, सहायक कोच धनराज घोलप और प्रबंधक नीलम काले के नेतृत्व में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और पूरे लीग मैचों में अपराजित रही। उन्होंने औरंगाबाद, चंद्रपुर, नासिक और हिंगोली की टीमों को हराया और उसके बाद पुणे के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत हासिल की। फाइनल में उन्होंने नासिक टीम को सीधे सेटों में हराया। विजेता टीम में उपरोक्त स्कूलों के छात्र शामिल थे सान्वी शाह, प्रिशा शाह, श्राव्या पाटिल और मुग्धा कदम (रुस्तमजी कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल, दहिसर), मीरा काले और मिहिका डालमिया (वासुदेव सी. वाधवा आर्य विद्या मंदिर, बांद्रा पूर्व), राशि सुवर्णा, रिशा पटेल और जनेसा कंसारा (कपोल विद्यानिधि इंटरनेशनल स्कूल, कांदिवली), श्रिया मंडल, साची चौधरी, प्रांजलि कदम और गार्गी काले (डॉ. एस.राधाकृष्णन इंटरनेशनल स्कूल, बोरीवली), काव्या नानावटी (मातुश्री काशीबेन व्रजलाल वालिया इंटरनेशनल विद्यालय, बोरीवली)। टीम की जीत पर मुंबई उपनगर थ्रोबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रकांत निर्भावने और सचिव चंद्रकांत घोडेराव ने सभी को बधाई दी और सराहना।

घर में भी नहीं चल रहा बाबर आजम का बल्ला

नई दिल्ली। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम का खराब फॉर्म खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में 13 रन ही बना सके बाबर आजम दूसरे मैच में भी सस्ते में पवेलियन लौट गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मुल्तान में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में बाबर सिर्फ पांच गेंद ही खेल सके और क्लीन बोल्ड होकर पवेलियन लौटे। मोती ने उन्हें पवेलियन का रास्ता दिखाया।

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बाबर आजम पांच गेंद पर सिर्फ एक रन ही बना सके। लेट खेलने के प्रयास में बाबर आजम पूरी तरह से बीच हो गए और गेंद उनके बल्ले के नीचे से होते हुए स्टंप में लगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी सीरीज में बाबर लगातार तीसरी पारी में फ्लॉप रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में आठ और पांच रन बनाए थे। उनका बाएं हाथ के स्पिनर ने शिकार बनाया। पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर बाबर आजम ने फॉर्म में वापसी की थी। उन्होंने चार पारियों में तीन अर्धशतक लगाए थे। इससे पहले, दिसंबर 2023 से अक्टूबर 2024 तक 19 पारियों में उन्होंने कोई अर्धशतक नहीं लगाया था। बाबर आजम ने घर पर पिछली 10 पारियों में 140 रन ही बना सके हैं। नोमान अली की घातक गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन शनिवार को वेस्टइंडीज की पूरी टीम को 163 के स्कोर पर समेट दिया। पाकिस्तान की ओर से नोमान अली ने 15.1 ओवर में 41 रन देकर छह विकेट लिये। साजिद खान को दो विकेट मिले। अबरार अहमद और काशिफ अली ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम ने खबर लिखे जाने तक 4 विकेट गंवा दिए थे।

अमेरिका की मैडिसन कीज ने जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन

मेलबर्न। अमेरिका की मैडिसन कीज ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के महिला एकल फाइनल में दो बार की गत चैंपियन बेलारूस की आर्यना सबालेंका को 6-3, 2-6, 7-5 से हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस 29 साल की खिलाड़ी फाइनल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी को हराने से पहले सेमीफाइनल में दूसरे रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को शिकस्त दी थी। वह इस तरह मेलबर्न पार्क में सेरेना विलियम्स के बाद रैंकिंग की शीर्ष 2 खिलाड़ियों को हराने वाली अमेरिका की पहली खिलाड़ी बन गई है। सेरेना ने यह कारनामा 2005 में किया था। रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज कीज को इस टूर्नामेंट में 19वीं वरीयता मिला थी। अमेरिकी ओपन 2017 में उपविजेता रहने के बाद यह उनका दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। कीज ने इसके साथ सबालेंका को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खिताबी जीत की हैट्रिक लगाकर मार्टिना हिंगिस की बराबरी करने से रोक दिया। हिंगिस 1997 से 1999 तक लगातार तीन बार इसकी चैम्पियन बनी थी। 19वीं वरीयता हासिल मैडिसन कीज का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब रहा. वैसे कीज दूसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंची थीं।

IPL से ज्यादा मुश्किल है सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट : वरूण

चेन्नई। भारतीय स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का स्तर आईपीएल के बराबर है और क्रिकेटरों को टी20 प्रारूप में अपना खेल बेहतर करने के लिए और घरेलू टूर्नामेंट खेलना चाहिए। चक्रवर्ती ने कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में तीन विकेट लेकर भारत की जीत में अहम योगदान दिया था। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि घरेलू क्रिकेट का स्तर काफी ऊंचा है। मैं कहूंगा कि आईपीएल या बाकी अंतरराष्ट्रीय मैचों के बराबर। मैं सभी को सलाह दूंगा कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलें क्योंकि हम छोटे मैदानों पर खेलते हैं। यह काफी चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुझे सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट खेलना काफी कठिन लगता है। इसे खेलने से मेरे प्रदर्शन में सुधार आया है। चक्रवर्ती ने इस सत्र में विजय हजारे ट्रॉफी में 18 विकेट लिए और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सात मैचों में 9 विकेट चटकाए। टी20 क्रिकेट में अपनी तैयारियों के बारे में उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं बल्लेबाजों के वीडियो देखता हूं कि वे शुरू में कैसे शॉट खेलते हैं और बाद में कैसे। उन्होंने कौन से नए शॉट खेलना शुरू किया है। मैं यह सब विश्लेषण करता हूं। उन्होंने कहा कि पिच को देखते हुए कुछ शॉट चलते हैं और कुछ नहीं। यह सब ध्यान में रखकर मैं तैयारी करता हूं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिये उन्हें तीन साल इंतजार करना पड़ा लेकिन उन्होंने दिल छोटा नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब 2021 में मुझे बाहर किया गया तो मुझे अपने खेल के मानसिक पहलू और तकनीक पर काम करने का काफी मौका मिला।

मुंबई को जम्मू-कश्मीर ने पांच विकेट से हराया

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2024-25 में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है, जहां 42 बार की रणजी विजेता मुंबई को जम्मू-कश्मीर के हाथों हार मिली है। रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे और शार्दुल ठाकुर जैसे स्टार्स से भरी मुंबई की टीम को जम्मू-कश्मीर ने 5 विकेट से हार दिया है। मुंबई और जम्मू-कश्मीर के बीच 23 जनवरी से 4 दिवसीय मैच शुरू हुआ था। मुंबई ने पहली पारी में 120 रन बनाए। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम ने पहली पारी में 206 रन बनाए और मुंबई पर 86 रनों की बढ़त हासिल कर ली। मुंबई दूसरी पारी में 290 रन बनाकर ऑलआउट हो गई और जम्मू-कश्मीर को जीत के लिए 205 रनों का लक्ष्य मिला। इस लक्ष्य का पीछा जम्मू-कश्मीर ने 5 विकेट खोकर 207 रन कर लिया। इसके साथ ही मुंबई को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ गया। इस मैच में भारतीय क्रिकेट टीम की स्टार टेस्ट जोड़ी पूरी तरह से फ्लॉप रही, जो मुंबई हार की वजह बना। इस दोनों के अलावा बाकी के बल्लेबाज भी उतना योगदान नहीं कर पाए, जिसके चलते उन्हें 5 विकेट से हार मिली। रोहित ने पहली पारी में 3 और दूसरी पारी 28 रन बनाए। जायसवाल ने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 26 रन बनाए। मुंबई के लिए पहली पारी में शार्दुल ठाकुर ने 51 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। जम्मू के लिए उमर नजीर मीर और युदवीर सिंह ने 4-4 विकेट लिए। जम्मू की ओर से पहली पारी में शुभम खजुरिया ने 55 और आबिद मुश्ताक ने 44 रनों का योगदान दिया, जबकि मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने सबसे ज्यादा 5 और शार्दुल ठाकुर ने 5 विकेट लिए. मुंबई ने दूसरी पारी में एक समय 91 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन फिर शार्दुल ठाकुर ने 135 गेंदों में 18 चौके के साथ 119 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली और मुंबई को दूसरी पारी में 290 तक पहुंचा। लेकिन उनकी पारी बेकार गई और जम्मू-कश्मीर ने 205 रनों का पीछा कर लिया। उनके लिए शुभम ने 45 विवरांत ने 38 आबिद मुश्ताक ने 32 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

देशभक्ति की भावना को दोगुना कर देंगे ये गाने

लोकतंत्र की आत्मा भारत के संविधान को कहा जाता है। वहीं, भारतीय संविधान का जनक डॉ. भीमराव अंबेडकर को माना जाता है। 2 साल 11 महीने और 18 दिन में देश का संविधान तैयार हुआ था। जिसे 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। इसके बाद 26 जनवरी 1950 को देश का संविधान लागू हुआ था। इस यादगार पल को याद रखने के लिए हर साल 26 जनवरी के दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस साल 76 वें गणतंत्र दिवस का जश्न पूरा देश मनाएगा। रिपब्लिक डे के मौके पर भारत के सभी नागरिकों के अंदर देशभक्ति का जज्बा चरम पर होता है। इस खास मौके पर कुछ गानों को जरूर सुनना चाहिए, जो कुछ समय के लिए आपके दिमाग में चल रहे तमाम विचारों को रोक देंगे। साथ ही, आप देश के बलिदानों और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को बेहतरीन ढंग से समझ पाएंगे। आइए फिर जानते हैं कि इस दिन प्लेलिस्ट में कौन-कौन से गानों को जरूर शामिल करना चाहिए।

ऐ मेरे वतन के लोगों

भारत के सर्वश्रेष्ठ देशभक्ति गानों की लिस्ट में 'ऐ मेरे वतन के लोगों' का नाम शामिल किया जाता है। दिवंगत गायिका लता मंगेशकर ने इसे गाया था। बता दें कि यह सॉन्ग साल 1962 के भारत-चीन युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को समर्पित है। गणतंत्र दिवस के दिन इस सॉन्ग को एक बार जरूर सुना जाना चाहिए।

दिल दिया है जान भी देंगे

देशभक्ति की भावना को जगाने के लिए 'दिल दिया है जान भी देंगे' सॉन्ग को जरूर सुनना चाहिए। यह गाना साल 1986 में रिलीज हुई फिल्म कर्मा का है। इस गाने को लिखने का श्रेय मशहूर संगीतकार आनंद बख्शी को जाता है। राष्ट्र-भक्ति का महत्व सिखाने के लिए आप इस सॉन्ग को बच्चों को भी सुना सकते हैं।

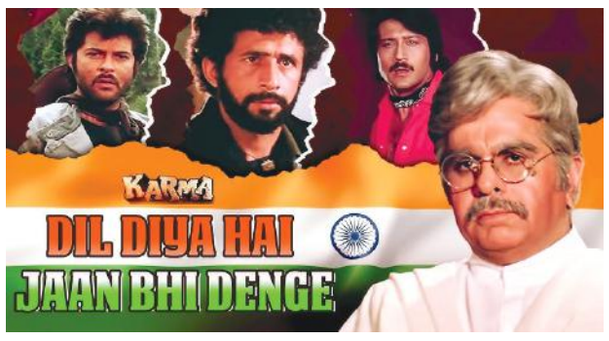

संदेशे आते हैं

गणतंत्र दिवस के दिन बॉर्डर फिल्म के गाने 'संदेशे आते हैं' को भी सुना जा सकता है। बता दें कि इस सॉन्ग को हर देशभक्ति के पर्व पर काफी ज्यादा पसंद किया जाता है।

आई लव माय इंडिया

परदेस फिल्म के गाने आई लव माय इंडिया को काफी पसंद किया गया है। शाह रुख खान की फिल्म के इस सॉन्ग को गणतंत्र दिवस के मौके पर सुनना बेहतरीन विकल्प है। यह सॉन्ग ज्यादातर भारतीयों का पसंदीदा भी है।

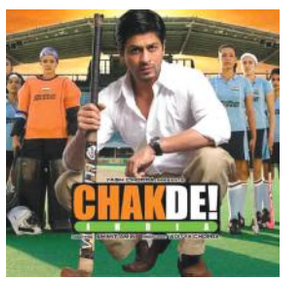

चक दे इंडिया

अभिनेता शाह रुख खान की फिल्म का गाना 'चक दे इंडिया' देश पर गर्व महसूस करने के लिए शानदार है। देशभक्ति से जुड़े हर कार्यक्रम में इस सॉन्ग की गूंज सुनने को मिलती है।

बॉलीवुड की जानीमानी कोरियोग्राफर-फिल्मकार फराह खान ने कहा है कि जुनैद खान और खुशी कपूर के साथ काम करना उनके लिये खूबसूरत अनुभव रहा है। फराह खान ने कहा कि आज के नए सितारों के साथ काम करना उनके लिए एक इमोशनल अनुभव है, क्योंकि ये उन बड़े सितारों के बच्चे हैं, जिनके साथ उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में काम किया था। उन्होंने बताया कि जब वह इन स्टार किड्स को परफॉर्म करते हुए देखती हैं, तो उन्हें उनके पेरेंट्स के साथ बिताए गए दिन याद आ जाते हैं।

जुनैद और खुशी के साथ काम करना खूबसूरत अनुभव : फराह खान

फराह खान ने आमिर खान के बेटे जुनैद खान और दिवंगत श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर को फिल्म लवयापा में कोरियोग्राफ करने के अनुभव पर बात करते हुए कहा, यह मेरे लिए एक अद्भुत अनुभव था क्योंकि मुझे याद है, जब मैंने आमिर के साथ जो जीता वही सिकंदर में काम किया था, उसी दौरान जुनैद का जन्म हुआ था। हम सभी मंसूर और बाकी दोस्तों के साथ उनके घर उन्हें बधाई देने गए थे। श्रीदेवी के साथ भी मेरा खास रिश्ता था। मैं श्रीदेवी, बोनी और पूरे कपूर परिवार के काफी करीब थी। मेरे लिए उनके बच्चों के साथ काम करना बेहद खास और खूबसूरत अनुभव था। फराह ने कहा, यह अजीब सा लगता है कि मैं इतने लंबे समय से इंडस्ट्री में हूं। मुझे ऐसा महसूस नहीं होता, लेकिन जब मैं इन लोगों के साथ शूट करती हूं, तो एहसास होता है कि, ओह माय गॉड, मैंने अपने करियर की शुरुआत आमिर के साथ की थी और अब मैं उनके बेटे को कोरियोग्राफ कर रही हूं। फैंटम स्टूडियोज और एजीएस एंटरटेनमेंट निर्मित प्रोड्यूस और अद्वैत चंदन निर्देशित फिल्म 'लवयापा' 07 फरवरी को रिलीज होगी।

जयपुर में होगा 25वां आईफा अवॉर्ड्स

राजस्थान की राजधानी जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार (आइफा) का 25 वां संस्करण आयोजित किया जायेगा। आइफा अवॉर्ड्स का सिल्वर जुबली सेलिब्रेशन जयपुर में 08-09 मार्च को आयोजित होगा। इस आयोजन की शुरूआत आठ मार्च को सोभा रियल्टी आइफा डिजिटल अवार्ड्स के साथ होगी। आइफा का ग्रैंड फिनाले नौ मार्च को होगा, जिसमें सिनेमा के सितारों को सम्मानित किया जाएगा और वैश्विक मंच पर भारतीय सिनेमा के प्रभाव का जश्न मनाया जाएगा। शाहरुख खान और कार्तिक आर्यन आइफा अवॉर्ड्स को होस्ट करेंगे।

शाहरुख खान ने कहा, आइफा मेरी सबसे खूबसूरत यादों का हिस्सा है। लंदन में हुए पहले आयोजन से लेकर आज तक, यह भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान को बढ़ावा देने वाला एक विशेष मंच है। आइफा केवल एक अवॉर्ड शो नहीं है, बल्कि यह हमारी कला, संस्कृति और कहानियों को दुनियाभर में ले जाने की विरासत है। जयपुर, राजस्थान की समृद्ध परंपरा और रंगीन संस्कृति के बीच, यह आयोजन बेहद खास होगा। मैं इस जादुई सफर में अपने प्रशंसकों और दोस्तों के साथ नई यादें बनाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। कार्तिक आर्यन ने कहा कि मैं जयपुर, राजस्थान के जीवंत हृदय में भारतीय सिनेमा की वैश्विक सफलता का जश्न मनाने के लिए रोमांचित हूं, क्योंकि मुझे इस मार्च में आइफा की ऐतिहासिक 25वीं वर्षगांठ समारोह की मेज़बानी करने का सम्मान मिला है। जिसका मुझे बेसब्री से इंतज़ार था और यह 2025 की शुरुआत करने का सबसे सही तरीका है। पिछले साल आइफा अवॉर्ड्स अबू धाबी में आयोजित हुआ था, जहां शाहरुख खान ने करण जौहर के साथ मेजबानी की थी।

10 अप्रैल को रिलीज होगी जाट

बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल की बहुप्रतीक्षित एक्शन से भरपूर फिल्म जाट 10 अप्रैल को विश्वभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पुष्पा 2 के साथ वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व 12,500 स्क्रीनों पर प्रीमियर के साथ जाट के टीज़र ने पहले ही वर्ष के सबसे विस्फोटक एक्शन ड्रामा का वादा करते हुए फिल्म का मंच तैयार कर दिया है। अपने दमदार अभिनय और लार्जर दैन लाइफ एक्शन दृश्यों के लिए जाने जाने वाले सनी देओल फिर साबित किया कि वह भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ एक्शन हीरो में शामिल हैं। गोपीचंद मालिनेनी निर्देशित और मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री निर्मित, फिल्म जाट में सनी देओल के साथ रणदीप हुडा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा जैसे सितारे भी हैं, जिनकी उपस्थिति हाई-ऑक्टेन एक्शन के साथ एक रोमांचक कहानी का वादा करती हैं। फिल्म जाट का संगीत थमन एस का है, सिनेमैटोग्राफी ऋषि पंजाबी, संपादन नवीन नूली और प्रोडक्शन डिजाइन का काम अविनाश कोल्ला ने संभाला है। अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट के कोरियोग्राफ किए गए एक्शन दृश्य रोमांचकारी होने और दर्शकों को बांधे रखने का वादा करते हैं।

गणतंत्र दिवस पर रिलीज होगा फिल्म थलपति 69 का पहला लुक

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार थलपति विजय की फिल्म थलपति 69 का पहला लुक रिलीज होगा। केभीएन प्रोडक्शंस ने थलपति 69 के बारे में एक बड़ा अपडेट दिया है, जो थलपति विजय की आखिरी फ़िल्म है। व्यापक रूप से 2025 की सबसे प्रतीक्षित फ़िल्म मानी जाने वाली इस फ़िल्म का पहला लुक रविवार, 26 जनवरी को जारी किया जाएगा। बढ़ती उत्सुकता को और बढ़ाते हुए, निर्माताओं ने थलपति विजय के असाधारण करियर को उनकी पहली फ़िल्म से लेकर उनकी 68वीं फ़िल्म तक के जश्न में डूबा देने वाला एक विशेष वीडियो मोंटाज जारी किया है। इस श्रद्धांजलि ने दर्शकों को उनकी 68 प्रतिष्ठित फ़िल्मों की याद दिला दी है, जो भारतीय फ़िल्म परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने वाले व्यक्ति के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि है। यह असेंबल थलपति 69 के इर्द-गिर्द चर्चा को और तेज कर देता है, जो कि थलपति विजय के शानदार करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बनती जा रही है। अपने सोशल मीडिया पर उनकी खबर साझा करते हुए केभीएन ने लिखा,हम एक अपडेट लेकर आए हैं 69% पूरा हो गया।

फ़िल्म थलपति 69 के निर्देशक एच. विनोथ हैं, जो अपनी मनोरंजक कहानियों से दर्शकों को बांधे रखने की अपनी क्षमता के लिए प्रसिद्ध हैं। रॉकस्टार अनिरुद्ध इस फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण केभीएन प्रोडक्शंस के वेंकट के. नारायण ने किया है। सह-निर्माता जगदीश पलानीसामी और लोहित एन.के हैं।